NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

लखनऊ से प्रकाशित

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

वर्षः 13 अंकः 303 लखनऊ, गुरूवार 20 जून 2024 मूल्यः 02 रुपये पृष्ठ- 08

ं जम्मू–कश्मीरं मे पीएम मोदी मनाएंगे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, 7,000 से अधिक लोग होंगे साथ, जानें पूरा कार्यक्रम

एजेंसी। नई दिल्ली प्रधानमंत्री मोदी जम्मू–कश्मीर में कई विकास परियोजनाओं का उद्‌घाटन और शिलान्यास करेंगे। बयान में कहा गया है कि वह कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धात्मकता सुधार परियोजना (जेकेसीआईपी) भी लॉन्च करेंगे। प्रधानमंत्री 21 जून को सुबह लगभग 6रू30 बजे श्रीनगर के एसकेआईसीसी में 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में भाग लेंगे। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी इस वर्ष के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को 21 जून (शुक्रवार) को श्रीनगर में मनाएंगे, इस दौरान वह सभा को संबोधित करेंगे और एक योग सत्र कार्यक्रम में भी भाग लेंगे। प्रधान मंत्री कार्यालय (पीएमओ) द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि पीएम मोदी

20 और 21 जून को जम्मू–कश्मीर का दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी 20 जून को शाम करीब 6 बजे श्रीनगर के शेर–ए–कश्मीर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस सेंटर (एसकेआईसीसी) में श्एम्पावरिंग यूथ, ट्रांसफॉर्मिंग जेएंडकेश कार्यक्रम में भाग लेंगे। प्रधानमंत्री मोदी जम्मू–कश्मीर में कई विकास परियोजनाओं का उद्‌घाटन और शिलान्यास करेंगे। बयान में कहा गया है कि वह कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धात्मकता सुधार परियोजना (जेकेसीआईपी) भी लॉन्च करेंगे। प्रधानमंत्री 21 जून को सुबह लगभग 6रू30 बजे श्रीनगर के एसकेआईसीसी में 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में भाग लेंगे। वह इस अवसर पर सभा को संबोधित करेंगे और उसके बाद योग सत्र में भाग लेंगे। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर प्रधानमंत्री का यहां होना पूरी कश्मीर घाटी के लिए सम्मान की बात है। सिन्हा ने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यहां होना पूरी घाटी के लिए सम्मान की बात है। वह 21 जून को डल झील के किनारे 7,000 से अधिक लोगों के साथ योग करेंगे।' इस वर्ष का योग दिवस कार्यक्रम युवा मन और शरीर पर योग के गहरे प्रभाव को रेखांकित करता है। इस उत्सव का उद्देश्य वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने, योग के अभ्यास में हजारों लोगों को एकजुट करना है।

योग दिवस पर श्रीनगर में पीएम मोदी के साथ शामिल होंगे 7,000 से अधिक लोग –मनोज सिन्हा

एजेंसी।

श्रीनगर। उपराज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री का जम्मू–कश्मीर से विशेष जुड़ाव है, यही वजह है कि उन्होंने 10वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस श्रीनगर में मनाने का फैसला किया। पिछले 10 सालों में योग को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। श्रीनगर। जम्मू–कश्मीर में प्रसिद्ध डल झील के किनारे 10वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने के लिए शुक्रवार को विभिन्न क्षेत्रों के 7,000 से अधिक लोग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में होने वाले समारोह में शामिल होंगे। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय योग

दिवस पर प्रधानमंत्री का यहां होना पूरी कश्मीर घाटी के लिए सम्मान की बात है। सिन्हा ने कहा, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यहां होना पूरी घाटी के लिए सम्मान की बात है। वह 21 जून को डल झील के किनारे 7,000 से अधिक लोगों के साथ योग करेंगे। उपराज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री का जम्मू–कश्मीर से विशेष जुड़ाव है, यही वजह है कि उन्होंने 10वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस श्रीनगर में मनाने का फैसला किया। पिछले 10 सालों में योग को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। उन्होंने कहा, पिछले साल जम्मू–कश्मीर में 23 लाख लोगों ने योग दिवस में भाग लिया था और मैं देख रहा हूं कि हर रोज योग करने वाले लोगों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। तनाव मुक्त जीवन के लिए लोग योग को अपना रहे हैं।

कश्मीर के लोगों के साथ प्रधानमंत्री मोदी के संबंधों पर सिन्हा ने कहा, मुझे नहीं लगता कि जम्मू–कश्मीर के लोगों और प्रधानमंत्री मोदी के बीच कोई दूरी है। तीन महीने पहले जब उन्होंने बख्शी स्टेडियम में भाषण दिया था,

तो उस ऐतिहासिक क्षण को देखने के लिए लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा था। इससे साबित होता है कि लोग प्रधानमंत्री मोदी से भी उतने ही जुड़े हुए हैं।

सौरभ भारद्वाज ने की इमरजेंसी बैठक, स्वास्थ्य विभाग को दिए गए ये निर्देश

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने आज लू की स्थिति के संबंध में सभी प्रमुख अस्पतालों के प्रमुखों के साथ एक आपातकालीन बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने अस्पतालों को गर्मी से संबंधित बीमारियों वाले मरीजों के लिए अपने बिस्तर बढ़ाने का निर्देश दिया। भीषण गर्मी की स्थिति के बीच, दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने सभी एमएस, एमडी और सीडीएमओ को एक परिपत्र जारी किया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अस्पतालों में आपातकालीन सेवाएं पूरे 24 घंटे चालू रहें और हीटस्ट्रोक के मरीजों को संभालने के लिए एक वरिष्ठ डॉक्टर को हमेशा आपातकाल में मौजूद रहना चाहिए। नोटिस में उल्लेख किया गया है कि एमएसध्एमडी को व्यक्तिगत रूप से ऐसे रोगियों के तत्काल प्रवेश और उपचार को सुनिश्चित करना चाहिए, ताकि

अधिकतम जीवन बचाया जा सके। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने आज लू की स्थिति के संबंधा में सभी प्रमुख अस्पतालों के प्रमुखों के साथ एक आपातकालीन बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने अस्पतालों को गर्मी से संबंधित बीमारियों वाले मरीजों के लिए अपने बिस्तर बढ़ाने का निर्देश दिया। ताजा एडवाइजरी का विज्ञापन रेडियो और अखबारों में दिया जाएगा। दिल्ली पुलिस के बीट अधिकारियोंध्गश्ती टीमों से अनुरोध किया जाएगा कि वे खुले आसमान के नीचे पड़े बेघरों को आश्रय गृहों में स्थानांतरित करने में मदद करें। राष्ट्रीय राजधानी में पारा लगातार बढ़ने के कारण दिल्ली–एनसीआर के अस्पतालों में हीट स्ट्रोक और गर्मी से थकावट की शिकायत वाले मरीजों की भीड़ देखी जा रही है। केंद्र ने शहर के अस्पतालों से हीट स्ट्रोक के मरीजों को प्राथमिकता के आधार पर भर्ती करने को कहा है। बुधवार को, सरकारी एलएनजेपी अस्पताल ने पिछले एक सप्ताह में हीट स्ट्रोक के कारण दो मौतों की सूचना दी। एलएनजेपी अस्पताल के चिकित्सा निदेशक सुरेश कुमार ने कहा कि एलएनजेपी अस्पताल में फिलहाल नौ मरीज भर्ती हैं। नौ मरीजों में से, चार मरीज अपनी गंभीर स्थिति और हीटस्ट्रोक के कारण बहु–अंग विफलता के कारण वेंटिलेटर सपोर्ट पर हैं। 16 जून को लू लगने से एक मरीज की मौत हो गयी। हीटस्ट्रोक के मरीजों का समय पर इलाज बहुत जरूरी है, नहीं तो इससे कई अंगों की विफलता भी हो सकती है।

असम के करीमगंज में भूस्खलन से पांच लोगों की मौत

एजेंसी।

बदरपुर पुलिस थाने के प्रभारी अधिकारी अपने कर्मचारियों और राज्य आपदा मोचन बल के कर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे।'' दास ने बताया कि दल ने तत्काल बचाव अभियान प्रारंभ किया। असम के करीमगंज जिले में लगातार बारिश के बाद मंगलवार देर रात भूस्खलन में तीन नाबालिगों सहित एक ही परिवार के कम से कम पांच सदस्यों की मौत हो गई। पुलिस ने यह

जानकारी दी।करीमगंज के पुलिस अधीक्षक पार्थ प्रोतिम दास ने बताया कि यह घटना बदरपुर पुलिस थाना क्षेत्र के गैनाचोरा गांव में हुई। उन्होंने 'पीटीआई–भाषा' को बताया, '' देर रात 12 बज कर करीब 45 मिनट पर, एक पहाड़ी पर भूस्खलन की सूचना मिली जिसमें एक घर पूरी तरह से जमींदोज हो गया। बदरपुर पुलिस थाने के प्रभारी अधिकारी अपने कर्मचारियों और राज्य आपदा मोचन बल के कर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे।'' दास ने बताया कि दल ने तत्काल बचाव अभियान प्रारंभ किया।उन्होंने बताया ''तीन घंटे के बाद पांच शव बरामद किए गए। कोई जीवित नहीं बचा।'' मृतकों की पहचान रॉयमुन नेसा (55) और उनके बच्चों साहिदा खानम (18), जाहिदा खानम (16) और हमीदा खानम (11) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि भूस्खलन में महिमुद्दीन के तीन वर्षीय बेटे की भी मौत हो गई। असम में लगातार बारिश के कारण आई बाढ़ से हालात मंगलवार को और खराब हो गए। इससे आठ जिलों के 1.61 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं।

मतुआ समुदाय के प्रभावशाली नेता सांतनु ठाकुर मोदी कैबिनेट में बने राज्यमंत्री

एजेंसी।

बनगांव सीट के सांसद शांतनु ठाकुर को भी मंत्री बनाया गया है। उन्हें बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय में राज्य मंत्री की जिम्मेदारी दी गई है। शांतनु ठाकुर बंगाल के मतुआ समुदाय के प्रभावशाली नेता माने जाते हैं। बनगांव से चुनाव जीतने वाले वो पहले बीजेपी के नेता हैं। वे मोदी 2.0 में भी मंत्री रह चुके हैं। एनडीए सरकार में पश्चिम बंगाल की बनगांव सीट के सांसद शांतनु ठाकुर को भी मंत्री बनाया गया है। उन्हें बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय में राज्य मंत्री की जिम्मेदारी दी गई है। शांतनु ठाकुर बंगाल के मतुआ समुदाय के प्रभावशाली नेता माने जाते हैं। बनगांव से चुनाव जीतने वाले वो पहले बीजेपी के नेता हैं। शांतनु ठाकुर मोदी 2.0 में भी मंत्री रह चुके हैं। शांतनु ठाकुर का जन्म 3 अगस्त 1982 को पश्चिम बंगाल के थाकुर नगर, उत्तर 24 परगना में हुआ था। उनकी शिक्षा अंग्रेजी साहित्य में हुई और उन्होंने हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट में एडवांस डिप्लोमा प्राप्त किया। उनकी शिक्षा विक्टोरिया यूनिवर्सिटी और कर्नाटक स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी से हुई थी। शांतनु ठाकुर का राजनीतिक करियर एक पारिवारिक विवाद के चलते शुरू हुआ। उनके पिता, मंजुल कृष्णा ठाकुर, जो तृणमूल कांग्रेस (ज्डब्) में पूर्व मंत्री थे, के पार्टी से मतभेद होने के बाद शांतनु भाजपा में शामिल हुए। वह 2019 में बंगाओं संसदीय क्षेत्र से सांसद चुने गए। शांतनु ठाकुर पश्चिम बंगाल के मतुआ समुदाय के प्रमुख नेता हैं। मतुआ समुदाय, जो राज्य की दूसरी सबसे बड़ी अनुसूचित जाति है, ने उन्हें एक महत्वपूर्ण राजनीतिक हस्ती बना दिया है। उनका प्रारंभिक करियर मतुआ समुदाय के सामाजिक सेवाओं से जुड़ा था। जुलाई 2021 में, शांतनु ठाकुर को भारत सरकार में बंदरगाह, शिपिंग और जलमार्ग मंत्रालय के राज्य मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया। शांतनु ठाकुर वर्तमान में भारतीय केंद्रीय मंत्रिमंडल में बंदरगाह, शिपिंग और जलमार्ग मंत्रालय में राज्य मंत्री के पद पर कार्यरत हैं। उन्हें यह भूमिका 2021 के कैबिनेट पुनर्गठन में दी गई थी। उनकी जिम्मेदारियां इस मंत्रालय के विभिन्न कार्यक्रमों और नीतियों के संचालन और निगरानी से संबंधित हैं। 2009 में परिसीमन के बाद बनी बनगांव सीट से चुनाव जीतने वाले शांतनु ठाकुर पहले गैर–टीएमसी नेता हैं। 2009 के चुनाव में यहां से टीएमसी नेता गोबिंद्र चंद्रनस्कर जीते थे।

2014 में कपिल कृष्ण यहां से जीते थे। उसी साल उनका निधन हो गया था, जिसके बाद उपचुनावमें टीएमसी नेता ममताबाला ठाकुर यहां से जीती थीं। 2019 के चुनाव में शांतनु ठाकुर ने ममताबाला ठाकुर को 1.30 लाख वोटों के अंतर से हराया था।

भाजपा सरकार में प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं चरमराई–अखिलेश यादव

लखनऊ (आरएनएस) समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार में प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा गई है। मौसम की मार और लू लगने से लोगों की लगातार मौते हो रही है। बुखार और संक्रामक बीमारियां बढ़ रही है। सरकारी अस्पतालों में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। अस्पतालों में दवा, इलाज नहीं मिल रहा है। बड़ी संख्या में मरीज निजी अस्पतालों में इलाज कराने पर मजबूर हैं जहां उनके पैसों की लूट हो जाती है। अखिलेश यादव ने कहा कि राजधानी लखनऊ, गाजियाबाद समेत तमाम जिलों में लोगों की गर्मी लू से मरने की खबरें आ रही है। सरकार का लोगों के दवा इलाज और स्वास्थ्य व्यवस्था सुधारने पर कोई ध्यान ही नहीं है। भाजपा सरकार ने समाजवादी सरकार में शुरू की गयी 108 और 102 एम्बुलेंस सेवा को बर्बाद कर दिया। प्रदेश के विभिन्न जिलों में मेडिकल कॉलेज के नाम पर सिर्फ अधूरी बिल्डिंग खड़ी है। वहां न डॉक्टर है और न पैरा मेडिकल स्टाफ और न कोई सुविधा।श्री यादव ने कहा कि पूरी भाजपा सरकार ने लोगों को भगवान भरोसे छोड़ दिया है। सरकार और स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह लापरवाह बना हुआ है। उसे आम जनता की कोई चिंता नहीं है। प्रदेश के कई मेडिकल कॉलेज सरकार की उदासीनता के शिकार हो गये है। बदायूं में समाजवादी सरकार में निर्मित बदायूं मेडिकल कॉलेज बीजेपी सरकार की उदासीनता और बेरुखी के चलते बदहाल हो गया है। यहां मासूम नवजातों की मौतों का सिलसिला जारी है, इलाज की कोई सुचारू व्यवस्था नहीं। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा विकास नहीं विध्वंस करती है। समाजवादियों ने जो काम किये थे उनको बिगाड़ना ही भाजपा का मुख्य काम हो गया है। भाजपा सरकार से जनता का भरोसा खत्म हो गया है। भाजपा सरकार पूरी तरह से विफल है।

CHANDRA POST GRADUATE DENTAL COLLEGE & HOSPITAL
In between Hind Medical College & Mayo Medical College, Ayodhya Highway, Barabanki border, Lucknow.

Admission is open for BDS & MDS
CLINICALLY BEST DENTAL COLLEGE
* 200 bedded hospital with trauma Center.
* Ultra Modern, Advance Dental Hospital for all departments separately.
* CAD CAM Zirconia designing and Milling Machine
* Well Equipped Mobile Dental Van for Public Health.
* Record Highest number of Patients inflow amongst all colleges.
* Outstanding facilities of hostel & mess.
Cont: 8447686954 / 6306659654

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, गुरूवार 20 जून 2024
sheelshukla100@gmail.com

प्रदेश को टेक्सटाइल्स उद्योग का हब बनाने के लिए भविष्य में गोरखपुर और वाराणसी में भी पीएम मित्र पार्क किया जाएगा स्थापित

लखनऊ (आरएनएस) उत्तर प्रदेश के एमएसएमई, रेशम उद्योग, खादी एवं ग्रामोद्योग, हथकरघा एवं वस्त्रउद्योग राकेश सचान ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि पीएम मित्र योजनांतर्गत जनपद लखनऊ–हरदोई के मध्य टेक्सटाइल्स पार्क की स्थापना हेतु भूमि से संबंधित समस्त कार्य जल्द से जल्द पूर्ण करा लिया जाए, जल्द ही इस पार्क का शिलान्यास होना है। पीएम मित्र टैक्सटाइल्स पार्क से प्रदेश में टेक्सटाइल्स उद्योग को बहुत अधिक बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री की इच्छानुसार उत्तर प्रदेश को टेक्सटाइल्स उद्योग का हब बनाने की दिशा में तेजी से जरूरी कदम उठाए जाएँ। प्रदेश को टेक्सटाइल्स उद्योग का हब बनाने के लिए भविष्य में गोरखपुर और वाराणसी में भी पीएम मित्र पार्क को स्थापित किए जाने की संभावनाओं पर भी विचार किया जाए। उत्तर प्रदेश में टेक्सटाइल्स उद्योग की बहुत संभावनाएँ हैं। इससे प्रदेश में काफी संख्या में रोजगार भी सृजित होगा। उत्तर प्रदेश के एमएसएमई, रेशम उद्योग, खादी एवं ग्रामोद्योग, हथकरघा एवं वस्त्रउद्योग राकेश सचान ने यह निर्देश आज यहाँ खादी भवन सभागार में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से खादी एवं ग्रामोद्योग, हथकरघा एवं वस्त्रउद्योग विभाग के विभागीय कार्यों की समीक्षा के अवसर पर दिया। उन्होंने इस अवसर पर वित्तीय वर्ष 2024–25 हेतु विभागीय योजनाओं के लिए आवंटित बजट के संबंध में भी समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि लक्ष्य निर्धारित कर विभाग द्वारा संचालित समस्त योजनाओं का धरातल स्तर पर क्रियान्वयन सही ढंग से किया जाए। योजनाओं का लाभ वास्तविक लाभार्थियों को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करें किसी प्रकार की अल्पावधि नहीं मिलनी चाहिए। उत्तर प्रदेश के कैबिनेट राकेश सचान ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रदेश के मंडलों ध्जनपदों में आयोजित होने विभागीय प्रदर्शनियों का आयोजन शहर के प्रमुख स्थलों पर कराने के साथ ही प्रदर्शनी के उद्घाटन व सांस्कृतिक कार्यक्रमों में जनपद के जनप्रतिनिधियों को अनिवार्य रूप से आमंत्रित किया जाय। प्रदर्शनी का व्यापक प्रचार प्रसार भी कराया जाए जिससे दूर दराज से आए उद्यमियों के उत्पादों की अच्छी बिक्री हो सके। राकेश सचान में वस्त्र उद्योग विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि मुख्यमंत्री बुनकर सौर ऊर्जा योजना के तहत लोगो को प्रोत्साहित करते हुए लाभान्वित करायें। जो उद्यमी वस्त्र नीति 2022 के तहत अपना उत्पादन प्रारम्भ कर चुके हैं उनको विभागीय पोर्टल पर आवेदन कराकर अणुमन्य सुविधाओं का लाभ प्रदान कराया जाए। झलकारी बाई कोरी हथकरघा एवं पावरलूम विकास योजना तथा मुख्यमंत्री हैण्डलूम एवं पावरलूम उद्योग विकास योजना के तहत समस्त प्रस्तावों को यथाशीघ्र निदेशालय प्रेषित किया जाए तथा द्वितीय किस्त की धनराशि की भी माँग यथाशीघ्र कर ली जाए। उन्होंने खादी एवं ग्रामोद्योग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि खड़ी के उत्पादों का व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए। विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के माध्यम से स्थापित होने वाली इकाइयोंध्लाभार्थियों को बैंको से समन्वय स्थापित करते हुए ऋण की सुविधा उपलब्ध कराई जाए ताकि प्रदेश में अधिक से अधिक लोगों को स्वरोजगार से जोड़ा जा सके। खादी के उत्पादों वृद्धि लाए जाने की दिशा में और अधिक प्रयास किए जाने की करियर है। उन्होंने इस संबंध में कंपनियों अधिकारियों से भी सुझाव लिया। राकेश सचान ने उ०प्र० माटीकला बोर्ड की योजनाओं की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि प्रत्येक जनपद में कम से कम एक में कॉमन फैसेलिटी सेण्टर की स्थापना अवश्य करायी जाये ताकि माटीकला के परम्परागत कारीगरों को अधिक से अधिक योजना का लाभ मिल सके। विद्युत चालित चॉक वितरण के अतिरिक्त अन्य आधुनिक स्वचालित मशीनें भी परम्परागत कारीगरों को उपलब्ध कराये जाने हेतु विस्तृत योजना तैयारकर प्रस्तुत की जाए। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष 2325 विद्युत चालित चाक के साथ ही 375 पगमिल मशीन वितरण का लक्ष्य रखा गया है जिसके लिए औपचारिक कार्यवाही प्रारम्भ कर दी गयी है। राकेश सचान ने उ०प्र० माटीकला बोर्ड द्वारा माटीकला के परम्परागत कारीगरों को आवंटित तालाबों से मिट्टी निकालने के दौरान विभिन्न समस्याओं के निराकरण के संबंध में प्रमुख सचिव को निर्देश दिया कि जिलाधिकारी को पत्र लिखकर स्थानीय प्रशासन को इस सम्बन्ध में अवगत करायें कि माटीकला के परम्परागत कारीगरों को मिट्टी निकालने, ले जाने में किसी प्रकार की कोई कठिनाई न हो ताकि वह अपने उत्पाद का अधिक से अधिक उत्पादन कर सकें। उच्च अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि सभी जिला ग्रामोद्योग अधिकारियों को निर्देश जारी करें कि ग्रामीणध्शहरी क्षेत्रों में मिट्टी का कार्य कर रहे शिल्पकार जाहँ–जहाँ समूह में रह रहे हैं, उनको चिन्हित कर सूचीबद्ध करायें तथा उन सभी को योजनान्तर्गत लाभान्वित कराने का अधिक से अधिक प्रयास किया जाए।इस अवसर पर विभागीय प्रमुख सचिव आलोक कुमार, उद्योग आयुक्त एवं निदेशक राजेश कुमार, सीईओ खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड उज्ज्वल कुमार सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

03 दिसम्बर को विश्व दिव्यांग दिवस पर दिए जाएंगे राज्य स्तरीय पुरस्कार

लखनऊ (आरएनएस)प्रत्येक वर्ष 03 दिसम्बर को विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर दिव्यांगता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को राज्य स्तरीय पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। इन पुरस्कारों के लिए दिव्यांगजन विभाग द्वारा राज्य स्तरीय पुरस्कार नियमावली–2017 प्रचलित है, जिसमें 12 विभिन्न श्रेणियों की व्यवस्था की गई है। प्रदेश सरकार के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेन्द्र कश्यप ने बताया कि नियमावली के अनुसार इन पुरस्कारों के लिए व्यापक प्रचार–प्रसार कर आवेदन–पत्र आमंत्रित किए जा रहे हैं। इच्छुक व्यक्ति या संस्था सबंधित जनपद के दिव्यांगजन अधिकारी कार्यालय से संपर्क निर्धारित प्रारूप में 15 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं ।राज्य स्तरीय पुरस्कार नियमावली–2017 के अंतर्गत पुरस्कार हेतु श्रेणियाँ निर्धारित की गई है जिनमे दक्ष दिव्यांग कर्मचारीध्स्वनियोजित दिव्यांगजन के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार, दिव्यांगजन हेतु सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता और सर्वश्रेष्ठ प्लेसमेंट अधिकारी या एजेंसी के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार, दिव्यांगजन के निमित्त कार्यरत सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति और सर्वश्रेष्ठ संस्था के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार, प्रेरणास्रोत हेतु राज्य स्तरीय पुरस्कार, दिव्यांगजन के जीवन सुधारने के निमित्त सर्वश्रेष्ठ नवीन अनुसंधान या उत्पाद विकास के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार, दिव्यांगजन हेतु बाधामुक्त वातावरण के सृजन हेतु सर्वश्रेष्ठ कार्य के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार, दिव्यांगजन को पुनर्वास सेवाएं प्रदान करने वाले सर्वश्रेष्ठ जिला के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ सृजनशील दिव्यांग वयस्क व्यक्ति और सर्वश्रेष्ठ बालकध्बालिका हेतु राज्य स्तरीय पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ ब्रेलप्रेस के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार, दिव्यांगजन के लिए सर्वोत्तम अनुकूल वेबसाइट हेतु राज्य स्तरीय पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार तथा दिव्यांगजन के सशक्तीकरण हेतु कार्यरत अधिकारीध्कर्मचारी के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार दिए जाएंगे। उन्होंने दिव्यांगता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सभी योग्य उम्मीदवारों और संस्थाओं से समय पर आवेदन करने का आग्रह किया गया है ताकि उनकी सेवाओं को सम्मानित किया जा सके।

सिंचाई विभाग में बाढ़ से संबंधित निर्माण कार्यों में भी नवाचार को दिया जा रहा है बढ़ावा –जलशक्ति मंत्री

लखनऊ (आरएनएस) उत्तर प्रदेश के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने बताया कि लगातार नवीन तकनीकों को बढ़ावा दिया जा रहा है, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा जनपद–सिद्धार्थनगर, महराजगंज एवं गोरखपुर में प्रेशर सिंचाई प्रणाली विकसित किया जा रहा है, यह नई सिंचाई पद्धति है। प्रदेश में प्रथम बार प्रेशर सिंचाई प्रणाली का कार्य कराया जा रहा है। स्वतंत्र देव सिंह ने बताया कि प्रेशर सिंचाई प्रणाली में सेडिमेंटेशन टैंक, पम्प हाउस तथा पीसीसी पाइप एवं डीआई पाइप का उपयोग किया जा रहा है। प्रेशर सिंचाई प्रणाली में पाइप (800 मिमी तथा 200 मिमी) लाइन जमीन से लगभग 1.5 मीटर नीचे बिछाया जा रहा है, जिससे कृषकों की जमीन पर खेती पूर्व की भांति होती रहेगी। इस सिंचाई प्रणाली में लगभग प्रत्येक 200 मीटर पर आउटलेट का प्रावधान है। पाइप में पानी का बहाव दबाव के होने के कारण ग्रेविटी फ्लो तथा पाइप लगाकर कृषक अपने खेत की सिंचाई कर सकता है। यदि कृषक अपने खेत में स्प्रींकलर प्रणाली विकसित कर रखा है तो उसे सिर्फ आउटलेट से अपने स्प्रींकलर प्रणाली को जोड़ कर सिंचाई कर सकता है। स्वतंत्र देव सिंह ने बताया कि प्रेशर सिंचाई प्रणाली की 07 नग परियोजना के अंतर्गत 11 स्थानों पर 31.000 किमी0 लम्बाई में पाइप लेईंग का कार्य प्रगति में है। 07 नग परियोजनाओं के द्वारा 57 ग्रामों के लगभग 18000 कृषकों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। उक्त परियोजना द्वारा खरीफ में 3969.00 हे0 तथा रबी में 3969.00 हे0 सिंचाई का प्राविधान है। 07 नग परियोजनाओं की लागत रू0 111.62 करोड़ है।जल शक्ति मंत्री ने बताया कि सिंचाई विभाग द्वारा इसके साथ ही बाढ़ से संबंधित निर्माण कार्यों में भी नवाचार को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी क्रम में शारदा संगठन अन्तगर्त जनपद पीलीभीत में सनेढ़ी तटबन्ध पर 2 अदद् नये स्पर का निर्माण व एक बाढ़ से क्षतिग्रस्त स्पर को टी (ज) के रूप में परिवर्तित किया गया। उन्होंने बताया कि इसमें निम्न प्रकार से नवीन प्राविधान किए गए। इसके तहत फैक्ट्री मेड वायर क्रेट जिसके मेस की साइज 10 सेमी व 12 सेमी होती है जो छोटे बॉर्डर पर भी प्रभावी रहता है। इसके तहत डिजाइन में लांचिंग एप्रन के एप्रन की साइज विभाग में परंपरागत रूप से चल रहे 1 मी. गुणे 1 मी. गुणे 1 मी. के स्थान पर 1.5 मी. गुणे 1.5 मी. गुणे .5 मी का प्रयोग किया गया। यह डिजाइन अधिक सुरक्षित व लागत में 25 प्रतिशत की कमी परिलक्षित हुई। इस डिजाइन को पूरे पूर्वी संगठन की बाढ़ परियोजनाओं में लागू कराया गया है।

मोती महल लान में सजी योग की शानदार महफिल

10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के तत्वाधान में बनाए योगासन में 10 विश्व रिकार्ड

लखनऊ (आरएनएस).मोती महल वाटिका लखनऊ में योगासन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड काउंसिल के तत्वाधान में जश्ने आजादी ट्रस्ट व भारतीय आदर्श योग संस्थान द्वारा आमंत्रित 10 प्रतिभागियों ने अपने–अपने आसनों में एकल रूप से 10 विश्व रिकॉर्ड स्थापित किए।इस कार्यक्रम का उद्घाटन उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव श्री दुर्गा शंकर मिश्रा जी ने दीप प्रज्वलन कर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के सामान्य प्रोटोकॉल का अभ्यास कर शुभारंभ किया।इस अवसर पर डॉ आनंदेश्वर पांडे,चेयरमैन योगासन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड काउंसिल,यूएई अध्यक्ष सैय्यद रफत जुबेर रिजवी, काउंसिल के सीईओ आचार्यश्री डॉ यश पाराशर,चीफ एडिटर मालविका वाजपेई ने सभी 10 विश्व कीर्तिमान घोषित किए।लखनऊ से आरना खुराना ने सुप्त तितिभासन 33 मिनट 06 सै. पदम चक्रासन में 02 मिनट 31 सै. विश्व रिकॉर्ड बनाया।उन्नाव से भूमि तिवारी ने तीन आसनों में रामदूतासन 35 मिनट 27 सै. कमरमरोड़ आसन मे 12 मिनट 35 सै. व राजकपोतासन 05 मिनट 26 सै. तक रुक कर रिकॉर्ड अपने नाम किया।सौम्या ओझा कानपुर ने परिवर्तित जानू शीर्षासन मे 23 मिनट 34 सै. और तिम्यासन में 07 मिनट 15 सै. रुक कर विश्व कीर्तिमान अपने नाम किए।रायबरेली से सृष्टि सोनकर ने पदपुत्र परिवर्तित जानू शीर्षासन में 33 मिनट 06 सै. कर विश्व रिकॉर्ड बनाया।कानपुर से डॉ भावना श्रीवास्तव ने वज्रआसन में 45 मिनट 03 सै. करके विश्व रिकॉर्ड बनाया। गाजियाबाद से अंजलि भारद्वाज ने शशांकासन में 39 मिनट 11 सेकंड तक रुककर विश्व रिकॉर्ड बनाया। लखनऊ की दिया आहूजा ने 9 महीने की गर्भावस्था में चार कठिन आसनों जिसमें वॉरियर पोज, टाइगर पोज, सेतुबंध आसन और वृक्षासन में विश्व रिकॉर्ड बनाएं।मालविका जी के निर्देशन में बने ये चारों आसन के लिए मालविका ने बताया की ऐसी परिस्थिति में ये कारनामा करने वाली दिया पहली योगिनी है और पूरी महिला वर्ग के लिए एक प्रेरणा है। अतिथियों द्वारा सभी चारों रिकॉर्ड से दिया को सम्मानित किया गया।दशम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम महिला सशक्तिकरण को सार्थक करते हुए सभी विश्व रिकॉर्ड बनाने वाले सभी प्रतिभागी महिलाएं थी।इस कार्यक्रम के आयोजक मुरलीधर आहूजा व कृष्ण दत्त मिश्रा जी ने सफल आयोजन के लिए सभी को बधाई प्रेषित की व मीडिया का भी आभार प्रकट किया साथ ही प्रोटोकॉल के लिए शहर से आए सभी योगाभ्यासियों को 21 जून की शुभकामनाएं प्रेषित की।इस अवसर पर समाजसेवी अब्दुल वहीद,अजीज सिद्दीकी,डॉक्टर आदर्श त्रिपाठी,डॉक्टर राधेश्याम, मुर्तुजा अली, शहजादे कलीम,कुदरत उल्ला खान,साकेत शर्मा,परवेज अख्तर,आरिफ मुकीम,शालू सिंह आदि प्रमुख रूप से मौजूद थे।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी अपनी अगली फिल्म रौतू का राज को लेकर लखनऊ पहुँचे

लखनऊ, (आरएनएस) 19 जून 2024रू जाने–माने अदाकार नवाजुद्दीन सिद्दीकी अपनी सबसे नई ैम्5 ओरिजिनल फिल्म, श्रौतू का राजश के साथ दर्शकों को लुभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। लखनऊ में पुलिस मुख्यालय की अपनी यात्रा के दौरान, स्क्रीन पर एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाने वाले नवाजुद्दीन ने वास्तविक जीवन के पुलिस अधिकारियों से मुलाकात की। उन्होंने पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार, पीआरओ और निरीक्षकों के साथ बातचीत की और एक पुलिसकर्मी की भूमिका निभाने पर अनुभव और अंतर्दृष्टि साझा की। जी स्टूडियोज और फैट फिश रिकॉर्ड्स द्वारा प्रोड्यूस की गई और आनंद सुरापुर द्वारा निर्देशित, रौतू का राज में राजेश कुमार, अतुल तिवारी और नारायणी शास्त्री भी सहायक भूमिकाओं में हैं और यह फिल्म उत्तराखंड के रौतू की बेली के हसीन गाँव पर आधारित है। पिछले साल 54वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (इफ्फी) में इस फिल्म का शानदार प्रीमियर हुआ था, जहाँ इसका गर्मजोशी से स्वागत किया गया था और अब यह 28 जून को अपने ओ.टी.टी. प्रीमियर के लिए तैयार है।यह फिल्म एक शांत शहर, रौतू की बेली में नेत्रहीनों के एक स्कूल में वार्डन की रहस्यमयी मौत के इर्द–गिर्द घूमती है, जहाँ पिछले पंद्रह सालों से ज्यादा वक्त से कोई हत्या नहीं हुई है। यहीं पर भ्दीपक नेगी उर्फ नवाजुद्दीन सिद्दीकी और उनकी टीम आती है और इस दुर्लभ और हाई–प्रोफाइल कत्ल की जाँच को सुलझाने का काम करती है। इस फिल्म में भ्दीपक नेगी (नवाजुद्दीन के किरदार) और सब इंस्पेक्टर डिमरी (राजेश कुमार द्वारा अभिनीत) के बीच एक अनोखी और खुशमिजाज दोस्ताना दिखाया गया है, जिन्हें इस हत्या की जाँच को लेकर अपने आलसीपन से मजबूरन बाहर निकलना पड़ता है। तो, किसी कत्ल की अब तक की सबसे अलसाई हुई जाँच से रूबरू कराने वाली एक रहस्यमयी थ्रिलर को देखने के लिए तैयार हो जाईये।नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने इस फिल्म की रिलीज और अपने लखनऊ आने के बारे में अपनी खुशी प्रकट करते हुए कहा, ष्मैं अपनी अगली फिल्म रौतू का राज का प्रचार करने के लिए लखनऊ आकर बेहद खुश हूँ। लखनऊ के लोग बहुत खुले दिल वाले हैं और इसलिए, इस शहर में बार–बार लौटना अच्छा लगता है। मैं लखनऊ के लोगों से आग्रह करता हूँ कि वे रौतू का राज को भी वैसा ही प्यार दें जैसा उन्होंने मुझे दिया है। इस फिल्म में, मैं पुलिस अधिकारी दीपक नेगी का किरदार निभाते हुए नजर आऊँगा, जो रौतू की बेली के एक सोए–सोए से और शांत शहर में एक दुर्लभ और हाई–प्रोफाइल हत्या की जाँच का काम सौंपा गया है। इस फिल्म की गति इस छोटे से शहर से प्रेरित है और इसलिए यह एक हत्या की आलसी जाँच में एक चालाक पुलिस वाले की कहानी है। यह अचंभित करने वाले मोड़ वाली एक दिलचस्प फिल्म है और जल्द ही 190 से अधिक देशों में ैम्5 पर उपलब्ध होगी।ष्रौतू की बेली में एक दशक से ज्यादा समय से कोई गुनाह नहीं हुआ, लेकिन अब एक सनसनीखेज रहस्य सामने आ रहा है! क्या है श्रौतू का राजश? इस रहस्य से पर्दा उठाने के लिए ट्यून इन करें 28 जून को ैम्5 पर!

मुख्य सचिव ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के सफलतापूर्वक आयोजन हेतु जारी किये गये व्यापक दिशा–निर्देश

लखनऊ (आरएनएस) 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन 21 जून 2024 को किया जायेगा। आयुष मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली ने इस वर्ष का थीम स्वयं और समाज के लिए योग रखी गई है। योग सप्ताह 15 जून 2024 से शुरू हो चुका है। 21 जून 2024 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रमों के अलावा अन्य गतिविधियों के आयोजन के लिए प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र की ओर से समस्त अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव उ0प्र0 शासन, समस्त मण्डलायुक्तों, समस्त जिलाधिकारियों, महानिदेशक आयुष, मिशन निदेशक आयुष तथा निदेशक आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथिक को विस्तार से दिशा–निर्देश जारी किये गये हैं।मुख्य सचिव के निर्देशों के क्रम में योग कार्यक्रम को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने के लिए जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय समिति का गठन किया जायेगा। इस समिति में 10 सदस्य सम्मिलित होंगे। इसके अलावा जनपद में कार्यरत विभिन्न संस्थाओं के सदस्योंध्प्रशिक्षित योग ट्रेनर के सहयोग से जनपद, तहसील, ब्लाक, पंचायत स्तर पर सामूहिक योग कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जागरूकता उत्पन्न करने के लिए प्रधानमंत्री , मुख्यमंत्री सहित प्रमुख हस्तियों, खिलाड़ियों, योग गुरुओं, प्रतिष्ठित महानुभावों आदि के संदेश प्रसारित किये जाने के लिए मुख्य सचिव द्वारा निर्देशित किया गया है। प्रदेश के संबंधित जनपदों के प्रभारी मत्रिगण की अध्यक्षता में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। जनपदों के समस्त पुलिस थाना, पुलिस लाइन, पी0ए0सी0 बटालियन, एन0सी0सी0, एन0एस0एस0, स्काउट गाइड तथा प्रांतीय रक्षा दल को शामिल करते हुए योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन करने के निर्देश दिये गये हैं। इसके अलावा समस्त प्राथमिक विद्यालयों, माध्यमिक विद्यालयों एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में समुचित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करवाते हुए योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया जाये। छात्रों के लिए शुद्ध पेयजल की व्यवस्था करते हुए मिष्ठान एवं फलों का वितरण किया जाये। समस्त कार्यक्रमों के आयोजन में पुलिस द्वारा समुचित सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाय।

अमृत सरोवरों के मेंटिनेंस पर ग्राम्य विकास विभाग का विशेष फोकस

अमृत सरोवरों के कैचमेंट क्षेत्र का विकास कर पुनरुद्धार करने के दिये गये निर्देश

वर्षा का जल अमृत सरोवरों तक हर हाल में पहुंचे,

लखनऊ (आरएनएस) उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रदेश में सभी वर्षा जल संचयन संबंधी संरचनाओं एवं अमृत सरोवर के कैचमेन्ट क्षेत्र का विकास करने के निर्देश सभी सम्बंधित अधिकारियों को दिए हैं।उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अमृत सरोवरों के पुनरुद्धार एवं वर्षा ऋतु से पहले उनका जीर्णोद्धार किये जाने के निर्देश ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों को दिए हैं,जिससे वर्षा का जल संचयन आसानी से हो सके। उप मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में इस दृष्टिगत जिलाधिकारियों को व्यापक दिशा निर्देश निर्गत कर दिये गये हैं। प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में विभाग की मनरेगा योजना के अंतर्गत बनाए गये अमृत सरोवरों के रख–रखाव व उसके मेंटिनेंस पर विशेष बल दिया बल दिया जा रहा है। भीषण गर्मी में अमृत सरोवरों के पुनरुद्धार के लिए ग्राम्य विकास विभाग मुख्यालय स्तर से जनपदों को पत्र प्रेषित कर आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देश जारी किये गये हैं।अमृत सरोवरों के कैचमेंट क्षेत्र को विकसित करने के निर्देश दिये गए हैं। कैचमेंट एरिया विकसित होने से आने वाली वर्षा ऋतु में बारिश का पानी आसानी से संरक्षित हो सकेगा, इसके साथ ही सरोवरों में आने वाली पानी के श्रोत भी बरकरार रह सकेंगे एवं जल संरचनाओं में पानी की उपलब्धता बनी रहेऔर सरोवरों में पर्याप्त मात्रा में जल संचयन बना रहेंगा। गांवों में बनाए गये अमृत सरोवरों में पानी साफ और स्वच्छ रहे, इसका भी ख्याल रखा गया है, इस हेतु गांव का गंदा पानी सरोवर में न जाए इसके लिए फिल्टरिंग चौंबर का प्राविधान सुनिश्चित करने के निर्देश निर्गत किये गये हैं।जिन तालाबों में सिल्ट आदि जमा हो गई है, उसके पुनरुद्धार हेतु योजना के अंतर्गत प्राविधानों के अनुरूप कार्यवाही करने के निर्देश निर्गत किये गये हैं। जिससे बारिश का पानी सरोवर में अधिक से अधिक संरक्षित हो सके। जारी दिशा निर्देशों में कहा गया है कि जल स्त्रोत को बचाने के दृष्टिगत आवश्यक है कि वर्षा जल संचयन रिचार्जिंग तकनीकी से भूगर्भ जल स्तर को ठीक रखा जाए। मनरेगा योजनान्तर्गत पारम्परिक जल स्त्रोतों के जल संरक्षण हेतु चेकडैम, रिचार्ज पिट, डगवेल कुँआ तालाबों के निर्माण एवं जीर्णोद्धार के कार्य, ट्रेन्च, रिचार्ज पिट के कार्य अनुमन्यता की श्रेणी में सम्मिलित है।निर्देश दिए गए हैं कि अमृत सरोवर का कैचमेन्ट इम्प्रूवमेन्ट सुनिश्चित किया जाये, जिससे पर्याप्त मात्रा में वर्षा जल अमृत सरोवर में पहुंच सके। गांव का गंदा पानी अमृत सरोवर में न जाए ,इसके लिए फिल्टरिंग चौम्बर का प्राविधान सुनिश्चित किया जाए।तालाब के चारो तरफ बंधो के निर्माण में सतहवार (स्ंलमतूपेम) ब्वउचंबजपवद सुनिश्चित किया जाए, जिससे बंधों का कटान न हो। जिन तालाबो में सिल्ट आदि जमा हो गई है ,उसके पुनरूद्धार हेतु योजना के अन्तर्गत प्राविधानो के अनुरुप कार्यावाही की जाये, जिससे वर्षा ऋतु में जल का संचयन अधिकाधिक मात्रा में हो सके।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुभारंभ

लखनऊ (आरएनएस) प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ महिला कल्याण बाल विकास एवं पुष्टाहार मंत्री, बेबी रानी मौर्य एवं महिला एवं बाल विकास एवं पुष्टाहार राज्य प्रतिभा शुक्ला की उपस्थिति में योजना भवन सभागार लखनऊ में प्रारम्भ किया गया।प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का मुख्य उद्देश्य गर्भवती महिलाओं एवं धात्री महिलाओं के स्वास्थ्य सम्बन्धी व्यवहार में सुधार लाना एवं उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान करें ताकि गर्भवती महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान व बच्चे के प्रसव के पश्चात पर्याप्त स्वास्थ्य लाभ मिल सके। योजना अंतर्गत लाभार्थी को पहले जीवित बच्चे (बालक या बालिका) के जन्म पर रूपये 5000 दो किस्तों में (प्रथम किस्त रूपये 3000, द्वितीय किस्त रूपये 2000) तथा दूसरे जीवित बच्चे (केवल बालिका) के जन्म पर रूपये 6000 एक किस्त में प्रदान किया जायेगा। योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए पात्र महिलाओं का पंजीकरण आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की सहायता से चउउअलण्बकण्हवअण्पद पोर्टल पर किया जायेगा। आवेदन प्रक्रिया केवल च्डडटल् पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन की जायेगी। च्डडटल् के तहत लाभ प्राप्त करने हेतु लाभार्थी का बैंकध्डाकघर खाता आधार से जुड़ा होना अनिवार्य है। योजना के लाभार्थियों को लाभ की किस्त डीबीटी के माध्यम से ऑनलाइन हस्तांतरित की जायेगी। आज आयोजित प्रशिक्षण में प्रदेश के समस्त जिला कार्यकम अधिकारी, यूनिसेफ तथा यू.पी.टी.एस.यू. के प्रतिनिधियों द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त किया गया। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली एवं एन.आई.सी. भारत सरकार से आये कटेंट राइटरध्साइंटिफिक इंजीनियर द्वारा उपस्थित सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम निपसिड के सहयोग से कराया गया तथा अभी 20, 24, 25 एवं 26 जून 2024 को प्रदेश के समस्त बाल विकास परियोजना अधिकारियों का प्रशिक्षण कराया जायेगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में निदेशक, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार उत्तर प्रदेश, अपर निदेशक, वित्त एवं विभाग के समस्त उपनिदेशक आदि उपस्थित हुये।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, गुरूवार 20 जून 2024
sheelshukla100@gmail.com

अन्तर्राष्ट्रीय गणित प्रतियोगिता में 100 परसेन्टाइल के साथ सी. एम.एस. छात्र ने अर्जित की विश्व में प्रथम रैंक

लखनऊ, 19 जून। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, अलीगंज द्वितीय कैम्पस के कक्षा–4 के मेधावी छात्र रूद्रेश पटेल ने अन्तर्राष्ट्रीय गणित प्रतियोगिता में 100 परसेन्टाइल के साथ विश्व में प्रथम रैंक अर्जित कर लखनऊ का गौरव बढ़ाया है। यह अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता इण्टरनेशनल बेन्चमार्क टेस्ट (आई.बी.टी.) के अन्तर्गत आयोजित हुई। आस्ट्रेलियन काउन्सिल फॉर एजुकेशनल रिसर्च (ए.सी.ई.आर.) के तत्वावधान में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर इण्टरनेशनल बेन्चमार्क टेस्ट आयोजित किया गया, जिसमें कई देशों के छात्रों ने प्रतिभाग किया। इसके अलावा, देश भर के अनेक प्रतिष्ठित विद्यालयों के छात्रों ने प्रतिभाग कर अपने ज्ञान–विज्ञान व प्रतिभा का भरपूर प्रदर्शन किया। इस विश्व स्तरीय प्रतियोगिता में सी.एम.एस. अलीगंज द्वितीय कैम्पस के छात्र रूद्रेश पटेल ने पूरे 100 प्रतिशत अंक अर्जित कर अपने मेधात्व का परचम लहराया है। सी.एम.एस. प्रबन्धक प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने इस मेधावी छात्र के उज्जवल भविष्य की कामना की है।आस्ट्रेलियन काउन्सिल फॉर एजुकेशनल रिसर्च (ए.सी.ई.आर.) अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर छात्रों की प्रतिभा का आकलन करता है एवं आई.बी.टी. टेस्ट किसी भी देश के पाठ्यक्रम के बजाय मूलतः छात्रों की प्रतिभा व कौशल पर आधारित होते हैं। सी.एम.एस. का लगातार यही प्रयास है कि विभिन्न रचनात्मक प्रतियोगिताओं के माध्यम से छात्रों की बहुमुखी प्रतिभा को निखारा एवं प्रोत्साहित किया जाए।

पति ने पत्नी पर बांके से किया हमला, इलाज के दौरान मौत

सोहावल–अयोध्या(आरएनएस)। रौनाही थाना क्षेत्र के एक गांव में पति ने पत्नी पर सोते समय बर्बरता पूर्वक धारदार हथियार से हमला कर घायल कर देने का मामला सामने आया है। गंभीर रूप से घायल का सीएचसी के बाद से जिला चिकित्सालय रेफर किया गया जहां पर डाक्टरों ने मौत हो जाने की पुष्टि कर दी। घटना की सूचना पर पुलिस महकमें में हड़कंप मच गया मौके पर क्षेत्राधिकारी रूदौली आशीष निगम,थाना प्रभारी रौनाही पंकज सिंह, चौकी प्रभारी शेषनाथ सिंह व फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। मंगलवार रात लगभग बारह बजे पिरखौली ग्राम पंचायत के मजरे हजरत पुरवा निवासी ज्ञानचंद यादव पुत्र छेदीलाल यादव,पत्नी मालती 38 वर्ष एक बेटी कोमल व दो बेटे आदित्य,,अभय,के साथ घर पर सोया हुआ था। इसी बीच ज्ञानचंद यादव उठा और घर में रखे बाके से पत्नी पर हमलावर हो गया जिससे सिर हाथ में गंभीर चोटे आई और दो उंगली भी कट गयी। बचाओ बचाओ की आवाज सुन लड़की कोमल यादव बीच बचाव करने पहुंची तो हमलावर उस पर भी हमला कर दिया। परिवारजनों ने पुलिस को सूचना दिए बगैर घायल को सीएचसी के बाद जिला चिकित्सालय ले गये।वहां पर मालती यादव को डाक्टरों ने मौत हो जाने की पुष्टि की। थाना प्रभारी रौनाही पंकज सिंह ने बताया हमलावार पकड़ा गया है। प्रथम दृश्या आरोपी मानसिक रूप ठीक ना होने की बात सामने आ रही है। क्षेत्राधिकारी रुदौली आशीष निगम ने बताया कि आरोपी पर धारा 302, 323 आई पी सी की धारा में मुकदमा पंजीकृत कर जांच की जा रही है कि घटना के पीछे वजह क्या रही है?

पखवाड़ा भर चली अधिवक्ताओं की हड़ताल स्थगित

सोहावल–अयोध्या।(आरएनएस) पखवाड़े भर से चल रही अधिवक्ताओ की हड़ताल बुधवार को स्थगित हो गई। यह निर्णय हुई अधिवक्ता संघ की बैठक में लिया गया इसके साथ ही तहसील में चली आ रही बार और बेंच के बीच का टकराव समाप्त माना जा रहा है। बताते चले संघ के एक अधिवक्ता साथी के भूमि विवाद मामले सहित तहसील स्तरीय न्यायालयों में कार्य करने वाले कुछ निजी कर्मचारियों को लेकर विरोध जताते हुए अधिवक्ता संघ ने बीते दिनों कार्य से विरत रहने का निर्णय लिया था। इस पर उप–जिलाधिकारी ने हस्तक्षेप करते हुए सकारात्मक रुख अपनाया और कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी है। संघ अध्यक्ष पंडित लषणधर त्रिपाठी ने बताया कि संघ की हुई बैठक के बाद चल रहा विरत रहने का प्रस्ताव स्थगित कर दिया गया है। गुरुवार से अधिवक्ता न्यायिक कार्य में हिस्सा लेंगे।

गैस रिसाव से जमीदोज हुआ कोल्ड स्टोर

-आलू किसानों में मची हाय तोबा

सोहावल– अयोध्या।(आरएनएस) रौनाही थाना क्षेत्र में एन एच –27 के किनारे स्थित नूर कोल्ड स्टोर मंगलवार की रात हुए गैस रिसाव से विस्फोट के चलते भर भरा कर गिर गया। 6 तल वाले स्टोर में जमा हजारों किसानों का करीब 50 हजार बोरा आलू स्टोर से जमीन पर आ गया। कुछ बोरे फट कर इधर उधर दूर तक जा गिरे। स्टोर की आधी बिल्डिंग क्षतिग्रस्त हो गयी।अब किसानों की खराब हुई आलू की भरपाई को लेकर सवाल खड़े किए जा रहे है। जगनपुर गांव के करीब कुछ वर्ष पहले ही स्थापित हुआ था। इस वर्ष आलू कम आने के कारण लगभग 60 प्रतिशत ही स्टोर भरा था। जिससे संचालकों को कोई चिंता नहीं थी। लेकिन जरा सी चूक के कारण पूरे शीतगृह को जमीदोज कर दिया। बताते हैं कि रात में स्टोर में लिफ्ट निर्माण का काम चल रहा था। दर्जन भर मजदूर काम कर रहे थे। इसी दौरान अमोनिया गैस की एक पाइप लाइन कट गई और रिसाव तेज हो जाने से इतना बड़ा विस्फोट हुआ की नीचे से ऊपर तक पश्चिमी दीवाल फट गई

-विश्व की 101 महिला संतों पर पुस्तकें लिख कर विश्व रिकॉर्ड देश के नाम दर्ज कराया

अयोध्या।(आरएनएस) अपनी नायाब लेखनी के दम पर डा राम मनोहर लोहिया अवध विश्व विद्यालय अयोध्या के निकट श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड के निवासी 17 वर्षीय मृगेन्द्र राज पांडे द्वारा विगत वर्षों से लगातार विश्व रिकॉर्ड बनाया जा रहा है । इस बार इस असाधारण बाल लेखक ने ऐसा लेखन किया है जो बड़े–बड़े प्रख्यात लेखकों के लिए भी कठिन होता है । विश्व की एक सौ एक महिला संतों पर एक सौ एक पुस्तकें लिख कर मृगेन्द्र ने दसवां विश्व रिकॉर्ड देश के नाम दर्ज कराया है।मृगेंद्र की यह उपलब्धि मात्र अयोध्या ही नहीं सम्पूर्ण देश के लिए गौरव का विषय है ।अनेक शीर्षस्थ संत जन, उद्योग पति, राजनेता, नौकरशाह ,अभिनेता के साथ विविध लेखक,कवि, शायर, विश्व विद्यालय के कुलपति आदि ने मृगेंद्र की अद्भुत सफलता पर बधाई दी है।

सड़क दुर्घटना में हेड कांस्टेबल की मौत

पुलिस की सक्रियता से लंभुआ थाने में पकड़ी गई ट्रक

सुल्तानपुर(आरएनएस)। जरूरी सामान लेने निकले पुलिस ट्रेनिग सेंटर के ट्रेनर हेड कांस्टेबल को अनियंत्रित ट्रक रौंद कर फरार हो गई। दुर्घटना में हवलदार की मौके पर मौत हो गई। सूचना पर सक्रिय हुई लंभुआ पुलिस दुर्घटना कर भाग रही ट्रक को हिरासत में लेने में कामयाब हो गई। बुधवार को नगर कोतवाली क्षेत्र में लखनऊ वाराणसी राजमार्ग पर पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में तैनात हेड कांस्टेबल सुजीत कुमार झा (51) पुत्र नरेंद्र कुमार झा निवासी भटौली पोस्ट चकिया थाना बबूरी जनपद चंदौली को दादूपुर में रामबली पाल के घर के सामने सड़क पार करते समय लखनऊ की तरफ से आ रही अनियंत्रित ट्रक रौंद कर फरार हो गई। दुर्घटना की सूचना राहगीरों ने स्थानीय पुलिस को दी। पुलिस कन्ट्रोल रूम से सूचना प्रसारित होने के बाद सक्रिय हुई लंभुआ पुलिस ने ट्रक को हिरासत में ले लिया। प्रभारी निरीक्षक लंभुआ अखंडदेव मिश्रा ने ट्रक हिरासत में लिए जाने की पुष्टि की। इधर दुर्घटना स्थल पर पहुंचे अमहट चौकी इंचार्ज जगदीश सिंह ने शव का पंचनामा करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एसपी पुलिस प्रशिक्षण केंद्र बृजेश मिश्रा ने बताया कि मृतक हेड कांस्टेबल 2007 में पुलिस सेवा में शामिल हुआ था। मृतक की पत्नी व एक पुत्र है। उन्होंने गहरा दुःख प्रकट करते हुए मृतक के परिवार को हर सम्भव मदद का आश्वासन दिया है।

बेहतर स्वास्थ्य के लिए निजी जीवन में योगा बहुत उपयोगी है–सीएमओ

सुल्तानपुर(आरएनएस)। मन, मस्तिष्क और स्वस्थ शरीर के लिए योगा के महत्व पर मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में मानसिक रोग विशेषज्ञ डां.रामानुज वर्मा, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डां.राधावल्लभ, स्वशासी राजकीय मेडिकल कॉलेजजिला चिकित्सालय के मुख्य चिकित्साधिक्षक डां.एसके गोयल, डीपीएम संतोष कुमार व स्वास्थ्य विभाग के तमाम अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे। गोष्ठी का विषय था हमारे जीवन में योगा का महत्व"गोष्ठी की अध्यक्षता मुख्य चिकित्साधिकारी डां.ओम प्रकाश चौधरी ने करते हुए कहाकि पर्यावरण के बदलते स्वरूप और हमारा खान–पान हमारे शरीर में विकार उत्पन्न कर रहे है, इससे बचने के लिए हमे जीवन में नियमित योगा करना चाहिए, जिससे हम शारिरिक रूप से फिट के साथ ही निरोगी भी रहे। वही मानसिक रोग विशेषज्ञ डां.रामानुज ने बताया कि नियमित योग से शारिरिक ही नही बल्कि मानसिक रूप से भी मनुष्य चुस्त–दुरुस्त और तंदुरुस्त रहता है, इसलिए हमें नियमित योग की आदत डालने चाहिए। स्वशासी राजकीय महाविद्यालयद जिला चिकित्सालय के मुख्य चिकित्साधिक्षक डां. एसके गोयल ने गोष्ठी में आए हुए अधिकारी व कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहाकि नियमित योगा करने वाला व्यक्ति लंबी उम्र तक निरोगी रहता है,अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डां. राधावल्लभ ने गोष्ठी में बोलते हुए बताया कि चुस्त–दुरुस्त शरीर व मस्तिष्क के लिए योग एक औषधि से कम नही है। बताते चले कि 21जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को लेकर मुख्य चिकित्साधिकारी डां. ओम प्रकाश चौधरी लगाकर गोष्ठी का आयोजन कर रहे है, जनपद वासियों को योग से जुड़ने के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कर रहे है।

कांग्रेसियों ने मनाया राहुल गांधी का 54 वा जन्मदिन

सुल्तानपुर(आरएनएस)। कांग्रेस नेता एवं रायबरेली सांसद राहुल गांधी का 54 वा जन्मदिन कांग्रेसियों ने बुधवार को धूमधाम से मनाया। जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में शहर अध्यक्ष शकील अंसारी के नेतृत्व में केक काटकर एक दूसरे को खिलाकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के दीर्घायु होने की कामना की गयी तो वही कार्यालय के प्रांगण में ही नीम का पौधा रोपित कर उनकी लंबी उम्र की कामना की गई। शहर अध्यक्ष शकील अंसारी ने बताया कि हमारे जननेता राहुल गांधी का जन्मदिन जनपद सुल्तानपुर में ही नहीं देश भर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है। कांग्रेस नेता एवं रायबरेली सांसद राहुल गांधी का जन्मदिन आज हम लोगों ने कार्यालय पर केक काटकर और एक दूसरे को मिष्ठान वितरण कर उनके दीर्घायु होने की कामना की।

कांग्रेसियों ने केक काटकर मनाया राहुल गांधी का जन्मदिन

-राहगीरों को वितरित किया लड्डू और जल

अयोध्या।(आरएनएस)कांग्रेस पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के जन्मदिन को कांग्रेसियों ने उत्साह और उल्लास के साथ मनाया।इस अवसर पर कांग्रेस कार्यालय कमला नेहरू भवन पर केक काटा गया तथा राहगीरों को लड्डू और जल वितरण किया गया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा नफरत, हिंसा और अहंकार की राजनीति के खिलाफ पूरे देश में विपक्ष की आवाज बनकर उभरे राहुल गांधी। उनके नेतृत्व में कांग्रेस दिन प्रतिदिन मजबूत होती जा रही है ।उन्होंने पार्टी में युवा और नए चेहरों को तवज्जो देने का प्रयास किया।महानगर अध्यक्ष वेद सिंह कमल ने कहा राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा ने इस देश को मोदी की तानाशाही के खिलाफ आवाज उठाने का साहस प्रदान किया।उन्होने देश को अपने कदमों से नाप कर न्याय,एकता और मोहब्बत का संदेश देने का प्रयास किया। पूर्व जिला अध्यक्ष राजेंद्र प्रताप सिंह ने राहुल गांधी को जन्मदिन की बधाई देते हुए कहा कि संवैधानिक मूल्यों के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता और विपरीत परिस्थितियों में उनका अदम्य साहस सराहनीय है. । जिला प्रवक्ता सुनील कृष्ण गौतम ने राहुल गांधी को दृढ़ इच्छा शक्ति वाला साहसिक व्यक्ति बताते हुए कहा कि राहुल गांधी दया और सद्भाव का संदेश फैलाते हुए राजनीतिक सत्ता के लिए सच बोलना जारी रखें और लाखों भारतीयों की आवाज बनें। उनकी राजनीति सामाजिक समानता पर आधारित है। राहुल गांधी का सचमुच मानना है कि राजनीति का मतलब सत्ता का लाभ उठाना नहीं बल्कि लोगों की सेवा करना और उनकी स्थिति में सुधार करना है। महिला जिला अध्यक्ष रेनू राय ने कहा राहुल गांधी इस अंधेरे समय में एक प्रकाशस्तंभ हैं, जो एक विकसित, सुरक्षित और शांतिप्रिय भारत का सपना देखते हैं. उनके निस्वार्थ संघर्ष, समावेशिता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता, उनके प्रगतिशील विचार और गरीबों और दलितों के लिए उनके समर्पण को सलाम है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से पीसीसी सदस्य अग्रसेन मिश्रा, शिवपूजन पांडे , बृजेश

अयोध्या का विकास होगी प्राथमिकता – अवधेश प्रसाद

-सपा महानगर कमेटी ने नवनिर्वाचित सांसद का किया भव्य स्वागत

अयोध्या।(आरएनएस) समाजवादी पार्टी महानगर कमेटी द्वारा नवनिर्वाचित सांसद अवधेश प्रसाद का पार्टी कार्यालय लोहिया भवन गुलाबबाड़ी पर भव्य स्वागत हुआ,कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीचंद यादव व संचालन महानगर महासचिव हामिद जाफर मीसम ने किया,इस अवसर पर नवनिर्वाचित सांसद अवधेश प्रसाद में कहां की यह जीत आम जनता की जीत समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं की जीत पार्टी नेतृत्व के फैसले की जीत है श्री प्रसाद कहां की समाजवादी पार्टी का कार्यकर्ता बहुत ही मजबूती के साथ लोकसभा चुनाव जीतने का काम किया उनके मान सम्मान के लिए मैं सदैव उनके साथ खड़ा रहूंगा श्री प्रसाद ने कहा कि मेरी प्राथमिकता होगी अयोध्या का विकास है पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन ने कहा कि समाजवादी पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की कार्यकाल में जो विकास का कार्य हुआ है जनता ने उस विकास कार्य को आज भी सराहना कर रही है उन्होंने कहा की हमेशा समाजवादी पार्टी आम जनता के दुख दर्द में उनके साथ खड़ी रहेगी सपा जिला अध्यक्ष पारसनाथ यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी कि जब भी प्रदेश में सरकार बनी पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सर्व समाज को साथ लेकर काम किया है , कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महानगर उपाध्यक्ष श्रीचंद यादव ने नवनिर्वाचित संसद का स्वागत करते हुए कहा कि यह जीत आम जनता की जीत उन्होंने आए हुए सभी नेताओं कार्यकर्ताओं का धन्यवाद आभार भी व्यक्त किया कार्यक्रम का संचालन महानगर महासचिव हामीद जाफर मीसम ने किया कि फैजाबाद लोकसभा चुनाव समाजवादी पार्टी के जितने से यह साबित कर दिया है की अयोध्या फैजाबाद अमन चौन की धरती है,इस मौके पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे, जिला अध्यक्ष पारसनाथ यादव,महानगर महासचिव हामिद जाफर मीसम,पर प्रदेश सचिव राम अचल यादव, हाजी असद, जिला प्रवक्ता बलराम यादव,बलराम मौर्या, महानगर उपाध्यक्ष रियाज अहमद, जिला उपाध्यक्ष अकीब खान, जय प्रकाश यादव,महानगर सचिव जगन्नाथ यादव, वीरेंद्र गौतम,, तौसीफ खान सरकार, अजय यादव, शक्ति जयसवाल, विजय यादव, प्रदीप निशात,अक्षत श्रीवास्तव, अहमद जमीर सैफी, राहुल यादव पिंटू, रोहित यादव भल्लू, पार्षद विशाल पाल टिंकू, वकार अहमद, कृष्ण गोपाल यादव, लुल्लूर यादव, जगत नारायण यादव, महेंद्र शुक्ला, मुकेश कोरी, रामभवन यादव, औरंजेब खान, कमलेश सोलंकी, राम अजोर यादव, रिजवान हसनैन, मो जैगम,महंत अनिल मिश्रा, जिला अध्यक्ष अधिवक्ता शावेज जाफरी, सूर्यभान यादव,शाहबाज लकी मौजूद रहे।

धूमधाम से आयोजित हुआ स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा स्थापना भूमि पूजन कार्यक्रम

सुल्तानपुर(आरएनएस)। बुधवार को सुबह भारत विकास परिषद शाखा सुल्तानपुर के तत्वावधान में स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा की स्थापना के लिए धूमधाम से भूमि पूजन कार्यक्रम का आयोजन हुआ। भूमि पूजन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि आरएसएस के विभाग संचालक डॉ ए.के.सिंह शामिल हुए। पुरोहितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच भूमि पूजन कार्यक्रम सम्पन्न कराया गया। दरअसल जिले की सामाजिक संस्था भारत विकास परिषद द्वारा पिछले पाँच वर्षों से लगातार शहर के तिकोनिया पार्क में स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा की स्थापना के लिए प्रयास किया जा रहा था जिस पर नगरपालिका अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल द्वारा तिकोनिया पार्क में स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा की स्थापना के लिए स्थान आबंटन के बाबत स्वीकृति प्रदान किये जाने के बाद आज बुधवार को भारत विकास परिषद द्वारा धूमधाम से भूमि पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि आरएसएस के विभाग संचालक डॉ ए.के.सिंह, विशिष्ठ अतिथि के रूप में आरएसएस के डॉ रमाशंकर मिश्र, पालिकाध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल, डॉ. रमेश ओझा, डॉ सत्येन्द्र गुप्ता, डॉ रजनीश मेहरोत्रा, दिलीप बरनवाल, अरुण सिंह पूर्व अध्यक्ष, अरुण आर्या कोषाध्यक्ष, लता लोहिया (महिला अध्यक्षा), रेनू शर्मा, आलोक आर्या जिलाउपाध्यक्ष भाजपा, भूपेन्द्र सिंह, डॉ सुनील गुप्ता, डॉ काजल गुप्ता, डॉ बिहारी सिंह, पंकज,अनिल अग्रवाल, विनोद लोहिया, अजय गुप्ता एडवोकेट, डा. महेन्द्र, शरद खरे, आलोक कानोडिया, प्रवीन डिरोलिया, अरुण श्रीवास्तव, रमेश सिंह टिन्नू सभासद, सरदार अमृतपाल सिंह, शील भद्र सिंह पटेल, विजय पाण्डेय, धर्मेन्द्र द्विवेदी भाजपा, डॉ ए.एन.सिंह,राधेश्याम,नरेशचन्द्र उपाध्याय,जिला पंचचाय सदस्य, रवि श्रीवास्तव, विद्याभूषण पाण्डेय एडवोकेट वरिष्ठ उपाध्यक्ष बार एसोसिएशन, आलोक कनोडिया, राम सिंह, शशी कुमार सिंह सहित जिले के गणमान्यजनों की मौजूदगी में बकायदा विधि विधान से पूजन अर्चन हुआ एवं वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच यज्ञ में आहुति के साथ भूमि पूजन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि डॉ ए.के.सिंह ने मीडिया से बातचीत में कहा कि स्वामी विवेकानंद जी राष्ट्र चेतना के प्राण हैं ऐसे महापुरुषों की प्रतिमा स्थापना एवं उनके विचारों को जानना समाज के लिए अति आवश्यक है। विशिष्ठ अतिथि के रूप में भूमि पूजन कार्यक्रम में शामिल हुए पालिकाध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल ने कहा कि आज मैं अपने आपको बड़ा ही गौरान्वित महसूस कर रहा हूँ कि स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा की जल्द स्थापना होगी।

सरकार अयोध्या के विकास की गति को करेगी और तेज– गिरीशपति त्रिपाठी

-अयोध्या के लोग साधु संत व्यापारी आने वाले श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए तैयार

अयोध्या।(आरएनएस) सर्किट हाउस में बुधवार को आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान सोशल मीडिया पर अयोध्या को लेकर फैलायी जा रही अफवाह पर महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने कहा कि अयोध्या नगर निगम के क्षेत्र के 275 बूथ में भाजपा के प्रत्याशी को लगभग 72 हजार मत व सपा के प्रत्याशी को 52 हजार मत प्राप्त हुए है। जिससे अयोध्या के जनमानस में भाजपा के प्रति जबरदस्त उत्साह व सोशल मीडिया पर फैलायी जा रही अफवाह गलत स्पष्ट होती है। अयोध्या लोग साधु संत व्यापारी आने वाले श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए तैयार है। किसी भी अफवाह पर ध्यान ना दे अयोध्या आए, उनका स्वागत अयोध्या के लोग पूरे श्रद्धा के साथ करेंगे और हमारी सरकार अयोध्या के विकास की गति को और तेज करेगी। मैं सभी का आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा कि केंद्र की एनडीए एवं उत्तर प्रदेश सरकार अयोध्या को वैश्विक पटल पर स्थापित करने के लिए विकास कार्यों के लिए कृत संकल्पित है। मैं अयोध्या के महापौर के दायित्व के नाते यह समस्त नागरिकों एवं अयोध्यावासियों को आश्वस्त करता हूं कि जन भावनाओं की अपेक्षा अनुसार अयोध्या के विकास कार्य को निरंतर गतिमान रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री अयोध्या के विकास के लिए कृत संकल्पित है, शासन प्रशासन एवं नगर निगम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि आम जनमानस के भावनाओं का ध्यान रखते हुए जनसमस्याओं का चरणबद्ध एवं न्यूनतम समय अंतराल में निराकरण करते हुए शीघ्रातिशीघ्र विकास केन्द्रित समस्त योजनाओं को पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में हमें अपेक्षित परिणाम नहीं मिला। हो सकता है कि हम ग्रामीण क्षेत्रों में अयोध्या की भावना को न पहुंचा पाये हो। हम अपनी कमियों व गल्तियों का आत्मचिंतन सकारात्मक तरीके से करके आगे बढ़ेंगे। अयोध्या में जिस तरह से लगभग 30 हजार करोड़ का एतिहासिक निवेश हुआ है। यह इस बात का उदाहरण है कि अयोध्या को लेकर हमारा नेतृत्व कितना गम्भीर है। एक नगरी में निवेश का इतना बड़ा उदाहरण शायद ही दूसरा हो। अयोध्या में रोजगार के साधन बढ़े है। यहां के व्यापारियों की आमदनी कई गुना बढ़ गयी है। उन्होंने कहा कि अयोध्या केवल विकास व सड़को के लिए नहीं जानी जाती है। सनातन धर्म में अयोध्या की आध्यात्मिक व सांस्कृतिक भूमिका रही है। अयोध्या हमारे आराध्य की जन्मस्थली है। ऐसे आराध्य जिन्होंने अपनी जीवन शैली व मर्यादा से पूरे विश्व को संदेश दिया। अयोध्या को हम केवल चुनाव परिणाम व राजनैतिक दृष्टि से नहीं देख सकते। अयोध्या की भूमिका केवल उत्तर प्रदेश व देश तक नहीं सीमित है। अयोध्या ने विश्व की संस्कृति को रास्ता दिखाने का कार्य किया है। हम फिर से अयोध्या का संदेश वैश्विक स्तर पर देने के लिए प्रस्तुत है।उन्होंने कहा कि अयोध्या आने वाले तीर्थयात्रियों के मन में यहां की कोई नकारात्मक छवि नहीं होनी चाहिए। प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं का जिस प्रकार से स्वागत हुआ, इस स्वागत के बारें मुख्यमंत्री स्वयं अपने सम्बोधन में कह चुके है। उन्होंने कहा कि नगर निगम अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओ व पयर्टको के लिए उच्च श्रेणी की सुविधाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए लगातार जनअपेक्षाओं को पूरा करने के लिए कार्य किया गया है। श्रद्धालुओं को प्राथमिकता के आधार पर बुनियादी सुविधाएं प्रदान की गई है। इसको लेकर सभी स्टैण्डर्ड व मापदंड को पूरा किया गया है।

-विश्व योग दिवस के उपलक्ष्य में "योगासन, ध्यान एवं योगिक क्रियाओं" पर एक दिवसीय योग कार्यशाला का आयोजन

कुमारगंज–अयोध्या(आरएनएस)। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में विश्व योग दिवस के उपलक्ष्य में "योगासन, ध्यान एवं योगिक क्रियाओं" पर एक दिवसीय योग की कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने किया। कुलपति ने कहा कि आज देश ही नहीं पूरी दुनिया हमारे योग पद्धति को अपना रही है। योग करने से हमारा तन एवं मन दोनों स्वस्थ रहता है। उन्होंने कहा कि योग के निरंतर प्रयास से कई शारीरिक बीमारियों से बचा जा सकता है। राजस्थान से पहुंची प्रशिक्षक डॉ. रीतू मेहता तथा अयोध्या के डॉ. अनुराग सोनी ने प्राणायाम के ऊपर व्याख्यान एवं प्रशिक्षण दिया। विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षकों, वैज्ञानिकों एवं छात्र–छात्राओं को योगासन, ध्यान, प्राणायाम एवं योग क्रियाओं का अभ्यास कराया गया। डा. रीतू ने बताया कि योग ऐसी विद्या है जिससे मनुष्य अपने जीवन को निरोगी काया के रूप में बचाए रख सकता है। उन्होंने ग्रामीणों से आग्रह किया कि वे अपने जीवन का कुछ समय योग के लिए अवश्य निकालें। इस दौरान योग करके विभिन्न बीमारियों से बचने के तौर–तरीकों के बारे में भी जानकारी दी गई। इस कार्यशाला में लगभग 200 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। डॉ. दिवाकर सिंह डॉ. भानु प्रताप, डॉ. देवनारायण, डॉ. ज्योति सरोज ने भी अलग–अलग विषयों पर व्याख्यान एवं अभ्यास कराया। छात्र कल्याण अधिष्ठाता डा. डी.के दिवेदी के संयोजन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजक सचिव डा. दिवाकर सिंह ने कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान दिया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के समस्त अधिष्ठाता, निदेशक, शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र–छात्राएं मौजूद रहे।

- अयोध्यावासियों को वैश्विक स्तर की सुविधाएं देने के लिए नगर निगम प्रतिब) गिरीश पति त्रिपाठी

अयोध्या(आरएनएस)। श्रद्धालुओं तथा आम जनमानस को शीतल पेयजल उपलब्ध कराने को लेकर नगर निगम द्वारा हनुमान गढ़ी तिराहे पर लगाए गए पानी के बूथों का महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने निरीक्षण किया। उन्होनें उपलब्ध पेयजल की गुणवत्ता परखी। महापौर ने नगर निगम के अधिकारियों को पानी के बूथों के अगल–बगल साफ–सफाई नियमित रूप से करवाए जाने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने कहा इस समय भीषण गर्मी पड़ रही है। जिसके कारण ठंडा जल सभी की मूलभूत आवश्यकता है। नगर निगम क्षेत्र में आम जनमानस व श्रद्धालुओं को शुद्ध एवं स्वच्छ पेय जल उपलब्ध कराने के लिए हम कटिबद्ध है। अयोध्या धाम क्षेत्र में पेयजल के लिए 90 वाटर कूलर तथा वाटर क्यूआस नगर निगम द्वारा लगाए गए हैं।

संपादकीय

ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) से छेड़छाड़ के दावे और सवाल रविवार को एक बार फिर से उठ खड़े हुए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मीडिया में मुंबई की एक खबर–जिसमें आरोप लगाया गया है कि मुंबई उत्तर पश्चिम लोक सभा सीट से शिवसेना उम्मीदवार के एक रिश्तेदार ने चार जून को मतगणना के दौरान एक मोबाइल फोन का इस्तेमाल किया था जो ईवीएम से जुड़ा हुआ था–का हवाला देते हुए ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाया। हालांकि चुनाव आयोग ने मोबाइल से लिंक के दावे को खारिज कर दिया है, और फिर से स्पष्ट किया है कि ईवीएम स्वतंत्र प्रणाली है, और इसमें सुरक्षा के मजबूत उपाय हैं।राहूल गांधी ने सोशल मीडिया मंच श्एक्स्च के चेयरमैन एवं टेस्ला के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क के एक पोस्ट का हवाला भी दिया जिसमें मस्क ने दावा किया है कि ईवीएम में छेड़छाड़ का खतरा बहुत अधिक है। उनका कहना है कि ईवीएम को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए हैक किया जा सकता है, इसलिए इसे हटाया जाना चाहिए। इसके बाद राहुल गांधी ने कहा कि ईवीएम एक श्ब्लैक बॉक्स्च है, और किसी को भी उसकी जांच की अनुमति नहीं है।इसी प्रकार उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए आगामी सभी चुनाव मतपत्रों के जरिए कराने की मांग की है। बहरहाल, इस प्रकार ईवीएम पर सवाल उठाया जाना कोई नई बात नहीं है। काफी समय तक ईवीएम को लेकर पक्ष–प्रतिपक्ष के बीच तकरार रही। मामला अदालत में भी पहुंचा। अदालत ने स्पष्ट फैसला देकर इस विवाद का अंत कर दिया था।लेकिन नये घटनाक्रम के बाद प्रतिपक्ष ईवीएम को फिर से संदेह के घेरे में लाने को प्रेरित हुआ है। उसे चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर गंभीर चिंता जतलाने, बल्कि कहें कि चुनाव में धांधली की आशंका जताने का मौका भी मिल गया है। प्रतिपक्ष चुनाव से जुड़ी संस्थाओं की जवाबदेही पर सवाल उठा रहा है, और जवाबदेही के अभाव में लोकतंत्र के दिखावा भर रह जाने की बात कह रहा है। ईवीएम को लेकर एक बार फिर से सियासी घमासान छिड़ना दुर्भाग्यपूर्ण है। जब ईवीएम को लेकर शक–संदेहों का चुनाव आयोग अपने स्तर पर निराकरण कर चुका है, अदालत ने भी व्यवस्था दे दी है, और सबसे बड़ी बात कि विपक्ष ईवीएम के जरिए चुनावी जीत को सहज लेता है, तो भी शक–संदेह जताना उसकी अपरिपक्वता दिखाता है।

तगड़ा घोटाला हुआ

जब भी कभी हम किसी प्रतियोगी परीक्षा के पेपर लीक होने की खबर सुनते हैं, तो सबके मन में व्यवस्था को लेकर काफी सवाल उठते हैं। इससे पूरी व्यवस्था में फैले हुए भारी भ्रष्टाचार का प्रमाण मिलता है। पिछले कुछ वर्षो में ऐसी खबरें कुछ ज्यादा ही आने लगी हैं। सोचने वाली बात है कि इससे देश के युवाओं पर क्या असर पड़ेगा? महीनों तक परीक्षा के लिए मेहनत करने वाले विद्यार्थियों के मन में इस बात का डर बना रहेगा कि रसूखदार परिवारों के बच्चे पैसे के बल पर उनकी मेहनत पर पानी फेर देंगे? मध्य प्रदेश में हुए व्यापम घोटाले के बाद अब एक बार फिर मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए श्नीट परीक्षाच्च में हुए घोटाले पर जो बवाल मचा है, उससे तो यही लगता है कि चंद भ्रष्ट लोगों ने लाखों विद्यार्थियों के भविष्य को अंधकार में धकेल दिया है।

साल 2016 में पहली बार मेडिकल एंट्रेंस के लिए श्नेशनल एंट्रेंस कम एलिजिबिलिटी टेस्ट्च यानी नीट की शुरुआत हुई। पहले तीन वर्षो में इसे सीबीएसई द्वारा संचालित किया गया परंतु साल 2019 से इन इम्तिहानों की जिम्मेदारी नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) को दी गई। जब से नीट की परीक्षा लागू हुई है, ऐसा पहली बार हुआ है कि इस परीक्षा की कटऑफ इतनी हाई गई है। यदि एनटीए की मानें तो श्नीट कटऑफ कैंडिडेट्स की ओवरऑल परफॉम्रेंस पर निर्भर करती है। कटऑफ बढ़ने का मतलब है कि परीक्षा कंपटीटिव थी और बच्चों ने बेहतर परफॉर्म कियाच्च। परंतु क्या यह बात सही है?

गौरतलब है कि इस बार की नीट परीक्षा में 67 ऐसे युवा हैं, जिन्हें 720 अंकों में से 720 अंक मिले हैं। ऐसे कई युवा भी हैं, जिन्हें 718 और 719 अंक प्राप्त हुए हैं, जो परीक्षा पद्धति के मुताबिक असंभव है। 720 के टोटल मार्क्?स वाली नीट परीक्षा में हर सवाल 4 अंक का होता है। गलत उत्तर के लिए 1 अंक कटता है। अगर किसी स्टूडेंट ने सभी सवाल सही किए तो उसे 720 में से 720 मिलेंगे। अगर एक सवाल का उत्तर नहीं दिया, तो 716 अंक मिलेंगे। अगर एक सवाल गलत हो गया, तो उसे 715 अंक मिलने चाहिए।

लेकिन 718 या 719 किसी भी सूरत में नहीं मिल सकते। जाहिर है कि तगड़ा घोटाला हुआ है। जिन विद्यार्थियों ने इस वर्ष नीट परीक्षा दी उनसे जब यह पूछा गया कि इस बार की परीक्षा कैसी थी? तो उनका जवाब था कि इस बार की परीक्षा काफी कठिन थी, कटऑफ काफी नीचे रहेगी। एनटीए द्वारा एक और स्पष्टीकरण भी दिया गया है जिसके मुताबिक इस बार टॉप करने वाले कई बच्चों को ग्रेस मार्क्?स भी दिए गए हैं। इसका कारण है कि फिजिक्स के एक प्रश्न के दो सही उत्तर हैं। ऐसा इसलिए है कि फिजिक्स की एक पुरानी किताब, जिसे 2018 में हटा दिया गया था, अभी भी पढ़ी जा रही थी। परंतु यहां सवाल उठता है कि आजकल के युग में जहां सभी युवा एक दूसरे के साथ सोशल मीडिया के किसी न किसी माध्यम से जुड़े रहते हैं, या फिर जहां कोचिंग लेते हैं, वहां पर सबसे संपर्क में रहते हैं। फिर ये कैसे संभव है कि छह साल पुरानी किताब को सही नहीं कराया गया होगा?

अगला सवाल यह भी उठता है कि एनटीए द्वारा किस आधार पर ग्रेस मार्क्?स दिए गए? जबकि मेडिकल परीक्षाओं में ग्रेस मार्क्?स देने का कोई प्रावधान नहीं है। एनटीए ने ग्रेस मार्क्?स देने के लिए सर्वोच्च न्यायालय के 2018 के एक आदेश का संज्ञान लिया है, जिसके अनुसार यदि प्रशासनिक लापरवाही के कारण परीक्षार्थी का समय खराब हो तो किन विद्यार्थियों को किन परिस्थितियों में कितने ग्रेस मार्क्?स दिय जा सकते हैं। परंतु गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट के जिस फैसले का यहां उल्लेख किया जा रहा है वह कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट (सीएलएटी) के लिए था, उसी आदेश में यह साफ–साफ लिखा है कि यह आदेश मेडिकल और इंजीनियरिंग की परीक्षाओं पर लागू नहीं होगा परंतु एनटीए ने न जाने किस आधार पर इस आदेश को संज्ञान में लिया और ग्रेस मार्क्?स दे दिए? नीट परीक्षा का यह मामला अब सुप्रीम कोर्ट के विचाराधीन है, और अदालत ने नीट परीक्षा करवाने वाली एजेंसी एनटीए और केंद्र सरकार को नोटिस जारी करके जवाब मांगा है। देखना होगा कि ये दोनों कोर्ट में क्या जवाब दाखिल करते हैं? परंतु जिस तरह इस मामले ने तूल पकड़ा है, इस पर राजनीति भी होने लग गई है, इतना ही नहीं जिस तरह एनटीए ने परीक्षा से पहले ही इसके पंजीकरण में ढील बरती है, वह सब भी सवालों के घेरे में है। टॉपर्स की लिस्ट में कम से कम 6 विद्यार्थी ऐसे हैं, जो एक ही सेंटर के हैं। इस सेंटर को इसलिए भी शक की नजर से देखा जा रहा है कि यहां विद्यार्थी देश के दूसरे कोने से परीक्षा देने आए। बिहार, गुजरात और अन्य राज्यों में नीट परीक्षा के पेपर लीक के मामले भी सामने आए हैं जिन पर जांच चल रही है।

फिर आतंकी हमले, कायम हो शांति का उजाला

भारतीय सेना व सुरक्षा बल आतंकवादियों को भरपूर जवाब दे रहे हैं। लेकिन इस माह के अंत में शुरू होने वाली अमरनाथ यात्रा का निर्बाध आयोजन सुरक्षा बलों के लिये बड़ी चुनौती होगी। जिसको लेकर विशेष चौकसी बरतने की जरूरत है। यह आशंका सच साबित हो रही है कि भाजपा को पूर्ण बहुमत न मिलने पर कश्मीर में आतंकी घटनाएं बढ़ेंगी एवं पाकिस्तान पोषित आतंकवाद फिर से फन उठाने लगेगा। जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद हुए पहले लोकसभा चुनाव में रिकॉर्ड मतदान से पाकिस्तान बौखलाया है। इसी का परिणाम है लगातार हो रहे आतंकी हमलें। इन हमलों ने आंतरिक सुरक्षा के लिये नये सिरे से चुनौती पैदा की है। जम्मू में रियासी, कठुआ और डोडा में चार दिनों में चार आतंकी हमले चिन्ता का बड़ा कारण बने है। रविवार को रियासी में श्रद्धालुओं से भरी बस के चालक पर हुए हमले के बाद बस अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई थी। जिसमें नौ श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। फिर कठुआ व डोडा में हुए आतंकी हमलों में एक जवान और दो आतंकवादी मारे गए हैं। लम्बे समय की शांति, अमन–चौन एवं खुशहाली के बाद एक बार फिर कश्मीर में अशांति एवं आतंक के बादल मंडराये हैं। धरती के स्वर्ग की आभा पर लगे ग्रहण के बादल छंटने लगे थे कि एक बार फिर कश्मीर को अशांत करने की कोशिशें तीव्र होते हुए दिख रही है। केन्द्र में गठबंधन वाली मोदी सरकार के सामने यह एक बड़ी चुनौती है। इन आतंकी घटनाओं को केन्द्र सरकार ने गंभीरता से लिया है। कुछ गिरफ्तारियां भी हुई और हथियार भी बरामद हुए हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए गुरुवार को प्रधानमंत्री ने गृहमंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल व सुरक्षा एजेंसियों के साथ बैठक की है। इसमें आतंकवाद की नई चुनौती से मुकाबले की रणनीति पर विचार हुआ है। दरअसल, नई सरकार बनने की प्रक्रिया के दौरान हुए इन हमलों में पाक की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता। लेकिन पाकिस्तान यह बड़ी भूल कर रहा है, क्योंकि मोदी सरकार की दृढ़ता एवं साहस को चुनौती देना इतना आसान नहीं है। फिर भी लगातार हुए आतंकी हमले चिंता तो बढ़ा ही रहे हैं। एलओसी से लगते जम्मू के इलाके में आतंकवादी घटनाओं का बढ़ना गंभीर हैं, चिन्ताजनक है। मारे गये दो आतंकवादियों के पास से पाकिस्तानी हथियार व सामान की बरामदगी बताती है कि पाकिस्तान सत्ता प्रतिष्ठानों की मदद से यह आतंक का खेल फिर शुरू कर रहा है। कहीं न कहीं दिल्ली में बनी गठबंधन सरकार को यह संदेश देने की कोशिश की जा रही है कि पाक पोषित आतंकवादी जम्मू–कश्मीर में शांति एवं अमन को कायम नहीं रहने देंगे।मैंने चुनाव से पूर्व अपनी एक सप्ताह की कश्मीर यात्रा में देखा कि केन्द्र सरकार ने कश्मीर में विकास कार्यों को तीव्रता से साकार

किया है, न केवल विकास की बहुआयामी योजनाएं वहां चल रही है, बल्कि पिछले 10 सालों में कश्मीर में आतंकमुक्त करने में भी बड़ी सफलता मिली है। बीते साढ़े तीन दशक के दौरान कश्मीर का लोकतंत्र कुछ तथाकथित नेताओं का बंधुआ बनकर गया था, जिन्होंने अपने राजनीतिक स्वार्थों के लिये जो कश्मीर देश के माथे का ऐसा मुकुट था, जिसे सभी प्यार करते थे, उसे डर, हिंसा, आतंक एवं दहशत का मैदान बना दिया। लेकिन वहां विकास एवं शांति स्थापना का ही परिणाम रहा कि चुनाव में लोगों ने बढ़–चढ़ कर हिस्सा लेकर लोकतंत्र में अपना विश्वास व्यक्त किया। कहा जा सकता है कि राज्य में लोकतंत्र को मजबूत होते देख बौखलाहट में ये आतंकवादी हमले किये जा रहे हैं। दरअसल, केंद्रशासित प्रदेश का शांति–सुकून की तरफ बढ़ना आतंकवादियों की हताशा को ही बढ़ाता है। हाल के दिनों में रिकॉर्ड संख्या में पर्यटकों का घाटी में आना और लोकसभा चुनाव में बंपर मतदान सीमा पार बैठे आतंकियों के आकाओं को रास नहीं आया है।जम्मू के इलाके में आतंकी घटनाओं में वृद्धि शासन–प्रशासन के लिये गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। इन हमलों में पाकिस्तान की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता। उल्लेखनीय है कि रविवार को हुए हमले की जिम्मेदारी जहां लश्कर–ए–तैयबा के आतंकी गुट टीआरएफ ने ली तो डोडा में हुए हमले की जिम्मेदारी पाक पोषित जैश–ए–मोहम्मद के एक गुट कश्मीर टाइगर्स नामक आतंकी संगठन ने ली है। बहरहाल, भारतीय सेना व सुरक्षा बल आतंकवादियों को भरपूर जवाब दे रहे हैं। लेकिन इस माह के अंत में शुरू होने वाली अमरनाथ यात्रा का निर्बाध आयोजन सुरक्षा बलों के लिये बड़ी चुनौती होगी। जिसको लेकर विशेष चौकसी बरतने की जरूरत है। वहीं दूसरी ओर हाल के आतंकी हमले केंद्र सरकार व राज्य प्रशासन को भी आत्ममंथन का मौका देते हैं।तीन दशकों से कश्मीर घाटी दोषी और निर्दोष लोगों के खून की हल्दीघाटी बनी रही है। लेकिन वर्ष 2014 के बाद से, नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से वहां शांति एवं विकास का अपूर्व वातावरण बना है। गठबंधन की केन्द्र सरकार के सामने अब बड़ा लक्ष्य है वहाँ आतंक से अमन–चौन तक लाने के चले आ रहे मिशन को सफल करने का, लोकतंत्र को सशक्त बनाने का, विकास के कार्यक्रमों को गति देने का एवं कश्मीर के लोगों पर आयी मुस्कान को कायम रखने का। बेशक यह कठिन और पेचीदा काम है लेकिन राष्ट्रीय एकता और निर्माण संबंधी कौन–सा कार्य पेचीदा और कठिन नहीं रहा है? इन कठिन एवं पेचीदा कामों को आसान करना ही तो नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार का जादू रहा है। अब गठबंधन सरकार में भी वे अपने इस जादू को दिखाये। इन आतंकी हमलों ने अनेक प्रश्न खड़े किये हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि कश्मीर की जनता क्यों राष्ट्र की मुख्यध ारा से जुड़ नहीं पा रही है? क्या कश्मीरी लोगों में नई व्यवस्था में अपने अधिकारों की सुरक्षा व संपत्ति के अधिकारों को लेकर मन में संशय की स्थिति में वृद्धि हुई है? हमें यह तथ्य स्वीकारना चाहिए कि किसी भी राज्य में आतंकवाद का उभरना स्थानीय लोगों के सहयोग के बिना संभव नहीं हो सकता।

भूख, अल्प पोषण से मृत्यु

भारत डोगरा

समकालीन दुनिया की एक बड़ी त्रासदी यह है कि पिछले कुछ दशकों में अफ्रीका महाद्वीप में लाखों लोगों की भूख, अल्प पोषण से मृत्यु हुई है। पर्यावरण और विकास पर विश्व आयोग (ब्रूंडटलैंड आयोग) ने अनुमान लगाया था कि 1984–87 के बीच अढ़ाई वर्ष में अफ्रीका में इस कारण लगभग दस लाख लोगों की मौत हुई। विश्व खाद्य एवं कृषि संगठन के अनुमान के अनुसार 1984–92 के दौरान अफ्रीका में भूख के कारण बीस से तीस लाख मौतें हुई। 1984–85 के दौरान केवल इथियोपिया में 3 लाख मौतें अकाल के कारण हुई और मोजाम्बीक में एक लाख मौतें इस कारण हुई। 2011 में सोमालिया में भूख और अकाल से 2 लाख 60 हजार लोगों की मृत्यु हुई।

कई महीनों से भीषण भूख और कुपोषण से पैदा होने वाली कमजोरी, निरंतर राहत का इंतजार, इस सबके बीच भी जगह–जगह हिंसा का तांडव और राहत की उम्मीद टूटना, फिर इस सबके बाद परिवार के एक या अधिक सदस्यों का बिछुड़ना यह स्थिति बेहद दर्दनाक है और यह स्थिति मनुष्य की इतनी तरक्की, प्रकृति पर उसकी विजय और विज्ञान की आश्चर्यजनक उपलब्धियों के बावजूद हमारे सामने है। सोचने को मजबूर होना पड़ता है कि दुनिया विकास के रास्ते पर आखिर कहां तक पहुंच सकी है, और कहां जा रही है। इस स्थिति का दूसरा महत्त्वपूर्ण पक्ष यह है कि इस बड़ी मानवीय त्रासदी के प्रति विश्व में काफी हद तक संवेदनहीनता बनी हुई है। व्यापक स्तर पर तो यही देखा जा रहा है कि दुनिया के सुख–समृद्धि के इलाकों में भोग–विलास की संस्कृति अफ्रीका के इस संकट से लगभग पूरी तरह बेखबर होकर पहले से भी और आगे बढ़ती जा रही है।

अफ्रीका के एक बड़े क्षेत्र की यह स्थिति कैसे हुई? इसकी शुरुआत तो बहुत पहले ही हो गई थी जब गुलाम व्यापार के अंतर्गत अफ्रीका के बहुत से युवकों को बाहर के देशों में बेचा गया। इस कारण कृषि कार्य के लिए उपलब्ध श्रम–शक्ति में कमी आई और उस पर समुचित ध्यान न दिया जा सका। औपनिवेशिक काल में किसानों और पशुपालकों पर तरह–तरह के कर लगाए गए। इसके लिए उन्हें भूमि की क्षमता से अधिक खेती करनी पड़ी या चरागाहों का अत्यधिक दोहन करना पड़ा। किसानों पर तरह–तरह से दबाव डाला गया कि वे अपनी खाद्य फसलों के स्थान पर उन व्यापारिक फसलों का उत्पादन करें जिन्हें विदेशी शासक अपने कच्चे माल के लिए चाहते थे। अफ्रीका की जलवायु, मिट्टी और अन्य प्राकृतिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यहां कई शताब्दियों के अनुभव के आधार पर कृषि और पशुपालन के अपने ही तरह के तौर–तरीके विकसित किए गए थे।

औपनिवेशिक शासकों को न तो इनकी समझ थी, न इनकी परवाह थी। उनके सामने तो बस अपने हित थे और इनके अनुकूल वे यहां की कृषि और पशुपालन व्यवस्था पर कोई भी बदलाव थोपने में नहीं हिचकते थे। इससे हो रहे नुकसान को अनेक देशों में आजादी के बाद भी नहीं पहचाना गया। विदेशी निवेश और सहायता के नाम पर आई बड़ी–बड़ी कंपनियों ने मनमाने ढंग से भू–उपयोग और फसल–चक्र में परिवर्तन किए। अफ्रीका के कुछ देशों में कुछ बड़ी खाद्य कंपनियों ने अपने व्यापारिक हितों के प्रसार की अच्छी संभावनाएं देखीं। एक ओर तो उन्हें यहां बहुत बड़े पैमाने पंर खाली जमीन मिल सकती थी जितनी शायद दुनिया के किसी अन्य भाग में नहीं। दूसरे, इस जमीन का उपयोग यूरोप और पश्चिम एशिया के अधिक क्रय शक्ति वाले बाजार के लिए सब्जियां और फल उगाने के लिए किया जा सकता था, क्योंकि अफ्रीका के इन देशों (जैसे सेनेगल) की दूरी पश्चिम एशिया और यूरोप, दोनों से अधिक नहीं थी।

ऐसी फसलों का भी उत्पादन आरंभ किया गया जो भूमि के अनुकूल नहीं थीं। बड़े बांधों आदि से कई जगह विस्थापन हुआ। इस तरह अफ्रीका की बहुत सी अच्छी जमीन को इन बड़ी कंपनियों ने घेर लिया। इन देशों की सरकारों का अधिक ध्यान इन निर्यात की फसलों के सफल उत्पादन और इन बड़ी प्लांटेशनों की सही देखरेख की ओर चला गया। देश की बहुत सी जमीन और अन्य संसाधन निर्यात फसलों के उत्पादन में लग गए और स्थानीय खाद्य फसलों की ओर कम ध्यान दिया जाने लगा। वन विनाश भी बहुत हुआ। इस विकास की बहुत सी विसंगतियां बाद में अकाल के समय सामने आई। यह देखा गया कि नई प्लांटेशनों के कारण अनेक घुमंतू पशुपालकों के परंपरागत मार्ग अवरुद्ध हो गए थे। इन नये बाग–बगीचों के आसपास बड़ी संख्या में ऐसे पशुपालकों की मौत के समाचार मिले।

यह भी देखा गया कि एक ओर जब भूख से इन देशों में हजारों लोग मर रहे थे उसी समय हवाई जहाजों को ताजा सब्जियों और फलों से लाद कर यूरोप के देशों में भेजा जा रहा था। अफ्रीका में भूख के बढ़ते संकट के लिए वहां का अपना अभिजात्य वर्ग भी कोई कम जिम्मेदार नहीं है। औपनिवेशिक समय से ही बाहरी शासकों की देखा–देखी उन्होंने शानो–शौकत की तरह–तरह की गैर–जरूरी उपभोक्ता वस्तुओं के आयात की आदत बना ली थी, पर इस आयात के लिए विदेशी मुद्रा कहां से मिलती? इसके लिए किसानों पर निर्यात की दृष्टि से उपयोगी फसलों के लिए जोर डाला गया और खाद्य फसलों के उत्पादन की विशेष उपेक्षा हुई। इस कारण सूखे जैसे संकट का सामना करने के लिए अनाज के पर्याप्त भंडार प्रायरू यहां जमा नहीं हो सके। कुछ सरकारों ने जरूर अलग नीति अपनाने का प्रयास किया जैसे जिंबाब्वे में रॉबर्ट मुगाबे की सरकार ने और इन प्रयासों के फलस्वरूप उन्हें खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने में सफलता भी मिली, पर अधिकतर अन्य देशों की स्थिति निराशाजनक ही रही। यदि अफ्रीका के देशों को अपनी निर्यात फसलों के लिए उचित मूल्य मिलता रहता तो गनीमत थी, पर जैसा कि पिछले अनेक वर्षो में देखा गया है

ट्रो के लिए शहर को सजा नही दे सकते

'ऋनगरीय प्रशासन मंत्री की दो टूक– मेट्रो में देरी चलेगी, करोड़ो का नुकसान चलेगा, शहर का अहित नही होने देंगेऋ'

ऋब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में मंत्री की अगुवाई में हुई बड़ी बैठक, जनप्रतिनिधियों सहित सभी पक्ष जुटेऋ

'ऋएमजी रोड पर मेट्रो का सबसे पहले विरोध करने वाली सुमित्रा महाजन भी बैठक में रही मौजूदऋ'

ऋखुली बैठक में नया फैसला, फिर नए सिरे से होगा सर्वे, एमजी रोड के तीन विकल्पऋ

'विजयवर्गीय ने सभी पक्षो की बुलाई बैठक,सालो साल बाद शहरहित में मजबूत नेतृत्व नजर आया'

बरसो बाद इंदौर को महसूस हुआ कि उसकी आवाज भी हैं। ये शहर, अपनी आवाज बनने के लिए जिन्हें चुनता आया, वे सब बीते कई सालों से ष्मूकबधिरष हो चले थे। जनहित से जुड़ा बड़ा से बड़ा मुद्दा हो जाये लेकिन मजाल है कि सत्तारूढ़ दल का कोई बड़ा नेता मुंह खोल दे। बीच शहर में स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट हो या फिर शहर को शर्मसार करने वाला नाईट लाइफ का जबरिया फैसला...चुनै हुए नेताओ ने सब सिर झुकाकर मंजूर कर लिया। शहर के नेतृव की मूकबधिरता है कि जाने का नाम ही नही ले रही। हालिया मामला शहर के फार्म हाउस पर बढ़ती ड्रग वाली रेव पार्टियों का हैं। एक भी नेता की आवाज सुनी आपने? लेकिन सोमवार को शहर में एक आवाज गुंजी, शहरहित में कि मेट्रो के लिए इंदौर को सजा नही देने देंगे। ये आवाज सत्ता के गलियारों से अब तक दूर थी। जैसे ही वह सत्ता के केंद्र में आई, जैसे इंदौर व इंदोरियो की आवाज लौट आई। कल इसी आवाज ने मेट्रो के उस भूत को फिर से झाड़ पर टांग दिया जो शहर की जीवन रेखा एमजी रोड पर साल–दो साल से मंडरा रहा था। मेट्रो का ये भूत उतारा प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री व पीवर इन्दौरी नेता कैलाश विजयवर्गीय ने।'

सालो साल बाद शहर के हितों को लेकर इस तरह का नेतृत्व नजर आया, जिसने इंदौर की चिंता की। अन्यथा शहर अब इस बात का आदि हो चला था कि जो भोपाल तय कर दे, अफसर मंजूर कर ले, वो ही सही। इंदौर को बस मूकदर्शक बनकर देखते रहना हैं। यहां का नेतृव ष मूक बधिरष बना हुआ आमजन के साथ मूकदर्शक बना बैठा रहने का आदि हो चला।

आज का राशिफल

मेष किसी महत्वपूर्ण फैसले के लिए मन केन्द्रित होगा। किसी नए कार्य में आपका रुझान बढ़ेगा। नवीन योजनाओं द्वारा प्रगति के आसार बनेंगे। नौकरी का वातावरण सुखद होगा।

बृषभ भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति के आसार है। नौकरी का वातावरण सुखद होगा। निकटस्थ संबंधों में शंकाओं को न हावी होने दें। संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी।

मिथुन रू राजनीतिज्ञ क्षेत्र के व्यक्यिों के लिए अनुकूल समय। अच्छे कार्यों के लिए प्रशंसनीय होंगे। शासन–सत्ता से लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा।

कर्क अपने अन्दर धैर्य व वाणी में मधुरता लाएं। नयी अभिलाषाएं मन में जागृत होगी। प्रियजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। विभागीय परिवर्तन से थोड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह वर्तमान में आपको सकारात्मक सोच के साथ सकारात्मक दिशा में प्रयास की नितान्त आवश्यकता है। नकारात्मक चिन्ताओं का त्याग करें। महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां पूर्ति हेतु मन पर दबाव बनाएंगी।

कन्या आर्थिक क्षेत्र में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। अवरोधित कार्य हल होंगे। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। विद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी।

तुला भावावेष में किये गये कार्य से कष्ट संभव। भावनात्मक समस्याओं पर संबंधों में खुलकर बात करें। कुछ नये उत्साह व क्षमता की अनुभूति करेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों को कल पर न टालें।

वृश्चिक परिश्रम का समुचित लाभ प्राप्त होगा। पारिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा। महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए प्रयत्न तीव्र।

धनु संबंधों में कटु वचनों का प्रयोग न करें। माता के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। अच्छे कार्यों द्वारा प्रशंसा के पात्र बनेंगे। राजनीतिज्ञों के लिए ग्रहों का सहयोग प्राप्त होगा।

मकर महत्वाकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी। घरेलू कार्यों में अत्यधिक व्यय के योग है। कार्य क्षेत्र में व्यस्तता बढ़ेगी। परिवार में कोई सुखद स्थिति प्रसन्नता लाएगी।

कुंभ सुन्दर आकांक्षाओं की पूर्ति के आसार बनेंगे। मन सुन्दर कल्पनाओं से प्रभावित होगा। नए संबंध के प्रति निकटता बढ़ेगी। उपस्थित साधनों में सन्तुष्ट व तृप्त होने का प्रयत्न करें।

मीन रोजगार के क्षेत्र में कुछ अच्छे अवसर बनेंगे। बीती हुई बातों को भूलने की कोशिश करें। भौतिक इच्छाएं बलवती होंगी। अभिभावकों के भावनात्मक सहयोग से उत्साह बढ़ेगा।

इरान नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस की सजा एक साल बढ़ायी गयी

दुबई। ईरान की जेल में बंद नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी की सजा एक साल बढ़ा दी गई है। उनके वकील ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मोहम्मदी की गतिविधियों को लेकर सजा बढ़ायी गयी है। मोहम्मदी के वकील मुस्तफा निली ने एपी से कहा कि उनकी मुवक्किल को व्यवस्था के खिलाफ दुष्प्रचार करने के आरोप में दोषी ठहराया गया है। उन्होंने कहा कि यह सजा नरगिस मोहम्मदी द्वारा मतदाताओं से ईरान के हालिया संसदीय चुनाव का बहिष्कार करने का आग्रह करने, यूरोप के सांसदों को पत्र भेजने तथा एक अन्य ईरानी पत्रकार और राजनीतिक कार्यकर्ता को दी गयी यातना के बारे में टिप्पणी करने के बाद दी गई है। नरगिस मोहम्मदी (52) को ईरान की कुख्यात एविन जेल में रखा गया है, जहां राजनीतिक कैदियों और पश्चिमी देशों से संबंध रखने वाले लोगों को रखा जाता है। नरगिस पहले से ही 30 महीने की सजा काट रही हैं और जनवरी में उनकी सजा 15 महीने और बढ़ा दी गई। ईरान की सरकार ने उनकी अतिरिक्त सजा को स्वीकार नहीं किया है। उन्हें पिछले साल अक्टूबर में नोबेल पुरस्कार दिया गया था। वह नोबेल शांति पुरस्कार जीतने वाली 19वीं व दूसरी ईरानी महिला हैं। उनसे पहले 2003 में मानवाधिकार कार्यकर्ता शिरीन इबादी को इस सम्मान के लिए चुना गया था। मोहम्मदी ने ईरानी अधिकारियों द्वारा कई बार गिरफ्तार किए जाने और कई साल तक जेल में रहने के बावजूद अपनी गतिविधियों को नहीं रोका है।

चाड की राजधानी में सैन्य आयुध भंडार में विस्फोट, नौ की मौत

आग बुझाने तथा घायलों के उपचार के लिए युद्धस्तर पर प्रयास किए गए। पश्चिमी अफ्रीकी देश में आयुध डिपो में हुए धमाके की रोशनी आसमान में दूर तक देखी गयी और उसके बाद आसपास के इलाकों में घने धुएं का गुबार छा गया।चाड की राजधानी एनजमीना में एक सैन्य आयुध डिपो में विस्फोट में नौ लोगों को मौत हो गई जबकि 40 से ज्यादा लोग घायल हो गए। एक सरकारी प्रवक्ता ने बुधवार को यह जानकारी दी। प्रवक्ता अब्देरमान कौलमल्लाह ने कहा कि राजधानी एनजमीना के गौडजी जिले में हुए विस्फोटों के बाद 46 लोगों का इलाज किया जा रहा है।स्थानीय मीडिया ने बताया कि विस्फोट मंगलवार मध्य रात्रि से ठीक पहले शुरू हुए और 30 मिनट से अधिक समय तक चले, जिससे आस–पास की इमारतें हिल गईं। अधिकारियों और गवाहों ने बुधवार को कहा कि चाड की राजधानी में एक सैन्य आयुध भंडार में विस्फोट और आग लगने से कई लोगों की मौत हो गई।उन्होंने कहा कि आग बुझाने तथा घायलों के उपचार के लिए युद्धस्तर पर प्रयास किए गए। पश्चिमी अफ्रीकी देश में आयुध डिपो में हुए धमाके की रोशनी आसमान में दूर तक देखी गयी और उसके बाद आसपास के इलाकों में घने धुएं का गुबार छा गया।राष्ट्रपति महामत डेबी इत्नो ने सोशल मीडिया मंच 'फेसबुक' पर एक पोस्ट में कहा कि विस्फोट के कारण लगी आग से "जानमाल का नुकसान" हुआ है। डेबी ने कहा, "पीड़ितों की आत्मा को शांति मिले, शोक संतप्त परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना तथा घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना।"

उन्होंने हालांकि हताहत हुए लोगों की संख्या का कोई विवरण नहीं दिया। मंगलवार देर रात डिपो में हुए विस्फोटों का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है और राष्ट्रपति ने कहा कि इसकी जांच की जाएगी। कौलमल्लाह के अनुसार, क्षेत्र में सुरक्षा और स्वास्थ्य अधिकारियों की तैनाती के साथ स्थिति को नियंत्रण में लाया गया है। उन्होंने स्थानीय निवासियों से शांति बनाए रखने का आग्रह किया है।

भारते से भी ज्यादा गर्मी झेल रहा है अमेरिका ? देश पर छाया हीट डोम का खतरा, कैसे हो जाता है विनाशकारी ?

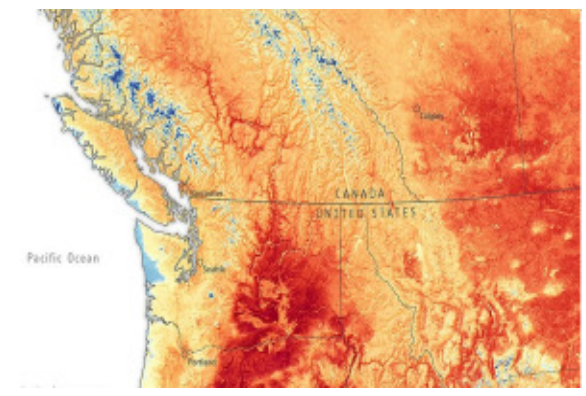

भारत के अलावा विश्व के कई देश गर्मी की चपेट में हैं। इसमें अमेरिका शीर्ष पर है।एक तीव्र हीट डोम द्वारा प्रेरित एक लंबी और तीव्र गर्मी की लहर ने संयुक्त राज्य अमेरिका को जकड़ लिया है।

भारत के अलावा विश्व के कई देश गर्मी की चपेट में हैं। इसमें अमेरिका शीर्ष पर है।एक तीव्र हीट डोम द्वारा प्रेरित एक लंबी और तीव्र गर्मी की लहर ने संयुक्त राज्य अमेरिका को जकड़ लिया है। संघीय मौसम पूर्वानुमान का हवाला देते हुए द गार्जियन के अनुसार, उच्च दबाव वाला मौसम पैटर्न ष्कुछ स्थानों के लिए दशकों में संभवतः सबसे लंबा अनुभवष् होने की संभावना है। अत्यधिक गर्मी और जंगल की आग के धुएं के प्रभावों के बारे में बढ़ती चिंता के बीच तापमान में वृद्धि हुई है।ीट डोम क्या होता है?जब उच्च वायुमंडलीय दबाव एक विशिष्ट क्षेत्र पर गर्म समुद्री हवा को फँसाता है, तो हीट डोम बनता है। हीट डोम उच्च तापमान को बढ़ाते हैं, हालाँकि हीट वेव अक्सर एक साथ होती हैं। यूएसए टुडे की एक रिपोर्ट बताती है कि अमेरिका को प्रभावित करने वाला वर्तमान हीट डोम आंशिक रूप से हाल ही में मैक्सिको में होने वाली एक समान घटना से संबंधित है। मैक्सिको पिछले एक महीने से कृषि की कमी से जूझ रहा है और दस वर्षों से भी अधिक समय में अपने सबसे खराब सूखे से गुजर रहा है।हीट डोम आमतौर पर तूफान के निर्माण का स्थल होते हैं। पिछले कुछ हफ्तों में, देश ने 2011 के बाद से सबसे ज़्यादा बवंडर देखे हैं, साथ ही दक्षिणी क्षेत्रों में भारी बारिश, बाढ़ और तूफान की गतिविधियाँ भी देखी हैं।शिकागो, सेंट लुइस, इंडियानापोलिस, डेट्रायट, क्लीवलैंड, सिनसिनाटी, पिट्सबर्ग, फिलाडेल्फिया, बोस्टन, न्यूयॉर्क सिटी और अल्बानी, न्यूयॉर्क उन शहरों में शामिल हैं, जिनके इस गर्मी की लहर से प्रभावित होने की भविष्यवाणी की गई है।मध्य–पश्चिम के राज्यों में सोमवार को गर्मी शुरू हो गई, जिसे राष्ट्रीय मौसम सेवा ने खष्तरनाक और लंबी अवधि की गर्मी की लहर कहा है, जिसके आयोवा से मेन तक कम से कम शुक्रवार तक फैलने की उम्मीद है।सोमवार को शिकागो ने 36.1 डिग्री सेल्सियस के उच्चतम तापमान के साथ 1957 के तापमान रिकॉर्ड को तोड़ दिया।शिकागो में राष्ट्रीय मौसम सेवा ने सोशल प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि इस सप्ताह भी गर्मी और उमस की स्थिति बनी रहेगी, जहाँ कभी–कभी अधिकतम तापमान 37.7 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुँच सकता है।फीनिक्स में हाल के वर्षों में गर्मी विशेष रूप से खष्तरनाक रही है, जहाँ 2023 में गर्मी से संबंधित कारणों से 645 लोगों की मौत हुई, जो एक रिकॉर्ड था। शनिवार को वहां तापमान 44.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। मौसम सेवा के पूर्वानुमानकर्ताओं का कहना है कि फीनिक्स में जून के पहले दो सप्ताह वहां महीने की सबसे गर्म शुरुआत थी।अधिकारी क्या कर रहे हैं?दक्षिणी कैलिफोर्निया में, अग्निशामकों ने इंटरस्टेट 5 के साथ विस्फोटक, हवा से प्रेरित विकास के सप्ताहांत के बाद सोमवार को लॉस एंजिल्स के उत्तर में पहाड़ों में एक बड़ी जंगली आग पर नियंत्रण बढ़ा दिया। इस सप्ताह के ष्खतरनाक रूप से उच्चष् तापमान की आशंका में, न्यूयॉर्क शहर ने अपनी आपातकालीन योजना के हिस्से के रूप में शीतलन केंद्र खोले।न्यूयॉर्क के मेयर एरिक एडम्स ने सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा ष्हम स्पष्ट होना चाहते हैं, यह जून के लिए बेहद गर्म है और न्यूयॉर्क के लोगों को गर्मी को कम नहीं आंकना चाहिए। जलवायु परिवर्तन के कारण अधिक लगातार और तीव्र गर्मी हो रही है, गर्मियां पहले की तुलना में अलग हैं, और इसलिए हमें आने वाले गर्म मौसम की उम्मीद करनी चाहिए और उसके लिए तैयार रहना चाहिए।मेन के कैरिबौ में राष्ट्रीय मौसम सेवा स्टेशन के अनुसार, ष्असामान्य रूप से ऊपरी स्तर के उच्च दबाव प्रणाली के तहतष् तापमान में वृद्धि होगी, और ष्कई दिनों तक रिकॉर्ड तोड़ने वाले तापमान के कारण खतरनाक गर्मी होगी, जिसमें रात भर राहत मिलने की संभावना है।ष् बोस्टन के मौसम विज्ञानियों के अनुसार, 37.7 डिग्री सेल्सियस का तापमान ष्जून के महीने के सभी समय के रिकॉर्ड उच्च तापमान को चुनौती देगा।ष् मैसाचुसेट्स के कुछ समुद्र तटों पर तैराकी प्रतिबंधित है, क्योंकि गर्म मौसम के बावजूद बैक्टीरिया का स्तर बढ़ जाता है।राज्य के प्रतिनिधियों ने स्थानीय लोगों को अपने स्वास्थ्य को खतरे में डालने से बचने के लिए ठंडा होने का कोई अन्य तरीका खोजने की सलाह दी। हीटरिस्क इंडेक्स निर्णय लेने वालों और गर्मी के प्रति संवेदनशील समूहों को जोखिम संबंधी सिफारिशें देने के लिए, राष्ट्रीय मौसम सेवा और रोग नियंत्रण केंद्र (सीडीसी) ने हाल ही में ष्हीटरिस्कष् इंडेक्स सिस्टम का अनावरण किया, जो रंग और संख्याओं पर आधारित है।द गार्जियन के अनुसार, इंडेक्स इस बात पर विचार करता है कि मौसम के लिए यह कितना असामान्य रूप से गर्म है, यह कितने समय तक रहता है, जिसमें दिन और रात का उच्च तापमान शामिल है, और क्या उन तापमानों के कारण गर्मी से संबंधित प्रभावों का अधिक जोखिम है। सप्ताह के मध्य से लेकर अंत तक, सूचकांक मैजेंटा रंग में "चरम" स्वास्थ्य जोखिम स्तरों को दर्शा रहा है, जो ओहियो घाटी और मध्यपश्चिम से उत्तर–पूर्व की ओर बढ़ रहे हैं। सूचकांक चेतावनी देता है, "रात भर राहत के बिना या बहुत कम राहत के साथ दुर्लभ औरध्या लंबे समय तक चलने वाली अत्यधिक गर्मी का यह स्तर प्रभावी शीतलन औरध्या पर्याप्त जलयोजन के बिना किसी भी व्यक्ति को प्रभावित करता है। अधिकांश स्वास्थ्य प्रणालियों, गर्मी के प्रति संवेदनशील उद्योगों और बुनियादी ढांचे पर प्रभाव पड़ने की संभावना है।"

सैन्य गोला–बारूद डिपो में भीषण विस्फोट में 9 लोगों की मौत, 46 अन्य घायल

चाड की राजधानी में सैन्य गोला–बारूद डिपो में आग लगने से नौ लोगों की मौत हो गई और 40 से अधिक लोग घायल हो गए, एक अधिकारी ने बुधवार को बताया।चाडरू

चाड की राजधानी में सैन्य गोला–बारूद डिपो में आग लगने से नौ लोगों की मौत हो गई और 40 से अधिक लोग घायल हो गए, एक अधिकारी ने बुधवार को बताया। सरकारी प्रवक्ता अब्देरमन कौलमल्लाह ने बताया कि राजधानी एन श्दजामेना के गौडजी जिले में मंगलवार देर रात हुए विस्फोटों के बाद 46 लोगों का विभिन्न चोटों के लिए इलाज किया जा रहा है। कौलमल्लाह ने बताया कि स्थिति पर काबू पा लिया गया है।विस्फोटों ने आसमान को जगमगा दिया और पश्चिम अफ्रीकी देश में घने धुएं ने बादलों को ढक लिया, जिससे आग बुझाने के लिए लोगों को अपने घरों से भागना पड़ा। आग लगने का कारण तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया और राष्ट्रपति महामत देबी इटनो ने कहा कि जांच की जाएगी। देबी ने फेसबुक पर कहा, ष्पीड़ितों की आत्मा को शांति मिले, शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना और घायलों को शीघ्र स्वस्थ होने की कामना।ष् बाद में उन्होंने घटनास्थल का दौरा किया और उन अस्पतालों का भी दौरा किया जहां घायलों का इलाज किया जा रहा था।लोगों को लगा कि विस्फोट सशस्त्र हमले के कारण हुआ हैनिवासी उमर महामत ने कहा कि इलाके में रहने वाले लोग घबरा गए, क्योंकि उन्हें लगा कि विस्फोट सशस्त्र हमला है। स्थानीय मीडिया ने बताया कि विस्फोट आधी रात से ठीक पहले शुरू हुए, जब आस–पास की इमारतें हिलने लगीं और विस्फोटक बल के साथ डिपो से गोला–बारूद फेंका जाने लगा। अधिकारियों ने निवासियों से इलाके से दूर रहने को कहा, जिस पर सुरक्षा बलों ने कब्जा कर लिया और बिखरे हुए तोपखाने के गोले इकट्ठा किए।अल्लामिन मूसा नामक निवासी ने सरकार से ष्तत्काल हमारी सहायता करनेष् का आह्वान किया, क्योंकि वह और अन्य निवासी अपने घरों से भाग गए थे। मूसा ने कहा, ष्कई परिवारों में मौतें हुई हैं और यह दुखद है।ष्लगभग 18 मिलियन लोगों वाला देश चाड, विवादास्पद राष्ट्रपति चुनाव से पहले और बाद में राजनीतिक उथल–पुथल से जूझ रहा है, जिसके परिणामस्वरूप डेबी इटनो की जीत हुई। उन्होंने 2021 में अपने पिता की मृत्यु के बाद सैन्य शासन की अवधि के दौरान अंतरिम राष्ट्रपति के रूप में देश का नेतृत्व किया था। सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज के एक अफ्रीका विशेषज्ञ कैमरन हडसन ने कहा कि विस्फोट पूरी तरह से संयोग नहीं हो सकते हैं और सरकार के लिए ष्एक संदेश की तरह अधिक महसूस करते हैंष्, जो आंतरिक राजनीतिक तनावों और साथ ही पड़ोसी सूडान में युद्ध को लेकर क्षेत्रीय तनावों में उलझा हुआ है। पूर्व अमेरिकी अधिकारी हडसन ने कहा कि सूडान में युद्ध में चाड की कथित भागीदारी के बारे में हाल के दावों ने डेबी इटनो के लिए घर पर एक अस्थिर स्थिति पैदा कर दी है। ष्एक विभाजित घर खड़ा नहीं हो सकता।ष्

भारत का नालंदा नहीं, पाकिस्तान के रावलपिंडी में है विश्व का सबसे पुराना विश्वविद्यालय, जानिये दुनिया की सबसे पुरानी यूनीवर्सिटी के बारे में

आज जो प्राचीन संस्थान हैं, वे अपनी ऐतिहासिक विरासतों और आधुनिक संदर्भों के अनुकूल होने और तीव्र प्रतिस्पर्धा के बावजूद वैश्वीकृत दुनिया में प्रासंगिक बने रहने की अपनी क्षमता साबित करने के लिए महत्वपूर्ण हैं।भारत की सबसे पुरानी यूनिवर्सिटी कही जानें वाली नालंदा दुनिया की सबसे पुरानी यूनिवर्सिटी में से एक है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नालंदा विश्वविद्यालय के नये कैंपस का उद्घाटन किया है। इसी पर आज हम आपको दुनिया के सबसे पुराने विश्वविद्यालयों के बारे में जानकारी देंगे। उच्च शिक्षा के केंद्र सैकड़ों वर्षों से, और कुछ मामलों में तो सहस्राब्दियों से भी अधिक समय से मौजूद हैं, लेकिन सभी समय की कसौटी पर खरे नहीं उतरते। सदियों से, दुनिया के कई सबसे पुराने विश्वविद्यालय विघटित हो गए हैं, स्वायत्त कॉलेजों में विभाजित हो गए हैं या सभी पहचान से परे आधुनिक हो गए हैं। आज जो प्राचीन संस्थान हैं, वे अपनी ऐतिहासिक विरासतों और आधुनिक संदर्भों के अनुकूल होने और तीव्र प्रतिस्पर्धा के बावजूद वैश्वीकृत दुनिया में प्रासंगिक बने रहने की अपनी क्षमता साबित करने के लिए महत्वपूर्ण हैं।यहाँ हम दुनिया के कुछ सबसे पुराने विश्वविद्यालयों को कवर करते हैं, जिनमें से सभी फै रैंकिंग में से एक में शामिल हैं। दुनिया का सबसे पुराना विश्वविद्यालय पाकिस्तान में स्थित है जो प्राचीन काल से भारत में था लेकिन बटवारे के बाद पाकिस्तान में चला गया। इसके अलावा अधिकांश यूरोप में स्थित हैं, इस क्षेत्र में लंबे समय से चल रहे और प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों की विशेष रूप से प्रभावशाली संख्या के कारण, लेकिन विचार करने के लिए एक अफ्रीकी प्रतिनिधि भी है।तक्षशिला तक्षशिला प्राचीन भारत में गान्धार देश की राजधानी और शिक्षा का प्रमुख केन्द्र था। यहाँ का विश्वविद्यालय विश्व के प्राचीनतम विश्वविद्यालयों में शामिल है। जैन एवं बौद्ध दोनों के लिए का था। अजातशत्रु, बिम्बिसार,वसुबंधु ने शिक्षा ग्रहण किया था जो पुर्ण रूप से बौद्ध विश्विद्यालय था जो प्राचीन भारत

के नाग लोगों के महान चक्रवर्ती सम्राट तक्षक के नाम पर बना है। 405 ई में फाह्यान यहाँ आया था। ऐसा माना जाता है कि तक्षशिला में दुनियाभर से आए करीब 10,500 छात्रों ने अध्ययन किया था। दुनिया का पहला विश्वविद्यालय 700 ईसा पूर्व में तक्षशिला में स्थापित किया गया था। शिक्षा का यह केंद्र पाकिस्तान में रावलपिंडी शहर से 50 किमी पश्चिम में स्थित था। ोलोग्ना विश्वविद्यालयस्थानरू इटलीापनारू 1088लैटिन आदर्श वाक्य के अनुसार 'अध्ययन की पोषक माँ', बोलोग्ना विश्वविद्यालय की स्थापना 1088 में हुई थी और कभी भी संचालन से बाहर न होने के कारण, इसे दुनिया के सबसे पुराने विश्वविद्यालय का खिताब प्राप्त है। अपेक्षाकृत आधुनिक समय तक, विश्वविद्यालय केवल डॉक्टरेट अध्ययन ही पढ़ाता था, लेकिन आज इसमें सभी स्तरों पर विविध प्रकार के कार्यक्रम 1096–1167पूर्व छात्रों की सूची में 28 यूके प्रधान मंत्री, कैंटरबरी के 20 आर्कबिशप, 12 संत, 27 नोबेल पुरस्कार विजेता, 50 नोबेल पुरस्कार विजेता और एक सर स्टीफन हॉकिंग शामिल हैं, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय जितना पुराना है उतना ही सम्मानित भी है।हालांकि विश्वविद्यालय की सटीक स्थापना तिथि थोड़ी अस्पष्ट है, लेकिन शिक्षण के साक्ष्य 1096 तक पुराने हैं और कुछ का दावा है कि इसकी स्थापना इससे भी पहले हुई थी। लामांका विश्वविद्यालय की स्थापना 1134 में हुई थी और इसे 1218 में रॉयल चार्टर दिया गया था, जो इसे अब बंद हो चुके पैलेंसिया विश्वविद्यालय के बाद स्पेन का सबसे पुराना संस्थान बनाता है। मैड्रिड के पश्चिम में स्थित, यह वह संस्थान था जहाँ क्रिस्टोफर कोलंबस ने 15वीं शताब्दी के अंत में अपने इंडीज अभियान के लिए शाही समर्थन प्राप्त करने का मामला बनाया था। सलामांका विश्वविद्यालय अपने नौ परिसरों में लगभग 26,746 छात्रों को शिक्षा प्रदान करता है। देखें कि क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में सलामांका विश्वविद्यालय किस स्थान पर है फ्रांसीसी राजधानी में 1160 और 1250 के बीच स्थापित, पेरिस विश्वविद्यालय, जिसे अक्सर श्ला सोरबोनश के नाम से जाना जाता है, यूरोप में सबसे पहले स्थापित विश्वविद्यालयों में से एक माना जाता है, हालांकि फ्रांसीसी क्रांति के बाद 1793 और 1896 के बीच इसे संचालन से निलंबित कर दिया गया था। आज, पेरिस विश्वविद्यालय पूरे शहर में फैला हुआ है, जिसे 1970 में 13 स्वायत्त संस्थानों में विभाजित किया गया था, जिनमें से सभी मूल विश्वविद्यालय की उच्च प्रतिष्ठा को बनाए रखते हैं। इन 13 में से, सर्वोच्च रैंक वाले सोरबोन विश्वविद्यालय (पेरिस–सोरबोन विश्वविद्यालय और पियरे और मैरी क्यूरी विश्वविद्यालय का एक नया विलय, जो दुनिया में 83वें स्थान पर है) और यूनिवर्सिटी पेरिस 1 पैंथियन–सोरबोन (संयुक्त 287वें स्थान पर) हैं। राजनीतिक संघर्षों के कारण ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय छोड़ने वाले विद्वानों के एक समूह द्वारा 1209 में स्थापित, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय अब दुनिया में सातवें स्थान पर है।कई सामान्य परंपराओं को साझा करते हुए, ऑक्सफोर्ड और कैम्ब्रिज में प्रतिद्वंद्विता की एक स्वस्थ भावना बनी हुई है, जो प्रसिद्ध वार्षिक बोट रेस इवेंट में चरम पर पहुँचती है। कैम्ब्रिज में लगभग 23,247 छात्र हैं, जिनमें से 5,340 यूरोपीय संघ के बाहर से आते हैं।

मोहम्मद मुइज़ू का तुगलकी फरमान, नहीं आया काम! हवाबाजी में लगाया था इजरायलियों पर प्रतिबंध, भड़की मालदीव की जनता

गाजा युद्ध को लेकर मुस्लिम बहुल देश मालदीव में लोगों के गुस्से के बाद हिंद महासागर के द्वीपसमूह से इजरायलियों पर प्रतिबंध लगाने की योजना मोहम्मद मुइज़्ज़ू सरकार ने रोक दी है, क्योंकि उसे एहसास हुआ कि नए कानून से यहूदी राज्य में रहने वाले 20 लाख अरब–मुस्लिम प्रभावित हो सकते हैं। गाजा युद्ध को लेकर मुस्लिम बहुल देश मालदीव में लोगों के गुस्से के बाद हिंद महासागर के द्वीपसमूह से इजरायलियों पर प्रतिबंध लगाने की योजना मोहम्मद मुइज़्ज़ू सरकार ने रोक दी है, क्योंकि उसे एहसास हुआ कि नए कानून से यहूदी राज्य में रहने वाले 20 लाख अरब–मुस्लिम प्रभावित हो सकते हैं।राष्ट्रपति कार्यालय ने 2 जून को कहा कि मंत्रिमंडल ने इजरायली पासपोर्ट धारकों को देश में प्रवेश करने से रोकने के लिए कानूनों में बदलाव करने और इस प्रक्रिया की निगरानी के लिए एक उपसमिति स्थापित करने का फैसला किया है। इसने कहा कि राष्ट्रपति मुइज़्ज़ू फिलिस्तीनी जरूरतों का आकलन करने और धन उगाहने का अभियान शुरू करने के लिए एक विशेष दूत नियुक्त करेंगे। जवाब में, इजरायल के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ओरेन मार्मोरस्टीन ने कहा कि इजरायल ने अपने नागरिकों को मालदीव की किसी भी यात्रा से बचने की सलाह दी है, जिसमें विदेशी पासपोर्ट वाले लोग भी शामिल हैं, और जो लोग वर्तमान में वहां हैं, उन्हें वहां से जाने पर विचार करना चाहिए। हालांकि, दो सप्ताह बाद, मालदीव को एहसास हुआ कि इजरायल केवल यहूदियों के बारे में नहीं है।यहूदी क्रॉनिकल के अनुसार, मालदीव के अटॉर्नी जनरल अहमद उशाम, जिन्होंने अरब–इजरायलियों को शफिलिस्तीनीश कहा था, उन्हें नए कानून से उन पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में चिंता थी।हालांकि, अहमद उशाम ने जोर देकर कहा कि इजरायलियों को प्रतिबंधित करने के बारे में सरकार का रुख अपरिवर्तित रहा, लेकिन यह केवल इजरायली पासपोर्ट धारकों पर एक व्यापक कानून के प्रभाव पर पुनर्विचार कर रहा था जो अरब मुस्लिम या फिलिस्तीनी हैं। अल्जीमाइनर ने उशाम के हवाले से कहा, ष्ये ऐसे मामले हैं जिन पर सावधानीपूर्वक विचार करने की आवश्यकता है,ष् आगे की समीक्षा का संकेत देते हुए। इस बीच, मालदीव के कई सांसदों ने इजरायलियों पर व्यापक प्रतिबंध लगाने की सरकार की योजना की आलोचना की हैयहूदी क्रॉनिकल ने सांसद कासिम इब्राहिम के हवाले से कहा ष्जब हम यह निर्णय लेते हैं कि इजरायली राष्ट्रीयता वाला कोई व्यक्ति मालदीव नहीं आ सकता है, तो इसका मतलब है कि हम यह निर्णय लेने की बात कर रहे हैं कि यहूदी नहीं आ सकते हैं। इसलिए, चूंकि वे लोग हैं जिन्होंने अल्लाह द्वारा बताए गए धर्म के पैगम्बरों पर विश्वास किया है, इसलिए हमें इस बारे में बहुत गहराई से सोचने की जरूरत है कि हम ऐसा कुछ करने की संभावना रखते हैं, उस दृष्टिकोण से, हमें इस बारे में बहुत सावधानी से सोचने की जरूरत है। मालदीव ने यह फैसला 100 प्रतिशत सुन्नी मुस्लिम राष्ट्र में विपक्षी दलों और सरकार के सहयोगियों द्वारा इजरायल–हमास युद्ध के परिणामस्वरूप इजरायलियों पर प्रतिबंध लगाने के दबाव के बाद लिया है।

स्मृति मंधाना ने रचा इतिहास, महज 84 मैचों में की मिथाली राज के बड़े रिकार्ड की बराबरी

स्मृति मंधाना ने बुधवार को साउथ अफ्रीका इतिहास रच दिया। मंधाना ने महिला वनडे में सर्वाधिक शतकों के पूर्व कप्तान मिताली राज के सर्वकालिक भारतीय रिकॉर्ड की बराबरी की। स्मृति ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की 3 मैचों की सीरीज के दूसरे मैच में एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में एक और स्ट्रोक भरी पारी में अपनी 7वां वनडे शतक पूरा किया। भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने बुधवार को साउथ अफ्रीका इतिहास रच दिया। मंधाना ने महिला वनडे में सर्वाधिक शतकों के पूर्व कप्तान मिताली राज के सर्वकालिक भारतीय रिकॉर्ड की बराबरी की। स्मृति ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की 3 मैचों की सीरीज के दूसरे मैच में एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में

एक और स्ट्रोक भरी पारी में अपनी 7वां वनडे शतक पूरा किया। स्मृति मंधाना ने 16 जून रविवार को एकदिवसीय सीरीज के शुरुआती मैच में दक्षिण अफ्रीका पर भारत की जीत में 117 रन बनाकर एक के बाद एक शतक लगाए हैं। स्मृति थ्री–फिगर स्कोर तक पहुंचने के बाद रोमांचित हो गई, उन्होंने अपना हेलमेट उतारने से पहले खुशी में हवा में मुक्का मारा और भीड़ से मिले प्यार को स्वीकार किया। वनडे में भारतीय महिलाओं के लिए सर्वाधिक शतकमिताली राज– 232 मैचों में 7स्मृति मंधाना– 84 मैचों में 7 हरमनप्रीत कौर– 132 मैचों में 5स्मृति मंधाना ने सिर्फ 103 गेंदों में अपना शतक पूरा किया और वह पूरी तरह नियंत्रण में दिखीं, जिससे भारत 40वें ओवर में 200 रन के पार पहुंच गया। मंधाना को पहले पावरप्ले में दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों ने शांत रखा, लेकिन बाएं हाथ की इस बल्लेबाज ने अपना जादू ढूंढ लिया और विपक्षी गेंदबाजों पर हावी हो गई।

अफगानिस्तान के खिलाफ फार्म में लौटेंगे विराट कोहली! बारिश के बीच अभ्यास, ऋषभ पंत नहीं आए नजर

भारतीय टीम का टी20 वर्ल्ड कप 2024 के सुपर 8 में अभियान शुरू हो रहा है। अफगानिस्तान के खिलाफ टीम बारबाडोस भारतीय समयानुसार रात 8 बजे से अपना मुकाबला खेलेगी। वहीं अभी तक टूर्नामेंट के लीग स्टेज मुकाबलों में भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज विराट कोहली का बल्ला शांत रहा। 20 जून यानी गुरुवार से भारतीय टीम का टी20 वर्ल्ड कप 2024 के सुपर 8 में अभियान शुरू हो रहा है। अफगानिस्तान के खिलाफ टीम बारबाडोस भारतीय समयानुसार रात 8 बजे से अपना मुकाबला खेलेगी। वहीं अभी तक टूर्नामेंट के लीग स्टेज मुकाबलों में भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज विराट कोहली का बल्ला शांत रहा। जिसके बाद फैंस अफगानिस्तान मैच के दौरान उनकी फॉर्म की वापसी की उम्मीद कर रहे हैं। प्रैक्टिस में बहाया पसीनावहीं अफगानिस्तान के खिलाफ मुकाबले से पहले विराट कोहली ने जमकर प्रैक्टिस की और पसीना बहाया। कोहली इस दौरान अपने बड़े शॉट्स का जश्न मनाते हुए नजर आए। उन्होंने रिवर्स स्वीप और स्वीप शॉट्स का भी जमकर अभ्यास किया। इसके अलावा उन्होंने स्पिन गेंदबाज कुलदीप यादव और तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के खिलाफ भी जमकर

अभ्यास किया। बारिश में भी अभ्यास नेट अभ्यास के दौरान ही हल्की बारिश होने लगी जिसके बाद पिच को कवर्स कर दिया गया। हालांकि, कोहली कुछ ही देर में लौट गए। उन्होंने बारिश के बीच ही टर्फ पर अभ्यास किया। कोहली ट्रेनिंग सेशन में काफी अग्रेसिव दिखाई दे रहे थे। उन्हें देखकर ही ऐसा लगा कि ये बल्लेबाज सुपर–8 में बल्ले का दम दिखाने के लिए बेताब हैं। इसके अलावा रोहित शर्मा ने भी अभ्यास किया, उन्होंने भी स्पिनर्स के खिलाफ स्वीप और रिवर्स स्वीप शॉट्स का अभ्यास किया। हालांकि, टीम इंडिया के इस ट्रेनिंग सेशन में विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत नजर नहीं आए। इसकी वजह भी सामने नहीं आई है। वहीं बाकी खिलाड़ियों ने सेशन में पसीना बहाया। रविंद्र जडेजा, खलील अहमद के अलावा कुछ लोकल गेंदबाज भी नेट सेशन में नजर आए।

कैंसिंग्टन ओवल में गेंदबाज या बल्लेबाज में से किसे मिलेगी मदद? जानें पिच रिपोर्ट

केनिंग्सटन ओवल, बारबाडोस में अब तक कुल 47 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले गए हैं जिसमें से 30 रन डिफेंड करने वाली टीम ने जीते हैं। ऐसे में साफ है कि रिकॉर्ड को देखते हुए बारबाडोस में टॉस जीतने वाली टीम पहले बल्लेबाजी करने चाहेगी। यहां पहली इनिंग का औसत स्कोर 138 रन रहा है।टी20 वर्ल्ड कप 2024 में सुपर 8 का तीसरा मुकाबला भारत और अफगानिस्तान के बीच खेला जाएगा। इस मुकाबले में दोनों टीमें 20 जून यानी गुरुवार को भारतीय समय अनुसार रात 8 बजे से केनिंग्सटन ओवल, बारबाडोस में भिड़ेंगी। मुकाबले से पहले आपको बताते हैं कि, भारत बनाम अफगानिस्तान मैच के दौरान बारबाडोस की पिच में गेंदबाज या फिर बल्लेबाज किसे मिलेगी सबसे ज्यादा मदद। केनिंग्सटन ओवल, बारबाडोस में अब तक कुल 47 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले गए हैं जिसमें से 30 रन डिफेंड करने वाली टीम ने जीते हैं। ऐसे में साफ है कि रिकॉर्ड को देखते हुए बारबाडोस में टॉस जीतने वाली टीम पहले बल्लेबाजी करने चाहेगी। यहां पहली इनिंग का औसत स्कोर 138 रन रहा है।हालांकि, टी20 वर्ल्ड कप 2024 में यहां कि पिच बल्लेबाजी के लिए काफी बेहतर नजर आई है। ये भी जान लीजिए इस मैदान पर सबसे बड़ा स्कोर 244 रन बना है। बारबाडोस के मैदान पर आखिरी मुकाबला ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच ग्रुप राउंड के दौरान हुआ था जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने 20 ओवर में 201 रन बनाए थे। दोनों टीमों का फुल स्क्वॉडभारत– रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पंड्या, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज।

टीम इंडिया का खेल बिगाड़ सकते हैं ये 5 अफगान खिलाड़ी, सुपर–8 में भारत की पहली भिड़ंत

अफगानिस्तान टीम अब तक के 3 मैचों में अफगान टीम कभी भी टीम इंडिया क हरा नहीं सकी है लेकिन मौजूदा टीम को किसी भी तरह से कमजोर नहीं आंका जा सकता। अफगानिस्तान टीम अपनी लड़ाकू क्षमता के कारण आज वनडे और टी20 की मजबूत टीम बन चुकी है। वर्ल्ड कप 20233 और मौजूदा टी20 2024 की मजबूत टीम बन चुकी है। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के ग्रुप मैचों का दौर खत्म होने के साथ ही सुपर 8 में पहुंची टीमों ने आगे की रणनीति बनानी शुरू कर दी है। ग्रुप ए से टॉप पर रहकर अगले राउंड में पहुंची टीम इंडिया को अपना पहला मैच 20 जून को अफगानिस्तान के खिलाफ ब्रिजटाउन में खेलना है। रोहित शर्मा ब्रिगेड के सुपर 8 के अगले दो मैच 22 जून को बांग्लादेश के खिलाफ नॉर्थ साउंड और 24 जून को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ग्रास आइसलेट में होने हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया के पिछले देखते हुए कई फैंस पहले मैच को आसान मान रहे हैं जबकि वास्तव में अफगानिस्तान टीम मौजूदा सीजन में बेहतरीन प्रदर्शन कर रही है। हालांकि, अफगानिस्तान टीम अब तक के 3 मैचों में अफगान टीम कभी भी टीम इंडिया क हरा नहीं सकी है लेकिन मौजूदा टीम को किसी भी तरह से कमजोर नहीं आंका जा सकता। अफगानिस्तान टीम अपनी लड़ाकू क्षमता के कारण आज वनडे और टी20 की मजबूत टीम बन चुकी है। वर्ल्ड कप 20233 और मौजूदा टी20 2024 की मजबूत टीम बन चुकी है। वर्ल्ड कप 2023 और मौजूदा टी20 वर्ल्ड कप के अबतक प्रदर्शन पर नजर डाले तो राशिद खान की टीम को हल्के में लेना सही नहीं होगा। बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों ही क्षेत्रों में टीम संतुलित है और इसके कुछ प्लेयर टॉप फॉर्म में हैं। इसके अलावा वेस्टइंडीज के धीमे विकेटों पर स्पिनरों का अहम रोल रहने की संभावना है। राशिद खान, मुजीबुर रहमान, नूर अहमद और मोहम्मद नबी के रूप में अफगानिस्तान के पास इस समय संभवतरू दुनिया का सर्वश्रेष्ठ स्पिन अटैक है। इसके अलावा नबी, गुलबदीन और राशिद जैसे ऑलराउंडर टीम को और मजबूत करने का काम करते हैं। 1. रहमनुल्लाह गुरबाज22 वर्षीय इस बल्लेबाज को अफगानिस्तान का भविष्य का स्टार माना जा रहा है। विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर गुरबाज टीम की जरूरत बन जाते हैं। मौजूदा टूर्नामेंट के चार मैचों में 2 अर्धशतकीय पारी की मदद से सबसे ज्यादा 167 रन बनाए हैं। साथ ही वो छक्के और चौके लगाने में भी माहिर हैं। नेचुरअल स्ट्रोक प्लेयर गुरबाज के खिलाफ भारत को प्रभावी रणनीति बनानी होगी। 2. इब्राहिम जादरानरहमनुल्लाह गुरबाज के साथ पारी की शुरुआत करने वाले जादरान इस वर्ल्ड कप में दो शतकीय साझेदारियां कर चुके हैं। जरुरत के मुताबिक बैटिंग का गेयर चेंज कर सकते हैं। आक्रामक ओपनर शहजाद की कमी की भरपाई की है। गुरबाज के साथ इनकी ओपनिंग जोड़ी टीम को कई मैचों में अच्छी शुरुआत दे चुके हैं। 3. फजलहक फारुकीइस टी20 वर्ल्ड कप में फजलहक फारुकी सनसनी बनकर उभरे हैं। 23 साल के इस लेफ्ट आर्म बॉलर की गेंदों की गति ज्यादा नहीं है लेकिन सटीक लाइन लेंथ व वेरिएशंस से बल्लेबाजों की कठिन परीक्षा ले रहे हैं। 4 मैचोंमें अब तक 6.66 के औसत और 5.58 की इकोनॉमी से सबसे ज्यादा 12 विकेट लिए हैं। जिसमें से एक पारी में पांच और एक में चार विकेट का प्रदर्शन शामिल है। 4. राशिद खान टी20 फॉर्मेट के सर्वश्रेष्ठ स्पिनरों में गिनती होती है। दाएं हाथ का ये रिस्ट स्पिनर टी20 वर्ल्ड कप 2024 में अफगान टीम का कप्तान भी है। तेज गति की अपनी गेंदों से बल्लेबाजों को शिकार बनाने में माहिर हैं। 4 ओवर के स्पैल में ही मैच का रुख पलटने में सक्षम हैं। राशिद की गुगली को पढ़ने में बड़े–बड़े बल्लेबाज गच्चा खा जाते हैं। मौजूदा टूर्नामेंट के 4 मैचों में साधारण प्रदर्शन करते हुए 6 विकेट लिए हैं लेकिन कभी भी बल्लेबाजी में कमाल करने में सक्षम हैं। 89 टी20 में 14.36 के औसत और 6.07 की इकोनॉमी से 144 विकेट ले चुके हैं। इस फॉर्मेट में राशिद से ज्यादा विकेट टीम साउदी और शाकिब अल हसन ने ही लिए हैं। हालांकि, राशिद का रिकॉर्ड इन दोनों से काफी बेहतर है। बल्लेबाजी में टीम इंडिया के लिए सबसे बड़ा खतरा हैं। निचले क्रम के हार्डहिटिंग बैटर के तौर पर भी उपयोगी हैं। 5. मोहम्मद नबी39 वर्षीय ऑलराउंडर मोहम्मद नबी क्रिकेट करियर के अंतिम पड़ाव पर हैं लेकिन मैदान पर जोश और चुस्ती–फुर्ती देखते ही बनती हैं। 125 टी20 में 6 अर्धशतक की मदद से 2140 रन बनाने के अलावा 95 विकेट इनकी ऑलराउंड क्षमता को दर्शाते हैं। भारतीय फैंस के जेहन में अभी भी वर्ल्ड कप 2019 के भारत बनाम अफगानिस्तान के मैच की याद ताजा होगी जब नबी ने दो विकेट लेने के बाद 55 गेंदों पर 52 रन की पारी खेलकर भारतीय टीम को हार की कगार तक पहुंचा दिया था।

मार्कस स्टोइनिस का बड़ा कमाल, दुनिया के नंबर 1 आलराउंडर बनें

ऑस्ट्रेलिया ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस ने बड़ा कारनामा किया है। दरअसल, वह टी20 फॉर्मेट में दुनिया के नंबर 1 ऑलराउंडर बन गये हैं। टी20 वर्ल्ड कप के सुपर–8 राउंड की शुरुआत से पहले स्टोइनिस ने अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर ये मुकाम हासिल किया। ग्रुप राउंड में स्टोइनिस ने गेंद और बल्ले दोनों से बेहतरीन प्रदर्शन किया है।टी20 वर्ल्ड कप के बीच ऑस्ट्रेलिया ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस ने बड़ा कारनामा किया है। दरअसल, वह टी20 फॉर्मेट में दुनिया के नंबर 1 ऑलराउंडर बन गये हैं। टी20 वर्ल्ड कप के सुपर–8 राउंड की शुरुआत से पहले स्टोइनिस ने अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर ये मुकाम हासिल किया। मार्कस स्टोइनिस का कमालग्रुप राउंड में स्टोइनिस ने गेंद और बल्ले दोनों से बेहतरीन प्रदर्शन किया है। स्टोइनिस ने ग्रुप राउंड में ओमान के खिलाफ नाबाद 67 रन बनाए और साथ ही तीन विकेट भी झटके। इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने 30 रन बनाए और एक विकेट झटका। नामीबिया के खिलाफ स्टोइनिस ने केवल 9 रन देकर दो विकेट अपने नाम किए। वहीं, स्कॉटलैंड के अहम समय पर 59 रन की पारी खेली और अपनी टीम को बड़े उलटफेर से बचाया।स्टोइनिस ने अफगानिस्तान के ऑलराउंडर मोहम्मद नबी को पछाड़कर पहला स्थान हासिल किया। स्टोइनिस अब 213 अंकों के साथ चौथे स्थान पर पिछड़ गए हैं। श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा दूसरे और बांग्लादेश के शाकिब अल हसन तीसरे स्थान पर पहुंचे गए हैं। वहीं जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा चौथे से पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं।

जबकि भारत के हार्दिक पंड्या भी आठवें से सातवें स्थान पर खिसक गए हैं। अकील हुसैन की बड़ी छलांग गेंदबाजों की बात करें तो आदिल रशीद पहले स्थान पर काबिज हैं। हालांकि, वेस्टइंडीज के अकील हुसैन ने 6 स्थानों की छलांग लगाकर दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। हुसैन ने ग्रुप राउंड के चार मैचों में 9 विकेट झटके हैं। श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा दूसरे स्थान से तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। अफगानिस्तान के राशिद खान, साउथ अफ्रीका एनरिक नॉर्खिया भी एक स्थान नीचे आ गए हैं।

सुख–चैन छीन सकती है स्मार्टफोन की लत, शरीर बन जाएगा बीमारियों का घर

जिस तरह स्मार्टफोन में हम दिन–रात खोए हैं, उससे सेहत को गंभीर और खतरनाक नुकसान पहुंच रहा है. कई रिसर्च में पता चला है कि लगातार फोन का इस्तेमाल या मोबाइल फोन के बिना एक पल भी न रह पाना नोमोफोबिया नाम की बीमारी हो सकती है. यह इतना खतरनाक है कि शरीर को बीमारियों का घर बना सकता है. नामोफोबिया स्मार्टफोन की लत को कहते हैं. दुनियाभर में हुए एक सर्वे में 84त्न स्मार्टफोन यूजर्स ने माना कि वे अपने फोन के बिना एक दिन भी नहीं गुजार सकते हैं. नोमोफोबिया का निगेटिव असर शारीरिक और मानसिक दोनों सेहत पर होती है. जानिए इसकी वजह से कौन–कौन सी बीमारियां हो सकती हैं...

नामोफोबिया की वजह से होने वाली बीमारियां

1. बैक बोन पर असर

यूनाइटेड कायरोप्रेक्टिक एसोसिएशन के अनुसार, लगातार फोन चलाने से कंधे और गर्दन झुक जाते हैं, जिसकी वजह से रीढ़ की हड्डी पर बुरा असर पड़ता है.

2. फेफड़ों की समस्या

लगातार फोन चलाने से गर्दन झुक जातीहै, जिसकी वजह से शरीर को पूरी या गहरी सांस लेने में दिक्कत होने लगती है. इसका फेफड़ों की सेहत पर असर पड़ता है.

3. टेक्स्ट नेक की प्रॉब्लम

फोन की स्क्रीन पर लगातार नजरें गड़ाए रखने से गर्दन के दर्द होने लगती है. जिसे टेक्स्ट नेक कहते हैं. लगातार टेक्स्ट मैसेज भेजने और वेब ब्राउजिंग करने वालों में ये समस्या ज्यादा देखने को मिलती है.

4. कंप्यूटर विजन सिंड्रोम

अमेरिकी विजन काउंसिल के सर्वे में पाया गया है कि 70त्न लोग स्मार्टफोन की स्क्रीन देखते समय अपनी आंखें सिकोड़ते हैं, जो आगे चलकर कंप्यूटर विजन सिंड्रोम बन जाता है. इसमें आंखों में सूजन और धुंधला नजर आने की समस्या होती है.

5. किडनी फेल हो सकती है

एक रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया में करीब 75त्न लोग अपना स्मार्टफोन बाथरूम में लेकर जाते हैं. जिससे हर 6 में से 1 फोन पर ई–कोलाई बैक्टीरिया मिल सकते हैं. इस बैक्टीरिया से डायरिया फैलने और किडनी फेल होने की आशंका रहती है.

6. नींद की समस्या

दो घंटे तक अगर फेस के सामने स्मार्टफोन की रोशनी पड़ती है तो 22त्न तक मेलाटोनिन कम हो जाता है. जिससे नींद की समस्या शुरू हो जाती है. एक सर्वे में पाया गया है कि स्मार्टफोन के लत की वजह से 12 प्रतिशत लोगों की पर्सनल लाइफ प्रभावित हुई है.

कोल्ड ड्रिंक्स पीते हैं तो सावधान हो जाइए, आपके दिल को नुकसान पहुंचा सकती है ये आदत

गर्मियों में कोल्ड ड्रिंक्स का ट्रेंड बढ़ जाता है. हर कोई दुकान पर कोल्ड ड्रिंक्स लेकर पीना पसंद करता है. अगर आप भी ऐसा करते हैं तो सावधान हो जाइए. क्योंकि ये सेहत के लिए हानिकारक हो सकते हैं. हाल ही में आई एक स्टडी में वैज्ञानिकों ने पाया कि जो लोग हफ्ते में दो बार कोल्ड ड्रिंक्स या मीठे पेय पीते हैं उनमें दिल की बीमारियों का खतरा 50त्न तक ज्यादा होता है.

वैज्ञानिकों ने बताया मार्केट में आसानी से उपलब्ध कोल्ड ड्रिंक्स, सोडा और मीठे पेय जैसे ऐडेड शुगर वाले ड्रिंक्स सेहत को गंभीर नुकसान पहुंचा सकते हैं. इसकी थोड़ी सी भी मात्रा भी गंभीर और जानलेवा हो सकती है.

कोल्ड ड्रिंक्स से हार्ट डिजीज का खतरा

एक स्टडी रिपोर्ट में शोधकर्ताओं ने पाया कि कम मात्रा में भी मीठे पेय पीना भी बहुत ज्यादा नुकसानदायक हो सकता है. हार्वर्ड के टीएच चौन स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ में फूड्स और न्यूट्रिशन रिसर्च साइंटिस्ट डॉ. लोरेना पचेको ने इन ड्रिंक्स के

खतरों से आगाह किया है.

1 लाख से ज्यादा लोगों पर हुए अध्ययन में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है नियमित तौर पर एक्सरसाइज करने वाले भी अगर हफ्ते में सिर्फ दो बार मीठे पेय पीते हैं, उनमें दिल की बीमारियों का खतरा 15त्न तक ज्यादा होता है. वहीं, जिन पार्टिसिपेंट्स ने हफ्ते में दो बार मीठे पेय लिए और एक्सरसाइज नहीं किया, उनमें हार्ट डिजीज का खतरा 50त्न ज्यादा देखा गया है.

अध्ययनकर्ताओं का कहना है कि अगर आप किसी रूप में चीनी का ज्यादा सेवन करते हैं, तो सेहत पर गंभीर नुकसान हो सकता है. लिक्विड के रूप में यह ज्यादा हानिकारक हो सकता है. डॉ. लोरेना पचेको के अनुसार, चीनी–मीठे पेय पदार्थों का सेवन करने से जितना संभव हो उतना बचना चाहिए. इससे दिल की बीमारियां ही नहीं, डायबिटीज, मोटापा और इंफ्लामेशन का रिस्क रहता है.

का कहना है कि हाई ग्लूकोज का लेवल और हाई इंसुलिन की वजह ब्लड वेसल्स को नुकसान पहुंचने, डायबिटीज और इसकी जटिलताओं का जोखिम रह सकता है. इंसुलिन प्रतिरोध भी हार्ट डिजीज के लिए एक बड़ा रिस्क रहता है. प्रोफेसर स्टेनली सलाह देते हैं कि मीठी चीजों से, खासकर एडेड शुगर से दूरी बनाकर ही रखना चाहिए.

अक्षय कुमार की सरफिरा का ट्रेलर रिलीज, अभिनेता के जुझारू अंदाज ने जीत लिया दिल

बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार यानी अक्षय कुमार इस साल भी अपनी कई फिल्मों से सबका मनोरंजन करने की तैयारी में हैं।आखिरी बार बड़े मियां छोटे मियां में टाइगर श्रॉफ के साथ दिखे अक्षय अब अपनी दूसरी फिल्म सरफिरा की रिलीज की तैयारियों में जुट गए हैं।जिस दिन से फिल्म का ऐलान हुआ था उसी दिन से दर्शकों को इसके ट्रेलर का इंतजार था। यह इंतजार खत्म हो गया है क्योंकि ट्रेलर ने यूट्यूब पर दस्तक दे दी है।सामने आए सरफिरा के ट्रेलर में अक्षय को एक ऐसे व्यक्ति का किरदार निभाते देखा जा रहा है, जो आम लोगों के लिए कम दामों में हवाई यात्रा करना संभव करना चाहता है। वह ऐसा करने के लिए अपनी एयरलाइन शुरू चाहता है।इस संकल्प को पूरा करने के लिए अक्षय को राजनेताओं के ऑफिस में चक्कर काटने से लेकर कई तरह की मुश्किलों का सामना करते दिखाया गया है।अक्षय इस जुझारू किरदार में काफी प्रभावित कर रहे हैं। अक्षय और राधिका मदान अभिनती सरफिरा दक्षिण भारतीय अभिनेता सूर्या की सुपरहिट फिल्म सोरारई पोटरू की आधिकारिक हिंदी रीमेक है।फिल्म के निर्देशन की कमान राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता सुधा कोंगारा कर रहे हैं। सुधा ने ही सोरारई पोटरू का निर्देशन किया था और उन्हें इसके लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा गया था।सरफिरा में राधिका और अक्षय के अलावा परेश रावल और सीमा बिस्वास भी अहम भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म 12 जुलाई, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।बॉक्स ऑफिस पर जहां अक्षय की बड़े मियां छोटे मियां का मुकाबला अजय देवगन की मैदान से देखने को मिला था, वहीं सरफिरा, साउथ सुपरस्टार कमल हासन की फिल्म इंडियन 2 से टकराएगी।इंडियन 2 का हिंदी संस्करण हिंदुस्तानी 2 के नाम से रिलीज किया जाएगा। इंडियन 2 के साथ ही जॉन अब्राहम और शरवरी वाघ की फिल्म वेदा भी 12 जुलाई को सिनेमाघरों का रुख करेगी।ऐसे में अक्षय की सरफिरा टिकट खिड़की पर दो फिल्मों से टकराएगी।अक्षय की आगामी फिल्मों की बात करें तो वह रोहित शेट्टी

की बहुप्रतीक्षित फिल्म सिंघम अगेन में अजय, रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण और करीना कपूर खान जैसे कलाकारों के साथ अहम भूमिका निभाते दिखेंगे।इसके साथ ही उनके पास अरशद वारसी के साथ फिल्म जॉली एलएलबी 3 भी है। उनके पास साजिद नाडियाडवाला निर्मित फिल्म वेलकम टू द जंगल भी है।यह फिल्म पहले 20 दिसंबर को दस्तक देने वाली थी। हालांकि, अब इसकी रिलीज को टाल दिया गया है।

अजय देवगन की फिल्म औरों में कहां दम था का पहला गाना तू हुआ रिलीज

अजय देवगन और तबू की ऑनस्क्रीन जोड़ी को फैंस बेहद पंसद करते हैं दोनों ने कई ब्लॉकबस्टर फिलमों में साथ काम किया है. वहीं अब अजय और तबू रोमांटिक ड्रामा फिल्म श्औरों में कहां दम थाय साल 2024 की मोस्ट अवेटेड फिल्म है. इस मूवी के पोस्टर और ट्रेलर ने पहले ही फिल्म के लिए फैंस की एक्साइटमेंट को बढ़ाया हुआ है वहीं अब मेकर्स ने आज श्औरों में कहां दम थाय का पहला गाना भी रिलीज कर दिया है. गाने में लीड जोड़ी के साथ ही शांतनु माहेश्वरी और सई मांजरेकर की फ्रेश जोडी नजर आ रही है. औरों में कहां दम था के मेकर्स ने फाइनली अपकमिंग फिल्म की एल्बम से पहला गाना श्तू होली के रंगों जैसी तू... चरिवील कर दिया है. इस सॉन्ग को ऑस्कर विनिंग एमएम कीरावनी ने कंपोज किया है और गीत मनोज मुंतशिर के हैं. सुखविंदर सिंह और जावेद अली ने इस ट्रैक को अपनी दमदार आवाज दी है. गाने में शांतनु माहेश्वरी और सई मांजरेकर के यंग रोमांस की मासूमियत के साथ–साथ अजय देवगन और तब्बू की केमिस्ट्री कमाल की लग रही है. गाने के एंड में होली का सीन भी है जहां अजय और तब्बू के किरदार एक दूसरे की आंखों खोए हुए नजर आते हैं.औरों में कहां दम था नीरज पांडे द्वारा लिखित और निर्देशित है. एक बयान में, फिल्म मेकर ने तुउ गाने के बारे में बात करते हुए कहा, ऐसा कहा जाता है कि प्यार के सात चरण होते हैं. तू एक ऐसा गाना है जो 4 मिनट और 11 सेकंड की ड्यूरेशन में इन सातों के एसेंस को दर्शाता है.बता दें कि औरों में कहां दम था कृष्णा और

वसुधा की एपिक लव स्टोरी है. कृष्णा और वसुधा का यंग रोल शांतनु और महेश्वरी में निभाया है. कृष्णा को मर्डर के आरोप में उम्रकैद की सजा मिलती है. 22 साल बाद वो जेल से बाहर निकलता है तो वो वसुधा से मिलता है.उसके बाद क्या–क्या सिचुएशन दोनों को फेस करनी पड़ती है ये फिल्म रिलीज होने के बाद ही पता चलेगा. बता दें कि ये फिल्म 5 जुलाई 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है. औरों में कहां दम था की स्टार कास्ट की बात करें तो फिल्म में अजय देवगन, तबू, शांतनु महेश्वरी, सई मंजरेकर, जिमी शेरगिल ने अहम रोल प्ले किया है.

बाक्स आफिस पर कार्तिक आर्यन की चंदू चैंपियन की दैनिक कमाई में गिरावट

कार्तिक आर्यन फिल्म चंदू चौंपियन को अपने करियर की सबसे बड़ी और महत्वपूर्ण फिल्मों में से एक मानते हैं। इस फिल्म के लिए उन्होंने कड़ी मेहनत की है।चंदू चौंपियन देश के पहले पैरालिंपिक स्वर्ण जीतने वाले मुरलीकांत पेटकर के जीवन पर आधारित है।

मुरलीकांत की भूमिका में कार्तिक की मेहनत बड़े पर्दे साफ झलकती है।वीकेंड पर बढ़िया कारोबार करने के बाद अब कामकाजी दिनों में चंदू चौंपियन की दैनिक कमाई में भारी गिरावट दर्ज की गई है।ऑक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, चंदू चौंपियन ने अपनी रिलीज के चौथे दिन यानी सोमवार को 4.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 26.25 करोड़ रुपये हो गया है।चंदू चौंपियन ने 4.75 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरुआत की थी।वीकेंड पर इस फिल्म की कमाई में इजाफा हुआ। शनिवार को यह फिल्म 7 करोड़ रुपये और रविवार को 9.75 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही।चंदू चौंपियन का निर्देशन कबीर खान ने किया है, वहीं इसके निर्माता साजिद नाडियाडवाला हैं।यह फिल्म गिरकर उठना और उठकर दौड़ना सिखाती है। ये कहानी है भारत के पहले पैरालम्पिक गोल्ड मेडल विजेता मुरलीकांत राजाराम पेटकर की। फिल्म की कहानी और कार्तिक की अदाकारी की खूब तारीफ हो रही है।राजपाल यादव, विजय राज और भुवन अरोड़ा भी इस फिल्म का अहम हिस्सा हैं।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चंदू चौंपियन अमेजन प्राइम वीडियो पर दस्तक दे सकती है।

वेब सीरीज मिर्जापुर 3 का टीजर जारी, इस बार आर या पार की होगी लड़ाई

अमेजन प्राइम वीडियो पिछले दो हफ्ते से मिर्जापुर 3 के पोस्टर और वीडियो के जरिए इसकी रिलीज डेट को लेकर लगातार दर्शकों को हिंट दे रहा है। इसी बीच अब मेकर्स ने हाल ही में मिर्जापुर 3 का टीजर रिलीज कर दिया है, जिसमें पहले के दो सीजन से भी ज्यादा खौफ और भौकाल देखने को मिल रहा है।सामने आए टीजर ने दर्शकों का दिल और दिमाग झकझोर कर रख दिया है।मिर्जापुर 3 के टीजर की शुरुआत जंगल में शेरों की झलकियों से होती है और बैकग्राउंड में बाउजी कुलभूषण खरबंदा की आवाज सुनाई दे रही है। जो सीरीज के सभी स्टारकास्ट की तुलना किसी न किसी जानवर से करते हुए दिखाई दे रहे हैं। शेर से भिड़ने के लिए इस बार जंगल में जंगली बिल्लियां चालाक लोमड़ियां और तूफानी चीता तैयार है। इन सभी की नजरें मिजार्पुर के सिंहासन पर है। ट्रेलर में अपना दबदबा कायम रखने के लिए कहानी का हर किरदार नए दांव–पेंच लगाता नजर आ रहा है। अब देखने ये दिलचस्प होगा कि जंगली बिल्ली, चालाक लोमड़ी का रास्ता काट पाने में कितनी सफल होंगी, ये देखने के लिए आपको जुलाई तक का इंतजार करना होगा। फिलहाल मिर्जापुर 3 के टीजर ने आते ही सोशल मीडिया पर घमासान मचा दिया है। फैंस टीजर को काफी पंसद कर रहे हैं। टीजर रिलीज ने फैंस का एक्साइटमेंट बढ़ा दिया है। वहीं टीजर के साथ ही मिर्जापुर 3 सीरीज का प्रीमियर डेट भी सामने आ गया है। 10 एपिसोड की इस सीरीज का प्रीमियर 5 जुलाई को भारत और दुनिया भर में होने जा रहा है। एक्सेल मीडिया एंड एंटरटेनमेंट द्वारा प्रोड्यूस और क्रिएट की गई इस क्राइम–थ्रिलर सीरीज को दर्शकों ने काफी पसंद किया है, जिसका निर्देशन गुरमीत सिंह और आनंद अय्यर ने किया है। इस सीरीज में पंकज त्रिपाठी, अली फजल, श्वेता त्रिपाठी शर्मा,अंजुम शर्मा, प्रियांशु पेन्युली, हर्षिता शेखर गौड़, राजेश तैलंग, रसिका दुगल, विजय वर्मा, ईशा तलवार, शीबा

चड्ढा, मेघना मलिक और मनु ऋषि चड्ढा सहित कई शानदार कलाकारों ने अहम किरदार निभाए हैं। वहीं आपको बता दें कि मिर्जापुर का पहला सीजन 2018 में और दूसरा सीजन का प्रीमियर अक्टूबर 2020 में हुआ था, जिसे लोगों ने खूब पसंद किया था। वहीं अब फैंस इस शो के तीसरे सीजन को लेकर काफी एक्साइटेड नजर आ रहे हैं।

इश्क विश्क रिबाउंड से बालीवुड में क्यों डेब्यू कर रही हैं, पश्मीना रोशन ने किया खुलासा

सुपरस्टार ऋतिक रोशन की कजिन पश्मीना रोशन अपकमिंग रोमांटिक कॉमेडी इश्क विश्क रिबाउंड से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। यह फिल्म 21 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि आखिर क्यों उन्होंने इस फिल्म को साइन किया।इस फिल्म को डायरेक्ट निपुण धर्माधिकारी ने किया है।पश्मीना ने बताया कि किस वजह से उन्होंने इस फिल्म को हां कहा। उन्होंने कहा, सबसे पहले, ऐसी आइकोनिक फ्रेंचाइजी के साथ काम करना मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। यह एक रोमांटिक फिल्म है और मेरी पसंदीदा शैली रोमांस और रोमांटिक कॉमेडी है।उन्होंने आगे कहा, यह हमारी जनरेशन के यूथ लव को दिखाता है। इसलिए इस प्रोजेक्ट को करना, कुछ ऐसा है जिससे हम सभी बहुत ज्यादा कनेक्ट होते हैं। भले ही ऐसी चीजें हमारे लाइफ में न हुई हो, जिनसे हमारा कैरेक्टर गुजरा है। लेकिन यह थीम जुड़ाव महसूस कराता है।इसे एक बेहतरीन शुरुआत बताते हुए पश्मीना ने कहा, जैसे–जैसे चीजें आगे बढ़ीं, म्यूजिक आया, हमारे साथ बहुत अच्छा ट्रीट किया गया, हमारा बहुत ख्याल रखा गया... यह मेरा डेब्यू है और मुझे लगता है कि यह एकदम सही है... मेरे लिए सब कुछ सही रहा।पश्मीना ने कहा कि उन्हें कोई...मिल गया के सेट पर सिनेमा के प्रति लगाव अधिक बढ़ा।पश्मीना ने कहा, मैं और मेरी बहन सुरनिका सेट पर जाते थे, और यह हमारे लिए धरती पर सबसे खुशनुमा जगह हुआ करती थी। हमें ऐसा लगता था कि हमें अब कभी घर वापस जाने के लिए न बोला जाए। यहीं से मैंने सीखा कि मुझे सेट पर रहना अच्छा लगता है। मैंने स्कूल में थिएटर किया था। मेरी एक बहुत अच्छी टीचर मिसेज अमला थीं, जो काम के प्रति इतनी पैशनेट थी कि उन्होंने हममें भी वह पैशन भर दिया। मुझे लगता है कि उस क्लास का हर कोई क्रिएटिव फील्ड में चला गया है, और इसका काफी श्रेय उन्हें जाना चाहिए।उन्होंने कहा, इन दो उदाहरणों से मुझे पता चला कि परफॉर्मिंग आर्ट्स में होना कैसा होता है। मुझे हमेशा लगता था कि मैं किसी और चीज से ज्यादा एक कलाकार हूं और यही बात मुझे सबसे ज्यादा खुशी देती है।श्मीना ने आगे बताया कि उन्हें अपने बड़े भाई ऋतिक से क्या सलाह मिली है।उन्होंने कहा, एक समय था जब मैं यह तय कर रही थी कि मुझे मार्केटिंग में अपना करियर बनाना चाहिए या नहीं। मैं खुद को लेकर कंफ्यूज थी कि मैं इस फील्ड में रहने के लिए अच्छी हूं या नहीं। उस वक्त, न केवल ऋतिक, बल्कि मेरे परिवार के सभी लोगों ने मुझे सलाह दी कि अगर आप हर दिन अपना मन किसी काम में लगाते हैं और वह काम करते रहते हैं तो आप जो चाहें हासिल कर सकते हैं।उन्होंने कहा, यह एक ऐसी बात है जिसे मैं सिर्फ फिल्मों के लिए ही नहीं, बल्कि जो कुछ भी काम मैं करती हूं, उसके लिए अपनाती हूं। अगर मैं कुछ करना चाहती हूं, तो मैं उसे पूरी लगन से करने की कोशिश करती हूं। मैं अपने गोल तक चलकर या दौड़कर जाऊंगी, अगर मैं दौड़ नहीं सकती, तो मैं रेंगकर जाऊंगी। यही सलाह मुझे दी गई और यही मैंने उन्हें करते देखा है।टिप्स फिल्म्स के तहत रमेश तौरानी और जया तौरानी द्वारा निर्मित इस फिल्म में रोहित सराफ, पश्मीना रोशन, जिबरान खान और नायला ग्रेवाल नजर आने वाले हैं। यह 21 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

किल का पहला गाना कावा कावा हुआ रिलीज, लक्ष्य लालवानी का दिखा खूंखार अवतार

करण जौहर पिछले लंबे समय से अपनी आगामी फिल्म

किल को लेकर चर्चा में हैं।यह फिल्म इसलिए ज्यादा खास है क्योंकि इसके जरिए छोटे पर्दे के प्रसिद्ध अभिनेता लक्ष्य लालवानी बॉलीवुड की दुनिया में कदम रखने जा रहा हैं। हाल ही में निर्माताओं ने किल का ट्रेलर जारी किया था, जिसे दर्शकों का खूब प्यार मिला।अब फिल्म का पहला गाना कावा कावा रिलीज हो गया है, जिसे सुधीर यदुवंशी, संज वी और शाश्वत सचदेव ने मिलकर गाया है। कावा कावा गाने के बोल शाश्वत सचदेव ने लिखे हैं। गाने में लक्ष्य का खूंखार अवतार दिख रहा है।करण अपने प्रोडक्शन हाउस धार्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले फिल्म किल के जरिए लक्ष्य को दर्शकों के बीच पेश करने वाले हैं। उन्होंने इस फिल्म का निर्माण गुनीत मोंगा के साथ मिलकर किया है।किल 5 जुलाई, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। फिल्म में लक्ष्य धमाकेदार एक्शन करते दिखेंगे। अब तक आपने लक्ष्य लालवानी को टीवी सीरियल या एमटीवी के कुछ शोज में देखा होगा लेकिन फिल्म किल से लक्ष्य का बॉलीवुड डेब्यू हो रहा है और इस फिल्म में उनका खूंखार रूप देखने को मिलेगा। टीजर में तो आपने उनका एक्शन देख ही लिया होगा जिसमें एक्शन के साथ–साथ सस्पेंस और थ्रिलर भी दिख रहा है. फिल्म किल के टीजर में लव स्टोरी तो दिखाई गई लेकिन इसमें ट्विस्ट कैसे आता है,

विलेन कहां से और क्यों आते हैं. फिल्म एक ही ट्रेन में सिमटकर रहेगी क्या? ऐसे कई सवाल इस टीजर को देखने के बाद आप कह सकते हैं फिल्म किल एक्शन पैक्ड फिल्म है और अगर आपको एक्शन सस्पेंस और थ्रिलर पसंद है तो ये फिल्म आपको खूब पसंद आने वाली है.

बाक्स आफिस पर फिल्म मुंज्या की पकड़ बरकरार, 60 करोड़ रुपये की ओर दैनिक कमाई

मोना सिंह, अभय सिंह और शरवरी वाघ जैसे सितारों से सजी फिल्म मुंज्या का खुमार दर्शकों के सिर चढ़कर बोल रहा है।फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज का दूसरा सप्ताह चल रहा है और यह अपनी पकड़ मजबूत बनाए हुए है।वीकेंड पर बढ़िया प्रदर्शन करने के बाद मुंज्या कामकाजी दिनों में भी बॉक्स ऑफिस पर खूब नोट छाप रही है।आइए जानते हैं फिल्म मुंज्या ने अपनी रिलीज के 11वें दिन कितने करोड़ रुपये कमाए।

बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, मुंज्या ने रिलीज के 11वें दिन यानी दूसरे सोमवार 5 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 58.80 करोड़ रुपये हो गया है।मुंज्या में वरुण धवन ने मेहमान की भूमिका निभाई है। हॉरर के साथ कॉमेडी के तड़के से भरपूर इस फिल्म का निर्देशन आदित्य सरपोतदार ने किया है।दिनेश विजान इसके निर्माता हैं। रूही और स्त्री के बाद यह दिनेश की तीसरी हॉरर–कॉमेडी फिल्म है।मुंज्या तूफानी रफ्तार से कमाई कर रही है. फिल्म ने अपनी लागत से कई गुना ज्यादा कारोबार कर लिया है. वहीं अब ये फिल्म 60 करोड़ का आंकड़ा छूने से इंचभर दूर रह गई है. इसी के साथ ये फिल्म अब 100 करोड़ के क्लब में शामिल होने की ओर बढ़ रही है. अब देखने वाली बात होगी की मुंज्या बॉक्स ऑफिस पर शतक कब लगाती है.7 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई आदित्य सरपोतदार द्वारा निर्देशित मुंज्या में शरवरी, अभय वर्मा, मोना सिंह, सत्यराज, सुहास जोशी और कई अन्य कलाकारों ने प्रमुख भूमिकाएं निभाई है. इस फिल्म का निर्माण मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले दिनेश विजन और अमर कौशिक ने किया है. ये फिल्म मैडॉक सुपरनैचुरल यूनिवर्स की चौथी फिल्म है और यह भारतीय लोककथाओं और पौराणिक कथाओं से प्रेरित मुंज्या की कथा के इर्द–गिर्द घूमती है.

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, गुरूवार 20 जून 2024
sheelshukla100@gmail.com

यूपी–एमपी के अधिकारियों के साथ संयुक्त बाढ़ नियंत्रण समिति की अन्तर्जनपदीय बैठक संपन्न

मीरजापुर। मण्डलायुक्त विन्ध्याचल मण्डल डॉ मुथुकुमार स्वामी बी एवं मण्डलायुक्त रीवा सम्भाग मध्य प्रदेश जीसी डाड की अध्यक्षता में उत्तर प्रेदश एवं मध्य प्रदेश राज्य की संयुक्त बाढ़ नियंत्रण समिति की बैठक आयुक्त सभागार मीरजापुर में आहूत की गयी। बैठक में जिलाधिकारी मीरजापुर प्रियंका निरंजन, अपर आयुक्त विन्ध्याचल मण्डल आशीष मिश्रा, अपर पुलिस अधीक्षक नक्सल ओम प्रकाश सिंह एवं अधीक्षक अभियन्ता सिंचाई के अलावा सिंचाई विभाग मीरजापुर के सभी अधिकारी बैठक में उपस्थित रहें तो वहीं मण्डलायुक्त रीवा मण्डल, पुलिस उप महानिरीक्षक रीवा जोन साकेत प्रकाश पाण्डेय, जिलाधिकारी रीवा मध्य प्रदेश श्रीमती प्रतिभा पाल, पुलिस अधीक्षक रीवा विवेक सिंह, के अलावा जिलाधिकारी सोनभद्र चन्द्र विजय सिंह, पुलिस अधीक्षक सोनभद्र यशवीर सिंह के अलावा रीवा मण्डल के सिंचाई व बाढ़ से सम्बन्धित अधिकारी वर्चुअल माध्यम से बैठक में उपस्थित रहें। बैठक में दोनों प्रदेश के बाढ़ प्रभावित जनपदों, क्षेत्रों में बाढ़ नियंत्रण के लिये सिरसी, मेजा तथा अदवा बांधो के जल भराव सारणी एवं आपरेशन मैनुअल मध्य प्रदेश के अधिकारियों को उपलब्ध कराने के साथ ही पुनरीक्षित किये जाने के सम्बन्ध में चर्चा की गयी। बैठक में रीवा मण्डल के मण्डलायुक्त ने कहा कि मध्य प्रदेश जल संशाधन विभाग गंगा कछार रीवा के अधिकारियों द्वारा उत्तर प्रदेश स्थित अदवा एवं सिरसी बांधो की जल भराव सारणी एवं रेगुलेशन आर्डर में प्रस्तुत प्रस्ताव 15 अगस्त से 30 सितम्बर 2024 तक की अवधि में यह सुझाव दिया गया कि बांधो में पानी का स्तर मान्य किया जाए इस सम्बन्ध में उत्तर प्रदेश के सिंचाई विभाग के अधिकारियों के द्वारा मण्डलायुक्त को अवगत कराया गया कि सिंचाई एवं पेयजल हेतु वर्षा प्रारम्भ होते हुये बांधो में जल भराव किया जाना आवश्यक होता है परन्तु मध्य प्रदेश की स्थिति को दृष्टिगत रखते हुये मध्य प्रदेश के अधिकारियों के समुचित चर्चा एवं समन्वय स्थापित करते हुये बांधो से पानी छोड़ने की कार्यवाही की जायेगी। मण्डलायुक्त विन्ध्याचल मण्डल ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि रीवा एवं मीरजापुर एवं सोनभद्र के अधिकारियों से समन्वय स्थापित करते हुये सिरसी, मेला तथा अदवा बांधो के जल भराव एवं इससे छोड़े गये जल प्रवाह की जानकारी मध्य प्रदेश के अधिकारियों को उपलब्ध कराने हेतु व्हाट्सएप अथवा व्यक्तिगत मोबाइल दोनो माध्यम तथा वायरलेस के माध्यम से समय–समय पर उपलब्ध करायी जाए। बैठक में बांधो के जल ग्रहण क्षेत्रो तथा उनके डाउनस्ट्रीम में स्थापित वर्षामापी केन्द्रों की जानकारी तथा आवश्यकतानुसार अतिरिक्त केन्द्र स्थापित किये जाने के सम्बन्ध में भी चर्चा की गयी। बैठक में यह भी चर्चा की गयी कि बांधो से अधिक पानी छोड़ा जाना आवश्यक हो तो इसकी जानकारी समय से दोनो प्रदेश के अधिकारी एक दूसरे से समन्वय स्थापित कर उपलब्ध करायी जाए ताकि सम्भावित उपायो को सुनिश्चित कराया जा सकें। उत्तर प्रदेश के सिंचाई विभाग के अधिकारियों के द्वारा मध्य प्रदेश के अधिकारियों से अपेक्षा की गयी कि बाढ़ की स्थिति निर्मित होने पर कंटेजेंसी प्लान के तहत कार्यवाही की जाए। मण्डलायुक्त विन्ध्याचल मण्डल ने सभी अधिकारियों से कहा कि गत वर्षो की भातिं उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं सिंचाई विभाग द्वारा संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुये उपरोक्त सभी बिन्दुओ पर पूर्ण समन्वय एवं सहयोग सुनिश्चित किया जाए। उन्होने कहा कि दोनो प्रदेशो के सम्बन्धित अधिकारी वर्षा के काल के दौरान जल भराव की स्थिति के सम्बन्ध में समय–समय पर आपस में चर्चा करेंगे तथा बाढ़ की स्थिति, अतिवृष्टि, अथवा बेलन नदी के पानी छोड़ने की स्थिति में प्रति घण्टे स्थिति पर सतत नजर रखते हुये चर्चा करते रहें।

मनुष्य को शिक्षा की आवश्यकता आजीवन होती है- डा. राम मनोहर

प्रयागराजज(आरएनएस)। ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज में आयोजित दस दिवसीय नवचयनित आचार्य प्रशिक्षण वर्ग के तीसरे दिन का प्रारंभ वन्दना सत्र से हुआ जिसमें मुख्य वक्ता के रुप में विद्या भारती के क्षेत्रीय सह संगठन मंत्री डॉ0 राम मनोहर उपस्थित रहे। उनका स्वागत विद्यालय के प्रधानाचार्य विक्रम बहादुर सिंह परिहार ने स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्रम तथा श्रीफल देकर किया।

वन्दना सत्र के पश्चात् डॉ0 राम मनोहर का पाथेय नवचयनित आचार्य आचार्यों को प्राप्त हुआ, जिसमें उन्होंने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे पास जो कुछ भी ज्ञान है वह इन्द्रियजनित अनुभव है। इसके अलावा इन्द्रियातीत अनुभव होता है उसकी यात्रा हमारे ऋषि मुनियों ने की है। विद्या वह माध्यम है जिसके द्वारा मनुष्य जन्म मरण के बन्धन से मुक्त हो जाता है। मनुष्य को शिक्षा की आवश्यकता आजीवन होती है। ज्ञान प्राप्त करने की कोई उम्र नहीं होती है।

उन्होंने नई शिक्षा नीति के अंतर्गत सूत्र का विस्तार से वर्णन करते हुए कहा कि बालक की शिक्षा गर्भ से ही प्रारम्भ हो जाती है जिसके सम्बन्ध में उन्होंने कहा कि 0 से 3 वर्ष की शिक्षा माता पिता एवं घर के वातावरण पर आधारित होती है। दस दिनों तक चलने वाले इस नवचयनित आचार्य प्रशिक्षण वर्ग में प्रतिदिन विभिन्न सत्रों जैसे – वैचारिक सत्र, शैक्षिक सत्र, क्रियात्मक सत्र, चर्चात्मक सत्रों में आचार्य आचार्यों को विभिन्न विद्वतजनों के द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा।

ग्राम पंचायतों में पेयजल आपूर्ति की वास्तविक स्थिति के सत्यापन हेतु ब्लाकवार की गयी बैठक

मीरजापुर। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन के निर्देश के क्रम में मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार ने जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद के समस्त ग्रामों में पेयजल आपूर्ति की वास्तविक स्थिति के सत्यापन के लिए सभी खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि विकास खण्डवार ग्राम प्रधानों एवं ग्राम सचिवों की बैठक करायी जाय। इस क्रम में विगत दिनों विकास खण्ड राजगढ़ की बैठक विकास भवन में मुख्य विकास अधिकारी, मीरजापुर की अध्यक्षता में आयोजित की गयी, जिसमें 40 ग्राम पंचायतों के ग्राम प्रधानगण, प्रतिनिधि, 14 ग्राम पंचायतों के ग्राम विकास अधिकारी, सचिव, एडीओ पंचायत एवं सम्बन्धित खण्ड विकास अधिकारी तथा अपर जिलाधिकारी, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति, मीरजापुर, अधिशासी अभियन्ता, उप्र जल निगम (ग्रामीण) एवं सम्बन्धित कार्यदायी फर्मों के परियोजना प्रबन्धक उपस्थित रहे। समस्त ग्राम पंचायतों में पेयजल आपूर्ति में पायी गयी कमियों को एक सप्ताह में ठीक कराने हेतु कार्यदायी फर्म मे. मेघा इंजीनियरिंग लिमिटेड को निर्देशित किया गया। इसी क्रम में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में विकास खण्ड पटेहरा कलां में जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अन्तर्गत पेयजल आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। जिसमें कुल 17 ग्राम पंचायतों के ग्राम प्रधान, प्रतिनिधि, 8 ग्राम पंचायतों के ग्राम विकास अधिकारी, सचिव, सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) एवं खण्ड विकास अधिकारी श्री बीरभानू सिंह, अपर जिलाधिकारी, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति, मीरजापुर, अधिशासी अभियन्ता, खण्ड कार्यालय, उप्र जल निगम (ग्रामीण), मीरजापुर तथा कार्यदायी फर्म मे. जीवीपीआर इंजीनियर्स लिमिटेड के प्रोजेक्ट मैनेजर सेन्थिल कुमार अपनी टीम के साथ उपस्थित रहे। गहन समीक्षा के दौरान पाया गया कि लगभग आधे दर्जन ग्राम पंचायतों में 80 से 90 प्रतिशत घरों में जलापूर्ति की जा रही है शेष ग्राम पंचायतों में 40–60 प्रतिशत घरों में जलापूर्ति हो रही है, कुछ ग्रामों में पाइप लाइन चोक होने, लीकेज होने तथा अन्य कार्यदायी संस्थाओं द्वारा पाइप लाइन क्षतिग्रस्त किये जाने की शिकायतें प्राप्त हुयी जिसे अविलम्ब ठीक कराने हेतु कार्यदायी फर्म को निर्देशित किया गया। 24 राजस्व ग्रामों में जलापूर्ति प्रारम्भ नहीं की जा सकी है। इस सम्बन्ध में पृच्छा करने पर कार्यदायी फर्म द्वारा अवगत कराया गया कि उपरोक्त ग्रामों में पाइप लाइन टेस्टिंग एवं कमीशनिंग का कार्य प्रगति पर है। इसके अतिरिक्त पेयजल योजना के जल स्रोत सिरसी जलाशय में पर्याप्त जल उपलब्ध न होने के कारण प्रगति बाधित है, जलाशयों में पर्याप्त जल उपलब्ध होने पर तीव्रता के साथ शेष ग्रामों में कमीशनिंग का कार्य पूर्ण कर जलापूर्ति प्रारम्भ कर दी जायेगी। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा कन्सलटेन्सी एजेन्सी पीएमसी टीपीआई एवं जल निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि स्थलीय निरीक्षण करते हुये समस्त कमियों को प्राथमिकता के आधार पर दूर करें।

अमृत उद्यान सुखवा ग्रामीणों परेशान ग्रामीण खुद कर रहे हैं साफ–सफाई

मीरजापुर। विकासखंड राजगढ़ क्षेत्र के धनसिरिया ग्राम पंचायत में अमृत उद्यान देखरेख के अभाव में धीरे–धीरे खंडहर में तब्दील हो चला है। राजगढ़ क्षेत्र के धनसिरिया गांव में बना लाखों रुपए की लागत से अमृत उद्यान देखरेख के अभाव में अमृत उद्यान झाड़ियां से पट गया है। धनसिरिया गांव के सरदार पटेल मिनी स्टेडियम के परिसर में अमृत उद्यान वर्ष 2022 23 में लाखों रुपए की लागत से जिसका खर्च 926809 रुपए की लागत से अमृत उद्यान बनवाया गया था। ग्रामीण खुद घास की साफ सफाई कर रहे हैं ताकि यहां पर फिर से इस स्कूली बच्चों का आना शुरू हो जाए और यह उद्यान हरा भरा के अलावा खूबसूरत दिखें। पानी बिना पेड़ पौधे सूख रहे हैं। इसको देखने के लिए ग्राम प्रधान के पास समय नहीं है।साफ सफाई के नाम पर कुछ नहीं हो रहा है ब्लॉक अधिकारी मौन धारण किए हुए हैं। अगर ऐसे ही चला रहा तो पेड़ पौधे सूख जाएंगे हर साल वृक्ष लगाओ के तहत जोर से तैयारी की जाती है। लेकिन ग्राम प्रधान अमृत उद्यान में जाना उचित नहीं समझते हैं। ग्राम पंचायत में पेड़ पौधे पानी बिना सूखते जा रहे हैं। पारिजात का पेड़ रात रानी सुख कर खत्म हो चुके हैं। पानी न मिलने से और तरह के पेड़ पौधे सूख कर खत्म हो चुके हैं। उद्यान परिसर में लगाए गए पेड़ पौधे सुख कर खत्म हो रहे हैं। इसी अमृत उद्यान परिसर में बाबा साहेब अंबेडकर की प्रतिमा और सरदार पटेल की प्रतिमा के चारों तरफ बड़े–बड़े घास उगे हुए हैं लेकिन साफ सफाई के नाम पर महीनो से कुछ नहीं हो रहा है। पानी के लिए पेड़ पौधों को तरसना पड़ रहा है। गांव के ही ग्रामीणों सुभाष सिंह, रामचंद्र त्यागी, सतीश कुमार, बाबू नंदन सिंह ,सोनू, सानू, सोमारू ने जब देखा तो 200 मी लगभग पाइप जोड़कर अमृत उद्यान को पानी से सीचकर हरा भरा करने में लगे हुए हैं। और साफ सफाई भी कर रहे हैं यह काम ग्राम पंचायत का है। स्कूल की छुट्टियां होने पर स्कूली बच्चे यहां आकर अमृत उद्यान परिसर में लगा जिम पार्क में योगाभ्यास कसरत करते थे ,और परिसर में इतने बड़े–बड़े घास उग गए हैं कि यहां अब बच्चे आना छोड़ दिए हैं। सरदार पटेल मिनी स्टेडियम का भी यही हाल है स्टेडियम परिसर में कितने बड़े–बड़े घास गए हैं कि लोगों का यहां पर टहलने मुश्किल हो रहा है। खेल का सामान यहां पर नदारत है यहां पर खेल सामान भी ग्राम वासियों को नहीं दिया गया है निजी खर्चे पर सामान खरीद कर परिसर में खेलते दिखाई देते हैं। साफ सफाई के नाम पर केवल कोरम पूरा किया जाता है। इस संबंध में जब खंड विकास अधिकारी राजगढ़ रमाकांत से बात हुई तो उन्होंने कहा कि पानी बिना पेड़ पौधे नहीं सूखने चाहिए। पानी होते हुए पेड़ पौधे सूख रहे हैं जो प्रकृति के लिए अच्छे नहीं हैं ।उन्होंने कहा कि प्रधान से बात करके अमृत उद्यान में पानी और साफ सफाई की व्यवस्था करें। जिससे सुबह–सुबह मॉर्निंग वॉक करने वालों को असुविधा न हो।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए राज्य के 36 फुटबश्वलर कर रहे है कड़ी मेहनत

प्रयागराज(आरएनएस)। फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पेफी) द्वारा वर्दमान पश्चिम बंगाल में 22 जून से अंडर–17 राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है जिसमे उत्तर प्रदेश राज्य फुटबॉल टीम भी प्रतिभाग करेगी।

फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पेफी), खेल एवं युवा मंत्रालय, भारत सरकार, द्वारा प्रमाणित एक राष्ट्रीय प्रोत्साहन संस्था है।पेफी उत्तर प्रदेश के सचिव नंदिनी रावत के अनुसार उत्तर प्रदेश फुटबॉल टीम के चयन हेतु फाइनल चयन ट्रायल्स के बाद कुल 36 फुटबॉल खिलाड़ियों का चयन फाइनल प्रशिक्षण शिविर में किया गया है जो की प्रयागराज में 12 जून से प्रारम्भ हो गया है। फुटबॉल प्रशिक्षक इंद्रनील घोष एवं सहायक प्रशिक्षक राहुल वर्मा मैनेजर दिनेश यादव की दिशा निर्देश में सभी चयनित खिलाड़ियों को उच्च स्तरिये प्रशिक्षण दिया जा रहा है एवं इसी में से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को उत्तर प्रदेश की राज्य टीम में जगह प्राप्त होगी।प्रशिक्षण शिविर प्रातःकाल में सी ऐ वी इंटर कॉलेज सिविल लाइन एवं सांयकाल में विष्णु भगवान पब्लिक स्कूल झलवा में चल रही है। चयनित खिलाड़ियों में प्रयागराज के 11, मेरठ के 10, आगरा के 3, वाराणसी 3, बस्ती 2, लखनऊ के 3, कानपुर – नोएडा से 2–2 कुल मिलाकर 36 फुटबॉल खिलाडी शामिल है।

नई ऊर्जा के साथ पार्टी अभियान में लग जाएं कार्यकर्ता- राजेंद्र मिश्र

प्रयागराज(आरएनएस)। लोकसभा चुनाव में कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम की प्रशंसा करते हुए महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्र ने कहा कि कार्यकर्ता अब एक नई ऊर्जा के साथ आने वाले दिनों में पार्टी द्वारा जो अभियान चलाए जाएंगे उनमें अपनी पूरी भागीदारी सुनिश्चित करें और अभियानों को सफल बनाएं।

सिविल लाइन स्थित पार्टी कार्यालय में आहूत कामकाजी बैठक में 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस से लेकर 6 जुलाई श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती तक के कार्यक्रम की रूपरेखा बनाई गई। जिसके तहत 21 जून को योग दिवस के अवसर पर महानगर के तीनों विधानसभा क्षेत्रों (उत्तरी, दक्षिणी, पश्चिमी) में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके लिए विधानसभा स्तर पर कार्यक्रम प्रभारी बना दिए गए हैं जो अपने अपने क्षेत्रों में योग दिवस के कार्यक्रमों की पूरी मॉनिटरिंग करेंगे। 23 जून को श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर सिविल लाइन स्थित पार्टी कार्यालय में संगोष्ठी का आयोजन किया जायेगा। इसके अलावा महानगर के सभी 1216 बूथों पर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं गोष्ठी का आयोजन किया जायेगा। इसी दिन 23 जून से वृक्षारोपण कार्यक्रम की शुरुआत होगी जिसका समापन 6 अध्यक्ष राजेंद्र मिश्र, मुरारी लाल अग्रवाल, देवेश सिंह, रमेश पासी, शिवा त्रिपाठी, राजेश गोंड, अर्चना शुक्ला,संजय श्रीवास्तव, आनंद दूबे, अविनाश दूबे, सुमित वैश्य, राकेश भारती, प्रमोद मोदी, उज्ज्वल सचदेवा, प्रशांत शुक्ला, मो शरीफ, विजय श्रीवास्तव, रोहित जायसवाल, अनिल भट्ट, राघवेंद्र मिश्र, शशि वाष्णेय, राम जी शुक्ला, विजय गुप्ता, शिखा रस्तोगी, राघवेंद्र कुशवाहा, आनंद जयसवाल, लवलेश मिश्र, अवनीश तिवारी, श्याम प्रकाश पांडेय, मनीष गुप्ता, मीडिया प्रभारी विवेक मिश्र आदि उपस्थित रहे।

चोरों ने ग्राहक सेवा केंद्र का ताला तोड़कर नकदी व लैपटाप किया पार

सिराथू, कौशाम्बी। सैनी कोतवाली क्षेत्र के स्थानीय कस्बे में स्थित ग्राहक सेवा केंद्र में बीती रात चोरों ने पीछे के दरवाजे का ताला तोड़कर ग्राहक सेवा केंद्र के काउंटर से नकदी व लैपटॉप पार कर दिया सुबह ग्राहक सेवा केंद्र संचालक दुकान गया तो ताला टूटा देख दंग रह गया और मामले की सूचना पुलिस को दी।

सैनी कोतवाली क्षेत्र के खोचकीमई गांव निवासी अनिल कुमार मौर्य पुत्र कन्हैया लाल सैनी कस्बे में एक बैंक का ग्राहक सेवा केंद्र व सहज जन सेवा केंद्र चलाता है। अनिल कुमार ने बताया की मंगलवार की रात आठ बजे दुकान बंद कर घर चला गया बुधवार की सुबह जब दुकान पहुंचा तो दुकान के पीछे का ताला टूटा हुआ था जब दुकान के अंदर गया तो काउंटर में रखे बीस हजार की नकदी व एक लैपटॉप चोर उठा ले गए। जिसके बाद अनिल कुमार ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर कार्यवाही की मांग की है।

लोंहदी नदी के जीर्णोद्वार कार्य प्रगति का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

'कार्य के धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुये खण्ड विकास अधिकारी को कार्य में तेजी लाने का दिया निर्देश

मीरजापुर। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने आज सिटी विकास खण्ड के भ्रमण के दौरान लोंहदी नदी के जीर्णोद्धार के दृष्टिगत बरकछा खुर्द में पहुंचकर प्रगति कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कार्य की धीमी प्रगति देख जिलाधिकारी ने सम्बन्धित सचिव को कड़ी फटकार लगाते हुये खण्ड विकास अधिकारी सिटी को चेतावनी देते हुये निर्देशित किया कि खोदाई कार्य में तेजी लाई जाए उन्होंने नदी की चौड़ाई व गहराई कम लेने पर भी नाराजगी व्यक्त तथा उप जिलाधिकारी सदर को दूरभाष पर ही वार्ता कर तहसीलदार की अध्यक्षता में टीम गठित करते हुये सम्बन्धित लेखपाल से तत्काल नदी की चौड़ाई सरकारी दस्तावेज में दर्ज के अनुसार नाप करवाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि नदी के किनारे पाटकर अवैध रूप से किये गये कब्जा को

नाप के पश्चात तत्काल हटाना सुनिश्चत करें तथा खण्ड विकास अधिकारी नदी के तलहटी की पूरी चौड़ाई में खोदाई कर मिट्टी को ऊपर भीटे पर डलवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि पूर्व में नदी की नाप कराकर अवैध कब्जे को मुक्त कराने का निर्देश दिया गया तथा परन्तु अभी तक सही नाप न होने पर सम्बन्धित लेखपाल के लापरवाही मानते हुये चेतावनी देते हुये कहा कि तत्काल कागज में दर्ज नदी के लम्बाई चौड़ाई के अनुसार नाप कराना सुनिश्चित कराए अन्यथा निलम्बन की कार्यवाही की जायेगी। खण्ड विकास अधिकारी ने बताया कि लोंहदी नदी 11 ग्राम सभाओं से होते हुये जाती है सभी 5 ग्राम सभाओ को छोड़कर सभी पर कार्य प्रारम्भ किया गया हैं। जिलाधिकारी ने कार्य प्रारम्भ न होने ग्राम पंचायतों के समस्याओं के समाधान के लिये सम्बन्धित अधिकारियों की बैठक भी बुलाने का निर्देश दिया गया। इस अवसर पर खण्ड विकास अधिकारी के अलावा ग्राम स्तरीय अधिकारी व ग्राम प्रधान उपस्थित रहें।

अजुहा के महात्मा बुद्ध महाविद्यालय में छात्रों को मिला टेबलेट

अजुहा, कौशाम्बी। अजुहा कस्बे में स्थित महात्मा बुद्ध महाविद्यालय में बुधवार को टेबलेट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया महाविद्यालय के प्राचार्य धरणीधर की मौजूदगी में महाविद्यालय में अध्ययनरत एम 0ए0 ,एम0 काम0, पीजीडीसीए के कुल 46 छात्र एवं छात्राओं को टेबलेट वितरित किया गया।

शिक्षा को हाईटेक बनाने के लिए प्रदेश की सरकार द्वारा छात्र एवं छात्राओं को टेबलेट वितरित किया जा रहा है । वही अजुहा कस्बे में स्थित महात्मा बुद्ध महाविद्यालय में छात्रों को टेबलेट वितरण किया गया , कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के प्राचार्य धरणी धर ने बताया कि आज के इस तकनीकी के युग में सरकार द्वारा जो कार्य किया जा रहा है वह बहुत ही सराहनीय है आज के युवा को तकनीकी के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए टेबलेट या स्मार्टफोन बहुत ही उपयोगी सिद्ध होगा। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक रामलोचन , मनीराम , दिनेश सिंह , मनोज कुमार , समर सिंह एवं छात्र आशुतोष सिंह , राज सिंह , भानु सिंह , प्रीति अग्रहरि ,अनुप्रिया पटेल , अन्नपूर्णा सहित महाविद्यालय स्टॉफ व छात्र मौजूद रहे।

ट्रांसफार्मर में लगी आग, दमकल कर्मियो ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पाया काबू

सिराथू, कौशाम्बी। सिराथू तहसील क्षेत्र के घटमापुर विद्युत सब स्टेशन के अफजलपुरवारी गांव में लगे 200 केवीए के विद्युत ट्रांसफार्मर में बीती रात अचानक आग लग गई इस दौरान ट्रांसफार्मर धू धू कर जलने लगा, आसपास मौजूद स्थानीय लोगो ने ट्रांसफार्मर में लगी आग को देखा तो ग्रामीणों में दहशत का माहौल व्याप्त हो गया सूचना पर पहुंची पुलिस ने दमकल कर्मियो को सूचना दी जिसके बाद पहुंचे दमकल कर्मियो ने पानी का बौछार कर लगभग दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया । विद्युत ट्रांसफार्मर जलने से क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति ठप हो गई।

चोरों को नहीं पकड़ पा रही पुलिस तो साहूकारों पर ही उतार रही अपना खीज

मीरजापुर। शहर कोतवाली के आस पास रहने वाले दुकानदार इन दिनों पुलिस उत्पीड़न से जूझ रहे हैं। शहर कोतवाली के पास की एक महिला ने शिकायत किया कि कुछ लोग उसके घर के सामने शौच करते हैं। फिर क्या था पुलिस जिसको पाई उसी को लघु शंका करने के मामले में पकड़कर थाने ले गई। एसपी साहब को कारवाई भी दिखानी है तो फिर सभी दुकानदारों का उन्होंने 151,107,116 शांति भंग में चालान कर दिया। कारवाई के बाद महिला नाराज हो गई। वह बार बार कह रही थी कि जिसको पकड़कर लाएं है

पुलिस लाइन के परेड ग्राउंड में हुआ अंतरराष्ट्रीय दिवस का पूर्वाभ्यास

मीरजापुर। पतंजलि युवा भारत एवं विंध्य योग सेवा धाम के तत्वाधान में नगर के पुलिस लाइन परेड ग्राउंड में अंतर्राष्ट्रीय दिवस प्रोटोकॉल का पूर्वाभ्यास हुआ। राष्ट्रीय योगासन जज योग गुरु योगी ज्वाला सिंह अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के प्रोटोकॉल का अभ्यास करते हुए खड़े होकर करने वाले आसनों में ताड़ासन, कोणासन, कटिचक्रासन व बैठकर करने वाले आसनों में मंडूकासन शसकासन के साथ–साथ भस्त्रिका प्राणायाम, अनुलोम विलोम प्राणायाम आदि का विशेष अभ्यास करते हुए उनसे होने वाले लाभ के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी।

राहुल गांधी के जन्मदिन पर कांग्रेसियों ने बांटे उपहार

प्रयागराज(आरएनएस)। जिला कांग्रेस कमेटी गंगापार द्वारा राहुल गांधी का 54वां जन्मदिन संकल्प दिवस के रूप में मनाया गया। आज अपराह्न पुराने शहर में जिलाध्यक्ष सुरेश यादव की अध्यक्षता में केक काटा और मिठाईयां बांटी गयीं। वक्ताओं ने राहुल को भारत का भविष्य बताते उनके दीर्घायु की कामना की। कहा कि उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान आम आदमी के दर्द को जाना और निरंतर अभियान से दमनकारी मोदी सरकार को विवश किया। कहा कि राहुल गांधी युवाओं, किसानों, महिलाओं सहित पूरे देश की आशा हैं। यह भी कहा कि उनमें पिता राजीव गांधी की छवि एवं कार्य शैली दिखती है। कांग्रेसजनों ने बाद में विभिन्न अस्पतालों रोगियों को फल, अनाथ बच्चों एवं गरीबों को भोजन पैकेट व उपहार बांटे।

जिला महिला व्यापार मंडल ने नगर आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

प्रयागराज(आरएनएस)। जिलाध्यक्ष अवंतिका टंडन, महासचिव पल्लवी अरोड़ा और कोषाध्यक्ष हिना खान ने अपर नगर आयुक्त अंब्रीश कुमार बिंद को वृक्षारोपण, प्याऊ एवं सड़कों की मरम्मत किये जाने को लेकर आवश्यक कदम उठाने की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा। अवगत कराया कि इस वर्ष की रिकॉर्ड तोड़ गर्मी को देखकर जिला महिला व्यापार मंडल ने ठोस कदम उठाने का प्रयास किया है और समस्त प्रयागवासियों से आग्रह किया है कि वे घने और छायादार वृक्ष लगाने के इस प्रयास में अपना बहुमूल्य योगदान अवश्य दें। जिला महिला व्यापार मंडल ने अनूठी पहल के तहत 1000 वृक्ष लगाने का प्रस्ताव रखा है। यह वृक्ष छायादार और बड़े होंगे जैसे कि नीम, बरगद, पीपल, कदम इत्यादि, जो 2–5 वर्षों में पूर्ण विकसित हो जाएंगे। इस पहल को सफल बनाने के लिए नगर निगम से सहयोग के तौर पर वृक्षों के संरक्षण हेतु ट्री गार्ड उपलब्ध कराने की व्यवस्था कराने का आग्रह किया।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।